page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/18/2025 11:44 PM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 एनएचएआई ने बनिहाल, शेरबीबी इलाकों में गिराए दर्जनों अवैध निर्माण

5 खेल मंत्री डा मांडविया ने सक्रैश वलड कप जीतने पर भारतीय टीम को किया सम्मानित

8 प्लग ट्रे पौध उत्पादन प्रौद्योगिकी

न्यूनतम 11

मौसम जम्मू

अधिकतम 21

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-311 | जम्मू तवी, शुक्रवार 19 दिसम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

भारत-ओमान में सीईपीए सहित कृषि, शिक्षा और नवाचार में सहयोग पर सहमति

नई दिल्ली, 18 दिसंबर । भारत और ओमान के बीच गुरुवार को व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता हुआ। इसके अलावा समुद्री विरासत एवं संग्रहालय, कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र तथा उच्च शिक्षा पर तीन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर हुए। दोनों देशों ने मोटा अनाज की खेती और कृषि-खाद्य नवाचार में सहयोग के लिए कार्यकारी कार्यक्रम और समुद्री सहयोग पर संयुक्त दृष्टिकोण दस्तावेज़ को अपनाया। विदेश मंत्रालय की तरफ से बताया गया कि सीईपीए का उद्देश्य घनिष्ठ आर्थिक एवं वाणिज्यिक एकीकरण को सुदृढ़ और विकसित करना है। इसके माध्यम से व्यापार बाधाओं को कम करके और एक स्थिर ढांचा तैयार कर दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा दिया जाएगा। इससे अर्थव्यवस्था के सभी प्रमुख क्षेत्रों में अवसर खुलेंगे, आर्थिक विकास को गति मिलेगी, रोजगार सृजन और निवेश प्रवाह को बढ़ावा मिलेगा।

समझौता ज्ञापनों के तहत दोनों देश लोथल स्थित राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर सहित समुद्री संग्रहालयों को सहयोग प्रदान करने के लिए साझेदारी स्थापित करेंगे। कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में प्रगति, बागवानी संवर्धन, एकीकृत कृषि प्रणालियों और सूक्ष्म सिंचाई में सहयोग करेंगे। पारस्परिक हित के क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान, विशेष रूप से व्यावहारिक अनुसंधान करते हुए संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और विद्वानों के आदान-प्रदान को सुगम बनायेंगे। इसके अलावा भारत की वैज्ञानिक विशेषज्ञता और ओमान की अनुकूल कृषि-जलवायु परिस्थितियों में ढांचागत सहयोग स्थापित होगा। समुद्री सहयोग पर संयुक्त दृष्टिकोण दस्तावेज अपनाने से क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा, नीली अर्थव्यवस्था और समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग के क्षेत्र में सहयोग सुदृढ़ होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज मस्कट में सुल्तान हैथम बिन तारिक के साथ द्विपक्षीय बैठक की। रॉयल पैलेस में दोनों नेताओं ने सीधे और प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। उन्होंने भारत-ओमान रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा की और द्विपक्षीय संबंधों में लगातार हो रही वृद्धि की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह यात्रा भारत-ओमान संबंधों के लिए विशेष महत्व रखती है क्योंकि दोनों देश इस साल राजनयिक संबंधों की स्थापना के 70 साल मना रहे हैं। नेताओं ने ओमान विज़न 2040 और 2047 तक विकसित भारत बनने के लक्ष्यों के बीच तालमेल का स्वागत किया और अपने लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए एक-दूसरे को अपना समर्थन दिया। नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया और क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री ने ओमान के अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन में शामिल होने की सराहना की और उन्हें आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे के गठबंधन और वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

कश्मीर घाटी, जंगलों या गांवों में सक्रिय हर आतंकवादी को निष्क्रिय किया जाना चाहिए :उपराज्यपाल

जम्मू, 18 दिसंबर । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को कहा कि 2019 से जम्मू और कश्मीर में हासिल की गई सुरक्षा उपलब्धियों की रक्षा की जानी चाहिए और कश्मीर घाटी, जंगलों या गांवों में सक्रिय हर आतंकवादी को निष्क्रिय किया जाना चाहिए। जम्मू के आईआईटी में आयोजित पहले केंद्र शासित प्रदेश स्तरीय सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने आतंकवादियों, उनके समर्थकों और विचारधाराओं के खिलाफ समन्वित कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि उनके तंत्र और सुरक्षित ठिकानों को समाप्त किया जा सके। सिन्हा ने कहा कि 2019 से हासिल की गई वास्तविक सुरक्षा उपलब्धियों की रक्षा की जानी चाहिए और घाटी, जंगलों, पहाड़ियों या गांवों में सक्रिय हर आतंकवादी और उनके समर्थकों को निष्क्रिय किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय पुलिस महानिदेशकों (डीजीपी) और पुलिस महानिरीक्षकों (आईजीपी) के सम्मेलनों की तर्ज पर आयोजित यह सुरक्षा सम्मेलन जम्मू और कश्मीर में आयोजित होने वाला पहला ऐसा कार्यक्रम है। पिछले छह वर्षों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है। उपराज्यपाल ने कहा कि जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना, खुफिया

एजेंसियों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के संयुक्त प्रयासों से आतंकवादी हिंसा, सक्रिय आतंकवादियों की संख्या और भर्ती में उल्लेखनीय कमी आई है।

उन्होंने कहा कि सशस्त्र आतंकवादियों और उनके समर्थकों, भूमिगत युद्धरत कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों को धमकाने वाले तत्वों के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिए। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें अपने कृत्यों की भारी किमत चुकानी पड़े। सिन्हा ने उभरते खतरों से निपटने, खुफिया क्षमताओं को बढ़ाने और नए जमाने की सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए एक उन्नत सुरक्षा तंत्र बनाने की रणनीतियों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में सुरक्षा खतरों का परिदृश्य काफी बदल गया है। हमें प्रतिक्रियात्मक सुरक्षा रणनीतियों से हटकर सक्रिय सुरक्षा रणनीतियों की ओर बढ़ना होगा और आतंकवाद, आतंकी वित्तपोषण, कट्टरता और नशीले पदार्थों से जुड़े आतंकवाद के खतरों का मुकाबला करने के लिए एआई जैसे परिष्कृत उपकरणों का उपयोग करना होगा। अपने संबोधन में सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में यह सुरक्षा सम्मेलन आतंकवाद के सभी रूपों का मुकाबला करने के लिए एक समग्र सरकारी दृष्टिकोण विकसित करने हेतु विचार-विमर्श और सहयोग के केंद्र के रूप में कार्य करेगा।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष रायपुर में आयोजित डीजीपी और आईजीपी सम्मेलन के दौरान विकसित भारत, सुरक्षा आयाम विषय पर गहन चर्चा हुई जो तेजी से बदलती दुनिया की मांगों को पूरा करने के लिए पुलिस संस्थानों को रूपांतरित करने के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। अधिकारियों ने बताया कि दिन भर चले सुरक्षा सम्मेलन में जम्मू-कश्मीर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, खुफिया अधिकारी, नागरिक प्रशासन और सीएपीएफ के प्रतिनिधि शामिल हुए

खबर संक्षेप

पी.डी.डी. विभाग के तत्कालीन मीटर रीडर सुरिंदर सिंह, उनकी पत्नी और बेटे के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में आरोपपत्र दाखिल

श्रीनगर, 18 दिसंबर । जम्मू और कश्मीर भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (जेकेएसीबी) ने गुरुवार को पी.डी.डी. विभाग के तत्कालीन मीटर रीडर (अब सेवानिवृत्त) सुरिंदर सिंह, उनकी पत्नी और बेटे के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में आरोपपत्र दाखिल किया।

जारी बयान के अनुसार एजेंसी ने कहा कि आज 18.12.2025 को भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो ने विशेष न्यायाधीश, भ्रष्टाचार विरोधी न्यायालय जम्मू के समक्ष एफआईआर संख्या 01/2021 पुलिस स्टेशन एसीबी सेंट्रल, धारा 5(1)(ई) पठित 5(2) जम्मू और कश्मीर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, संख्या 2006 और धारा 109 आरपीसी के तहत मामले का चालान पेश किया है जिसमें आरोपी व्यक्तियों की पहचान सुरिंदर सिंह पी.डी.डी. विभाग के तत्कालीन मीटर रीडर (अब सेवानिवृत्त) जगदीश सिंह के पुत्र निवासी अपर ठठर जम्मू, मीनाक्षी बंद्राल पत्नी सुरिंदर सिंह निवासी अपर ठठर जम्मू, और कुणाल सिंह पुत्र सुरिंदर सिंह निवासी अपर ठठर, जम्मू के रूप में हुई है।

बयान में यह कहा गया है कि मामले के संक्षिप्त तथ्य यह हैं कि एसीबी द्वारा की गई जांच के आधार पर यह मामला दर्ज किया गया था। जांच में आरोप लगाया गया था कि सुरिंदर सिंह पुत्र जगदीश सिंह निवासी अपर ठठर जम्मू जो गांधी नगर जम्मू स्थित पीडीडी विभाग में मीटर रीडर के पद पर तैनात हैं ने अपने नाम और अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर करोड़ों रुपये की चल और अचल संपत्ति जमा कर रखी है जो उनकी ज्ञात आय के स्रोतों के अनुपात में बहुत अधिक है।

मेहराज मलिक की कानूनी टीम ने अपनी दलीलें पूरी कीं, सरकार को 27 दिसंबर को देना होगा जवाब

कठुआ, 18 दिसंबर । विधायक मेहराज मलिक की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका गुरूवार को जम्मू स्थित जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति मोहम्मद यूसुफ वानी के समक्ष सूचीबद्ध की गई।

मामले की सुनवाई शुरू होने पर वरिष्ठ अधिवक्ता राहुल पंत, अधिवक्ता एसएस अहमद, अधिवक्ता एम इकबाल खान, अधिवक्ता अप्पू सिंह सलाथिया, अधिवक्ता एम जुल्करनैन चौधरी और अधिवक्ता तारिक मुगल ने याचिकाकर्ता विधायक मेहराज मलिक की ओर से जोरदार दलीलें पेश कीं।

इसके अलावा मामले को सरकार की दलीलों के लिए 27 दिसंबर 2025 को सूचीबद्ध किया गया है। इसके अलावा वरिष्ठ वकील सुनील सेठी और वरिष्ठ एएजी मोनिका कोहली भी सुनवाई के दौरान उपस्थित थे। अदालत ने इस मामले की विस्तृत सुनवाई की है और इसे 27 दिसंबर 2025 को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है।

लोकसभा में भारी हंगामे के बीच वीबी-जी-राम-जी विधेयक पारित

नयी दिल्ली, 18 दिसंबर । लोकसभा में गुरुवार को विपक्ष के भारी हंगामे और विरोध के बीच विकसित भारत रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) वीबी -जी राम-जी (विकसित भारत जी राम जी) विधेयक 2025 पारित किया।

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मनरेगा का स्थान लेने वाले वीबी-जी-राम-जी विधेयक पर बुधवार मध्यरात्रि तक चली चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि इस विधेयक के माध्यम से महिला, युवा, गरीबों की जिंदगी बदलने का काम कर बापू के आदर्शों को जिंदा रखने का काम किया गया है। यह गरीबों की जिंदगी बदलेगा और आदर्श ग्राम की स्थापना करेगा जिसमें लोगों को सभी प्रकार की सुविधाएं उनकी पहुंच में होगी।

उन्होंने कहा कि हम किसी से भेदभाव नहीं करते हैं। बापू हमारी प्रेरणा और श्रद्धा हैं। पूरा देश हमारे लिए एक है। हमारे विचार संकीर्ण और संकुचित नहीं है। कांग्रेस ने मनरेगा को पूरी तरह से भ्रष्टाचार के हवाले कर दिया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार का जवाब सुनना ही नहीं चाहती है। उन्होंने कहा कि असल मायने में मनरेगा के फंड का दुरुपयोग किया गया है। दूसरी तरफ हमारी सरकार ने विकास कार्यों पर खर्च करने का काम किया है। उन्होंने कहा

कि इस विधेयक से किसानों और गरीबों का कल्याण होगा।

उन्होंने कहा कि नरेगा को महात्मा गांधी के नाम के साथ शुरू नहीं किया गया था। उन्होंने 2009 के चुनावों से पहले वोट बैंक को ध्यान में रखते हुए इसमें महात्मा गांधी का नाम जोड़ा था। उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) ने अपने कार्यकाल में इस पर सिर्फ 2.13 लाख करोड़ रुपये खर्च किये जबकि मोदी सरकार ने 2014 से इस पर 8.53 लाख करोड़ रुपये खर्च किये हैं। उन्होंने कहा कि पहले इसमें भ्रष्टाचार था लेकिन मोदी सरकार ने इसे भ्रष्टाचार मुक्त बनाया है।

ग्रामीण विकास मंत्री ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के उन आरोपों को खारिज कर दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार अपनी मर्जी से योजनाओं के नाम बदल देती है। इस आरोप का जवाब देते हुए उन्होंने नेहरू गांधी परिवार के सदस्यों के नाम पर कई कल्याणकारी कार्यक्रमों की सूची गिना दी और तर्क दिया कि कांग्रेस का राजनीतिक फायदे के लिए नाम जोड़ने का लंबा इतिहास रहा है। उन्होंने कांग्रेस पर महात्मा गांधी के आदर्शों को धोखा देने का भी आरोप लगाया और कहा कि पार्टी ने भारत के बंटवारे को स्वीकार किया और आजादी के बाद कांग्रेस को भंग करने की गांधी की बात को नजरअंदाज किया। कांग्रेस ने खुद गांधीवादी सिद्धांतों को खत्म कर दिया।उन्होंने कहा कि इस विधेयक के नाम में ही इस योजना का काम लिखा हुआ है। इस योजना में रोजगार की गारंटी दे रहे हैं, आजीविका को समृद्ध कर रहे हैं। इससे वैभवशाली, गौरवशाली भारत का निर्माण हो रहा है विकसित भारत के लिए विकसित गांव का निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा कि मनरेगा की जगह पर नया विधेयक इसलिए लिए लाया गया ताकि राज्यों के बीच फंड का जो बंटवारा असमान्य था उसे ठीक किया जाये। मनरेगा को भ्रष्टाचार के हवाले कर दिया गया था इसे दुरुस्त करना आवश्यक था। मनरेगा का सही उपयोग हो और पैसे का सही उपयोग हो ,इसलिए इन कमियों को दूर करने का विचार किया गया।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय ने 2026 के लिए शीतकालीन अवकाश कार्यक्रम की घोषणा की

जम्मू, 18 दिसंबर। रजिस्ट्रार जनरल द्वारा जारी एक आदेश के अनुसार जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय ने वर्ष 2026 के लिए अपने शीतकालीन अवकाश कार्यक्रम को आधिकारिक तौर पर अधिसूचित कर दिया है।

अधिसूचना के अनुसार उच्च न्यायालय 1 जनवरी से 24 जनवरी, 2026 तक (दोनों दिन सम्मिलित) शीतकालीन अवकाश रखेगा। हाई कोर्ट के लिए 1 जनवरी से 10 जनवरी 2026 तक की अवधि को नो वर्क पीरियड घोषित किया गया है। आदेश में आगे कहा गया है कि जम्मू और कश्मीर उच्च न्यायालय नियम, 1999 के नियम 12 के संदर्भ में माननीय मुख्य न्यायाधीश ने अवकाश अवधि के दौरान तत्काल मामलों की सुनवाई के लिए अवकाश न्यायाधीशों को नामित किया है।

जम्मू विंग के लिए माननीय श्री न्यायमूर्ति संजय परिहार 12 जनवरी से 17 जनवरी, 2026 तक अवकाश न्यायाधीश के रूप में कार्य करेंगे जबकि माननीय श्री न्यायमूर्ति राजेश सेखरी 19 जनवरी से 24 जनवरी, 2026 तक अत्यावश्यक मामलों की सुनवाई करेंगे।

क्रोनिक किडनी डिजीज का मुकाबला संयमित जीवन से संभव : योगी आदित्यनाथ

खनऊ, 18 दिसंबर । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एसजीपीजीआई में इंडियन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी के 54वें वार्षिक अधिवेशन में कहा कि क्रोनिक किडनी डिजीज का मुकाबला संतुलित और संयमित जीवन से कर सकते हैं। छोटे बच्चे भी क्रोनिक किडनी डिजीज की चपेट में हैं, जिनको बचाने के लिए व्यापक रणनीति बनाने की सलाह मुख्यमंत्री ने दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने दो साल में उत्तर प्रदेश में इंसेफ्लाइटिस बीमारी के खत्म करके एक उत्तम उदाहरण प्रस्तुत किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एसजीपीजीआई अपनी स्थापना के

समय से ही मानवता की सेवा कर रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि पूर्ववर्ती सरकारों में प्रदेश में स्वास्थ्य क्षेत्र उपेक्षित था। अस्पतालों को धन की कमी से जूझना पड़ता था। हॉस्पिटल गंदगी और अव्यवस्था का पर्याय बन गए थे। 2017 के बाद हमने एसजीपीजीआई समेत प्रदेश के किसी भी सरकारी अस्पताल को धन की कमी नहीं होने दी है। उत्तर प्रदेश में 1947 से लेकर 2017 तक केवल 17 मेडिकल कॉलेज थे लेकिन अब प्रदेश में 80 मेडिकल 25 करोड़ नागरिकों की सेवा कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना काल में एसजीपीजीआई समेत सरकारी अस्पतालों की उत्कृष्ट सेवा को याद करते हुए कहा कि हमने संकट की घड़ी में कुशलता से काम किया था। उस समय तकनीक को चिकित्सा सेवा से जोड़ते हुए टेलीमेडिसिन का सहारा लेकर कोराना मरीजों को इलाज उपलब्ध कराया गया।

पुंछ जिला पुलिस एनडीपीएस मामले में सक्षम प्राधिकारी द्वारा 1.10 करोड़ रुपये की संपत्ति की कुर्की की

पुंछ, 18 दिसंबर । पुंछ जिला पुलिस एनडीपीएस नशीली दवाओं की तस्करी और अवैध मादक पदार्थों के व्यापार के खिलाफ चल रही निरंतर कार्रवाई के तहत एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में एफआईआर संख्या 178 2025 में आरोपी मादक पदार्थ तस्कर की लगभग 1.10 करोड़ रुपये की संपत्ति की कुर्की की पुष्टि सक्षम प्राधिकारी द्वारा कर दी गई है। यह मामला पुलिस स्टेशन पुंछ में एनडीपीएस अधिनियम 1985 की धारा 8 21 22 29 और भारतीय न्याय संहिता बीएनएस की धारा 111 के तहत मोहम्मद इकबाल पुत्र गुलाम नबी निवासी सेरी ख्वाजा आंध्र प्रदेश कमसर जिला पुंछ के विरुद्ध दर्ज एफआईआर संख्या 178 2025 से संबंधित है। एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68 के तहत पहले जब्त की गई संपत्ति आरोपी की पत्नी शाहनाज कौसर के नाम पर है और इसमें कमसर में स्थित खसरा संख्या 2093 के अंतर्गत आने वाली 10 मरला क्षेत्रफल की तीन मंजिला निर्माणाधीन इमारत शामिल है जिसका अनुमानित मूल्य लगभग 1.10 करोड़ है। एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68 के तहत पुष्टिकरण आदेश वित्त मंत्रालय जीके के अंतर्गत सेफेमा तस्कर और विदेशी मुद्रा हेरफेरकर्ता के सक्षम प्राधिकारी एवं प्रशासक द्वारा जारी किया गया है।

रेलवे ने क्रिसमस-नववर्ष पर 244 विशेष ट्रेनों का किया संचालन

नई दिल्ली, 18 दिसंबर । क्रिसमस और नववर्ष के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए भारतीय रेलवे ने विशेष ट्रेनों का संचालन शुरू किया है। रेलवे ने त्योहारी सीजन 2025-26 के लिए देश के आठ रेलवे जोनों में अब तक कुल 244 विशेष फेरे अधिसूचित किए हैं। रेलवे आने वाले दिनों में और विशेष ट्रेनों की घोषणा करेगा।

रेलवे के अनुसार, सबसे अधिक 76 फेरे मध्य रेलवे में और 72 फेरे पश्चिम रेलवे में अधिसूचित किए गए हैं। दक्षिण मध्य रेलवे में 26, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में 24, दक्षिण पश्चिम रेलवे में 28, उत्तर रेलवे में आठ, उत्तर पश्चिम रेलवे में छह और पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे में चार फेरे निर्धारित किए गए हैं।

मुंबई-गोवा (कोंकण) कॉरिडोर पर यात्रियों की भारी मांग को देखते हुए मुंबई सीएसएमटी/एलटीटी से करमाली और मडगांव के बीच दैनिक और साप्ताहिक विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इन ट्रेनों में प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव के साथ अतिरिक्त स्लीपर और

बैठने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके अलावा मुंबई-नागपुर, पुणे-सांगानेर सहित महाराष्ट्र के अन्य मार्गों पर भी विशेष सेवाएं चलाई जा रही हैं, जिससे नियमित ट्रेनों में भीड़ कम हो सके।

उत्तर और पूर्व भारत में दिल्ली, हावड़ा, लखनऊ और आसपास के शहरों को जोड़ने वाले व्यस्त मार्गों पर भी विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं, ताकि लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को सुविधा मिल सके। वहीं दक्षिण और मध्य भारत में हैदराबाद, बेंगलुरु, मंगलुरु सहित अन्य शहरों को जोड़ने वाली अतिरिक्त सेवाएं शुरू की गई हैं।

सर्दियां आ गई हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि तुम सिर्फ गर्म कपड़े लाद लो या फिर छुट्टियों के दौरान रजाई में दुबके रहो। इस मौसम में तुम कई ऐसे एडवेंचर स्पोर्ट्स का मजा ले सकते हो, जो सिर्फ इसी मौसम में संभव हैं।

सर्दियों में खेलो ये खेल

यह खास तरह का विंटर स्पोर्ट है, जिसमें स्की करने वाले लोगों को हेलीकॉप्टर से एक पहाड़ की चोटी पर पहुंचा दिया जाता है। इससे स्की करने वाले स्कीइंग के जरिये ऊपर जाने की मेहनत से बच जाते हैं। इसमें बहुत अनुभव और हिम्मत की जरूरत होती है, साथ ही फिजिकल फीचर्स और हवा की दिशा की जानकारी भी जरूर होनी चाहिए। भारत हेली स्कीइंग की सुविधा प्रदान करने वाला पहला देश है। इस स्पोर्ट का सबसे ज्यादा मजा कश्मीर की हिमालय रेंज में आता है। यहां कर सकते हो हेली स्कीइंग- हनुमान टिब्बा मनाली हिमाचल प्रदेश, औली उत्तराखंड, पिथौरागढ़ उत्तराखंड, रोहतांग पास मनाली हिमाचल प्रदेश, चंद्रखानी पास कुल्लू और मनाली हिमाचल प्रदेश, गुलमर्ग जम्मू एवं कश्मीर, देव टिब्बा मनाली,हिमाचल प्रदेश

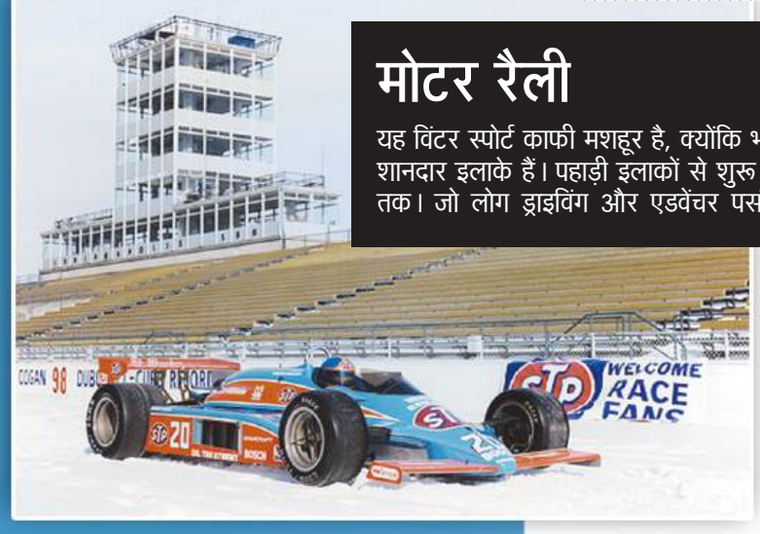

मोटर रैली

यह विंटर स्पोर्ट काफी मशहूर है, क्योंकि भारत में मोटर रैलीज के लिए शानदार इलाके हैं। पहाड़ी इलाकों से शुरू होकर समुद्र तटों (सी बीच) तक। जो लोग ड्राइविंग और एडवेंचर पसंद करते हैं, उनके लिए यह शानदार स्पोर्ट है। पहाड़ी इलाकों में ड्राइविंग करना काफी मुश्किल होता है, इसलिए ड्राइवर को काफी स्मार्ट होना पड़ता है। भारत में होने वाली कुछ मशहूर कार रैली हैं- हिमालयन कार रैली, विंटेज कार रैली, द मानसून रैली, द चारमीनार चैलेंज रैली, कनार्टक 1000 रैली और रैली डी' एंड्योरेंस आदि।

कैमल सफारी

यह जाड़े का एक लोकप्रिय स्पोर्ट है। सबसे बढिया कैमल सफारी का मजा लेना है तो राजस्थान के थार रेगिस्तान में पहुंच जाओ। जोधपुर, जैसलमेर और बीकानेर में कैमल सफारी का बढिया मजा ले सकते हो। इन जगहों के अलावा रामगढ़, नवलगढ़ और चुरू आदि शहरों में भी इसका मजा लिया जा सकता है। सफारी टूर आयोजित करने वाले सफारी के दौरान पुराने जमाने के कारवां सफर की तरह का माहौल पैदा करने की कोशिश करते है, जिसमें सफारी के साथ-साथ म्यूजिशियन भी चलते हैं। साथ ही वे बीच में कहीं-कहीं कैंप फायर का आयोजन भी करते हैं, ताकि टूरिस्ट कैमल सफारी को पूरा एंज्वॉय कर सकें।

दुनिया के अजब-गजब सांप

सामान्यत- सांप को एक बेहद विषैला और खतरनाक जंतु माना जाता है. कई लोग तो सांप का नाम सुनते ही भय से घिर जाते हैं. लेकिन सभी सांप जहरीले नहीं होते, बल्कि कई बहुत सीधे और शांत भी होते हैं. मगर इनका आकार, रंग-रूप हमें भयभीत कर देता है. पुरानी मान्यता है कि सांप दुनिया के सबसे पहले और सबसे पुराने सरीसृप (रेपटाइल्स) हैं. वैसे अगर जहरीले सांपों का जिक्र किया जाये, तो दुनिया में कुल चार तरह के जहरीले सांप होते हैं- पहला एलापिड्स, दूसरा वैपरिड्स, तीसरा कोलुब्रिड्स और चौथा हाइड्रोफाइडी.

एलापिड्स - इस परिवार के सांप दुनिया में उष्णकटिबंधीय इलाकों में पाये जाते हैं. इस परिवार में 231 जातियां होती हैं. कुछ एलापिड्स के सदस्यों का नाम है- कोबरा, किंग कोबरा, करैत. ये सभी बेहद जहरीले होते हैं. दक्षिण और पूर्वी अफ्रीका के पर्वतीय इलाकों में पाया जानेवाला ब्लैक माम्बा दुनिया का खतरनाक जहरीला सांप इसी परिवार का अंग है.

वैपरिड्स (वाइपर) - ये दुनिया भर में पाये जाते हैं सिवाय ऑस्ट्रेलिया और मेडागास्कर के. इनका मुंह अपेक्षाकृत थोड़ा बड़ा होता है, जिससे ये शिकार को आसानी से पकड़ लेते हैं. इस परिवार में चार जातियां होती हैं- आजेमिओपिनि, वाइपरनी, क्रोटेलिनी और काउसिनी.

कोलुब्रिड - इनकी खासियत है कि इनका पूरा शरीर स्केल्स से ढंका होता है. सामान्यत- इनमें जहर नहीं पाया जाता, लेकिन कुछ सांप इनमें ऐसे भी हैं, जिनके नुकीले दांत उनके मुंह के पीछे की तरफ होते हैं और वे नुकसानदायक होते हैं. ऐसे केवल अफ्रीकन ही होते हैं. इस परिवार के सदस्यों में कुछ सांप रानी सांप, राजा सांप, ताज सांप, बैल सांप, चूहा सांप, मोजाबंध सांप, चिकना सांप, पानी सांप, दुधहिया सांप, पेड़ पर रहनेवाले सांप हैं. रानी सांप जहरीला नहीं होता. गहरे भूरे रंग का यह सांप 60 सेंटीमीटर से ज्यादा लंबा नहीं होता है.

हाइड्रोफाइडी - इन्हें समुद्री सांप भी कहते हैं. समुद्री सांप में कई तरह की प्रजातियां होती हैं. वे जमीन की तुलना में पानी में ज्यादा रहते हैं. समुद्री सांप कोबरा समूह से होता है. ये दो मीटर तक लंबे होते हैं. इनके परिवार में 50 से ज्यादा प्रजातियां होती हैं. इनमें से अधिकतर जहरीली होती हैं. इनके ऊपरे जबड़े में अपेक्षाकृत छोटे, नुकीले और थोड़े खोखले दांत होते हैं. इनमें लगभग 1.5 मिलीग्राम तक जहर होता है. समुद्री सांप थलीय सांप की अपेक्षा ज्यादा जहरीले होते हैं.

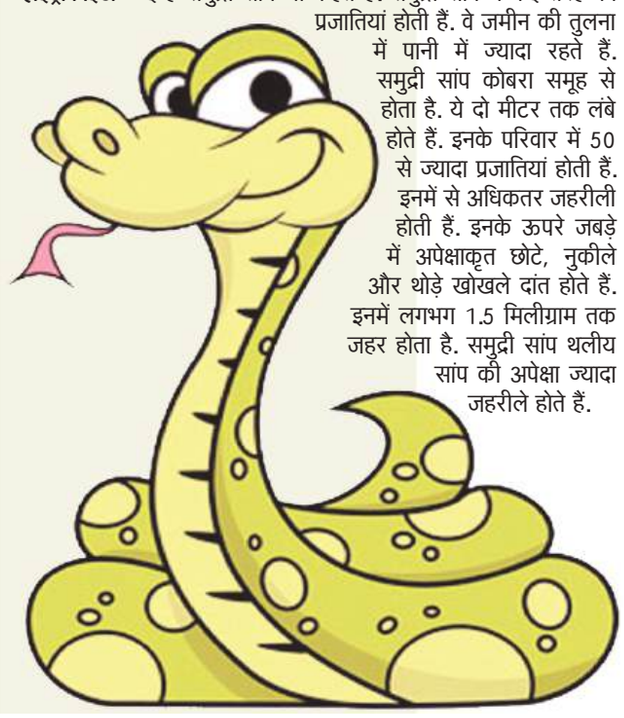

हैंग ग्लाइडिंग

भारत में यह भी एक अहम विंटर स्पोर्ट है। यह एक ऐसा गेम है, जहां खेलने वाले पर्वत श्रृंखलाओं (माउंटेन रेंजेस) की ऊंचाई से भी आगे, नदियों, जंगलों और यहां तक कि मैदानी इलाकों के शानदार दृश्यों का मजा ले सकते हैं। अगर आसमान साफ है तो हैंग ग्लाइडर नदियों के रूट को भी देख सकते हैं, जब तक कि वे धुंध में गायब नहीं हो जातीं। हैंग ग्लाइडिंग जम्मू एवं कश्मीर राज्य के श्रीनगर घाटी क्षेत्र में बहुत लोकप्रिय है। इसके अलावा तमिलनाडु में नीलगिरी पहाडियों, कर्नाटक के मैसूर और मेघालय के शिलांग में भी काफी लोकप्रिय है।

बैलूनिंग

भारत में इसे एक फैंसी विंटर स्पोर्ट के रूप में देखा जाता है। हर साल नवंबर में पूरी दुनिया में बैलून फेस्टिवल का आयोजन किया जाता है और इसमें भाग लेने वाले सभी लोग इसे काफी एंज्वॉय करते हैं। दिल्ली के सफदरजंग एयरपोर्ट स्थित बैलून क्लब ऑफ इंडिया इस हवाई स्पोर्ट का हेडक्वार्टर है।

यहां कर सकते हो बैलूनिंग

आगरा उत्तर प्रदेश, पुष्कर राजस्थान, बेनेश्वर राजस्थान, नागौर

रॉक क्लाइंबिंग

इस गेम में साहस की जरूरत होती है। इसमें ढेरों मुश्किलों का सामना करते हुए अपने लक्ष्य तक पहुंचना होता है और फिर वहां से उसी तरह वापस लौटना पड़ता है। कुछ लोगों में इस खेल को लेकर काफी पैशन होता है। इस खेल में कंसन्ट्रेशन, को-ऑर्डिनेशन और मजबूती का इम्तिहान होता है, साथ ही टेक्निक और स्किल की भी परीक्षा होती है। एक अनुभवी क्लाइंबर जानता है कि पहाड़ों को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता। रॉक क्लाइंबिंग के कुछ प्रसिद्ध सेंटर उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र में हिमालय रेंज में हैं। इसके अलावा पुणे, माउंट आबू के पास वेस्टर्न घाट और राजस्थान में सरिस्का इसके लिए काफी मशहूर है। दुर्घटना से बचने के लिए अपने साथ एक प्रोफेशनल क्लाइंबर रखना बहुत जरूरी है।

गिरगिट का रंग बदलना

गिरगिट समय-समय पर अपना रंग बदलने के लिए जाना जाता है. पर आपने कभी सोचा है कि गिरगिट अपना रंग कैसे बदल लेता है? क्या गिरगिट के भीतर रंगों का भंडार होता है, जो जरूरत के अनुसार उनका इस्तेमाल कर लेता है? दरअसल, इस प्राणी की त्वचा में एक विशेष गुण होता है.

हम अकसर किसी से कहते हैं कि तुम भी गिरगिट की तरह रंग बदल रहे हो! जाहिर है ऐसा हम गिरगिट के स्वभाव को ध्यान में रख कर कहते हैं, जो समय-समय पर अपना रंग बदलने के लिए जाना जाता है. पर आपने कभी सोचा है कि गिरगिट अपना रंग कैसे बदल लेता है? क्या गिरगिट के भीतर रंगों का भंडार होता है, जो जरूरत के अनुसार उनका इस्तेमाल कर लेता है? दरअसल, इस प्राणी की त्वचा में एक विशेष गुण होता है.

वह गुण होता है उसकी विशेष प्रकार की कोशिकाएं यानी सेल क्रोमाटाफोरस में. ये सेल क्रोमाटाफोरस दिमाग द्वारा नियंत्रित होती हैं. किसी भी खतरे को भांप कर गिरगिट का दिमाग इन कोशिकाओं को संदेश भेजता है. कोशिकाएं इसी के अनुरूप फैलने या सिकुड़ने लगती हैं, तो ये सेल क्रोमाटाफोरस अपना आकार बदल कर छोटी या बड़ी हो जाती हैं और पिगमेंट के कारण गिरगिट का रंग बदल जाता है. वह फौरन चारों तरफ के रंगों में घुल-मिल कर अपने शत्रुओं से अपनी रक्षा कर लेती है. शिकार को पकड़ने के लिए भी पत्तों या स्थानीय रंग को धारण कर लेती है. तापमान कम या ज्यादा होने पर भी इसका असर उसकी त्वचा पर दिखाई देने लगता है.

इसके शरीर से विशेष प्रकार के हार्मोन के निकलने से कोशिकाएं उत्तेजित होने लगती हैं. गिरगिट की त्वचा में ऊपर से नीचे पीली, भूरी, काली और सफेद रंग के पिगमेंट से भरी कोशिकाएं होती हैं. इंटरमेडिन, एसीटिलकोलिन व एड्रीनेलिन नाम से हार्मोन ही उन कोशिकाओं को उत्तेजित करने के लिए जिम्मेदार होते हैं. दिलचस्प बात है कि गिरगिट अकेलापन पसंद करते हैं. जब उसका शत्रु से सामना होता है, तो अपने पीले धारियों के साथ लाल रंग में बदल जाते हैं और जब वह बीमार होते हैं, तो उनका रंग पीला हो जाता है, क्योंकि अब उसमें रंग बदलने के लिए ऊर्जा बहुत कम बचती हैं.

प्रजातियां

मुख्य रूप से दो जातियां वर्णित हैं- ब्लूकेसिया (19 प्रजातियां) और कैमेलियो (70 प्रजातियां). इनमें से लगभग आधी प्रजातियां सिर्फ मेडागास्कर में पायी जाती है, अन्य अफ्रीका में सहारा के दक्षिण में. पश्चिमी एशिया में दो प्रजातियां पझायी जाती हैं, एक दक्षिण भारत और श्रीलंका में और दूसरी (यूरोपीय गिरिगट, कैमेलियो, कैमलियॉन) उत्तरी अफ्रीका से लेकर दक्षिणी स्पेन तक. अधिकांश गिरिगट 17-25 सेमी लंबे होते हैं, अधिकतम लंबाई 60 सेमी तक हो सकती है. कुछ में घुमावदार पूंछ भी पायी जाती है. इसकी बाहर ओर निकली हुई आंखें एक-दूसरे से भिन्न दिशा में घूम सकती हैं. दक्षिण अफ्रीका की कुछ प्रजातियां अंडों के बजाय बच्चों को ही जन्म देती हैं.

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

सुचेतगढ़-घराना वेटलैंड डबल लेन सड़क का उद्घाटन, 6 करोड़ की परियोजना से बॉर्डर और इको-टूरिज्म को मिलेगा बड़ा बढ़ावा

जम्मू, 18 दिसंबर (हि.स.)। जिला विकास परिषद सुचेतगढ़ एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता तरनजीत सिंह टोनी ने विधायक घरू राम भगत के साथ घराना वेटलैंड तक जाने वाली बहुप्रतीक्षित डबल लेन सड़क का उद्घाटन किया। करीब 6 करोड़ रुपये की लागत से बनी यह सड़क परियोजना सीमा क्षेत्र में कनेक्टिविटी सुधारने के साथ-साथ बॉर्डर और इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए तरनजीत सिंह टोनी ने कहा कि सुचेतगढ़ को विकास के लिहाज से एक मॉडल क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा, जिसमें पर्यटन, सड़क संपर्क और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने इस परियोजना के लिए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके समय पर सहयोग से यह कार्य संभव हो सका। टोनी ने तत्कालीन मुख्य सचिव ए.के. मेहता की भूमिका की भी सराहना की, जिन्होंने उपराज्यपाल के निर्देश पर बढ़ते पर्यटक आवागमन को देखते हुए सड़क के डबल लेन को मंजूरी दी। टोनी ने कहा कि पहले सिंगल लेन सड़क होने के कारण पर्यटकों को, खासकर पीक सीजन में, भारी असुविधा का सामना करना पड़ता था, जबकि घराना एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध वेटलैंड और बर्ड वॉचिंग स्थल है। नई डबल लेन सड़क से यात्रा सुगम होगी और पर्यटकों का अनुभव बेहतर बनेगा। घराना वेटलैंड के महत्व को रेखांकित करते हुए टोनी ने बताया कि साइबेरिया से पक्षी लगभग 12 हजार किलोमीटर की दूरी तय कर हर साल घराना पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि इस सीजन में ही 400 से अधिक प्रजातियों के पक्षी दर्ज किए गए हैं, जो इसे अंतरराष्ट्रीय महत्व का बॉर्डर टूरिज्म केंद्र बनाता है।

एनएचएआई ने बनिहाल, शेरबीबी इलाकों में गिराए दर्जनों अवैध निर्माण

बनिहाल, 18 दिसंबर (हि.स.)। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) पर अतिक्रमण विरोधी अभियान तेज कर दिया है और गुरुवार को बनिहाल और शेरबीबी क्षेत्रों में दर्जनों अवैध ढांचों को ध्वस्त कर दिया।

यह अभियान एनएचएआई अधिकारियों बनिहाल के उप-मंडल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) मोहम्मद नसीब और बनिहाल के एसएचओ आशिक बुखारी की देखरेख में चलाया गया। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात था। अधिकारियों ने बताया कि यह विध्वंस राजमार्ग की भूमि पर अनाधिकृत कब्जों के खिलाफ चलाए जा रहे निरंतर अभियान का हिस्सा है जिसे रामबन और उधमपुर जिलों में नियमित निरीक्षण के बाद शुरू किया गया है।कुछ सप्ताह पहले राजमार्ग प्रशासन द्वारा अधिकृत अधिकारी और एनएच-44 (रामबन मुख्यालय) के परियोजना निदेशक शुभम यादव द्वारा किए गए निरीक्षण में दोनों जिलों में एनएच-44 के किनारे कई स्थानों पर 70 से अधिक अवैध ढांचे और अनाधिकृत प्रवेश बिंदु पाए गए थे। अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई भारत के सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में की जा रही है जिसके बाद केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने राष्ट्रीय राजमार्गों से अतिक्रमण हटाने के लिए एनएचएआई को निर्देश दिए थे। एनएचएआई अधिकारियों ने कहा कि वे सड़क सुरक्षा और सुचारू यातायात सुनिश्चित करने के लिए इन निर्देशों का सख्ती से पालन कर रहे हैं। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सड़क संपर्क है और अधिकारियों ने दोहराया कि अवैध कब्जों को रोकने, दुर्घटनाओं के जोखिम को कम करने और एनएच-44 पर वाहनों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए आने वाले दिनों में अतिक्रमण विरोधी अभियान जारी रहेगा।

सांबा के उपायुक्त ने घगवाल मंदिर में रतखड़ा मेले की तैयारियों की समीक्षा की

सांबा, 18 दिसंबर (हि.स.)। सांबा की उपायुक्त आयुषी सूडान ने आगामी रतखड़ा मेले की तैयारियों का मूल्यांकन और अंतिम रूप देने के लिए आज उपायुक्त कार्यालय में एक व्यापक समीक्षा बैठक बुलाई।

यह मेला 27 दिसंबर से घगवाल स्थित पूजनीय श्री नरसिंह देव जी मंदिर में शुरू होने वाला है।रतखड़ा मेले के सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व को पहचानते हुए उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को विस्तृत निर्देश जारी किए जिसमें इस प्रमुख धार्मिक आयोजन के सुचारू संचालन के लिए सावधानीपूर्वक योजना, मजबूत अंतर-विभागीय समन्वय और व्यवस्थाओं के समय पर क्रियान्वयन की आवश्यकता पर जोर दिया गया। विस्तृत विचार-विमर्श के दौरान उपायुक्त ने सुरक्षा प्रोटोकॉल, स्वच्छता अवसंरचना, यातायात प्रबंधन प्रणाली और आवश्यक सार्वजनिक सुविधाओं के प्रावधान सहित बहुआयामी तैयारी उपायों का गहन मूल्यांकन किया। धार्मिक उत्सवों के दौरान तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए सख्त कानून व्यवस्था बनाए रखने, स्वच्छता के उत्कृष्ट मानकों को सुनिश्चित करने और वाहनों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। उपायुक्त ने निर्बाध पेयजल आपूर्ति, मोबाइल शौचालय सुविधाओं की पर्याप्त तैनाती, व्यापक चिकित्सा और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणालियों, अग्नि सुरक्षा तंत्रों और जन कल्याण के लिए आवश्यक अन्य महत्वपूर्ण सेवाओं से संबंधित व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की। मनोरंजन झूलों और अस्थायी बाजारों के लिए उपयुक्त स्थान निर्धारित करने के लिए रणनीतिक निर्देश जारी किए गए, यह सुनिश्चित करते हुए कि इनसे वाहनों की आवाजाही बाधित न हो और जनता की सुविधा में कोई समझौता न हो, जो परंपरा और जन सुरक्षा के बीच संतुलित दृष्टिकोण को दर्शाता है। उपायुक्त ने स्पष्ट रूप से कहा कि निर्बाध अंतर-विभागीय समन्वय एक सुरक्षित, व्यवस्थित और यादगार रतखड़ा मेले के आयोजन के लिए सर्वोपरि है, जो श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए प्रशासनिक उत्कृष्टता के उच्चतम मानकों को बनाए रखता है।

मुंशी चक पुली से योग आश्रम तक सड़क के ब्लैकटॉपिंग कार्य का शुभारंभ

जम्मू, 18 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू वेस्ट के विधायक अरविंद गुप्ता ने वार्ड नंबर 32 में मुंशी चक पुली से योग आश्रम तक लंबे समय से प्रतीक्षित सड़क के ब्लैकटॉपिंग कार्य का उद्घाटन किया। करीब 38 लाख रुपये की लागत से होने वाला यह कार्य क्षेत्र में सड़क बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और आम जनता की सुविधा बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। उद्घाटन समारोह में धरम वीर सिंह, प्रीतपाल सिंह, सुचा सिंह, अनिल अंगराल, केशव चोपड़ा, गीता सोढ़ी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

क्षेत्रवासियों ने कार्य की शुरुआत पर संतोष व्यक्त करते हुए इसे वर्षों पुरानी मांग की पूर्ति बताया। इस अवसर पर विधायक अरविंद गुप्ता ने कहा कि वार्ड नंबर 32 के निवासियों की यह सड़क लंबे समय से जर्जर हालत में थी। ब्लैकटॉपिंग कार्य शुरू होने से सुरक्षित, सुगम और टिकाऊ आवागमन सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचा जम्मू वेस्ट की प्राथमिकता है, क्योंकि इससे लोगों की जीवन गुणवत्ता सीधे तौर पर प्रभावित होती है। गुप्ता ने कहा कि जम्मू वेस्ट में हो रहा विकास भाजपा की जन-केंद्रित नीतियों, स्पष्ट दृष्टिकोण और पारदर्शी शासन का परिणाम है। विकास कार्य केवल सड़क निर्माण तक सीमित नहीं, बल्कि लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य और बेहतर जीवन अवसरों से जोड़ने का माध्यम हैं।

अवंतीपोरा पुलिस ने अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई की, 2 ट्रैक्टर जब्त

अवंतीपोरा, 18 दिसंबर (हि.स.)। अवंतीपोरा पुलिस ने अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ अपना अभियान तेज कर दिया है। विशिष्ट सूचना के आधार पर पुलिस स्टेशन अवंतीपोरा के एसएचओ इंस्पेक्टर एजाज हमाद के नेतृत्व में एसडीपीओ अवंतीपोरा की देखरेख में एक पुलिस टीम ने अवंतीपोरा के चार्लिगुंड में अवैध रेत खनन के खिलाफ अभियान चलाया। अभियान के दौरान यह पाया गया कि कुछ व्यक्ति स्थापित कानूनों और पर्यावरण मानदंडों का उल्लंघन करते हुए लेवलर लगे ट्रैक्टरों का उपयोग करके बड़ी मात्रा में रेत का अवैध खनन कर रहे थे। संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान इस प्रकार है समीर अहमद सोफी पिता मोहम्मद सोफी निवासी कदलाबल अवंतीपोरा, शब्बीर अहमद सोफी पिता कादिर सोफी, मुश्ताक अहमद लोन पिता अब्दुल सलाम लोन, शब्बीर अहमद लॉवे पिता अली मोहम्मद लॉवे, रमीज़ अहमद लॉवे पिता ग़रीब हसन लॉवे, शकील अहमद सोफी पिता अब्दुल्ला सोफी, बशीर अहमद सोफी पिता स्वर्गीय ग़रीब मोहम्मद सोफी सभी निवासी चार्लिगुंड अवंतीपोरा।

कार्रवाई के तहत रेत स्टैंड सहित 2 ट्रैक्टर जब्त किए गए। कानून के संबंधित प्रावधानों के तहत आगे की कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

स्वदेशी मेला स्थानीय कारीगरों को सशक्त करेगा, आत्मनिर्भर जम्मू-कश्मीर का निर्माण करेगा : अशोक कौल

श्रीनगर, 18 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर भाजपा महासचिव (संगठन) अशोक कौल ने भाजपा महासचिव अनवर खान के साथ जवाहर नगर श्रीनगर में आयोजित होने वाले आगामी स्वदेशी मेले की तैयारियों के संबंध में एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में जम्मू-कश्मीर भाजपा सचिव मुदस्सिर वानी, जिला अध्यक्ष श्रीनगर शेख सलमान, भाजपा जिला श्रीनगर टीम, मोर्चा नेता और पार्टी के वरिष्ठ नेता उपस्थित थे। बैठक को संबोधित करते हुए अशोक कौल ने इस बात पर जोर दिया कि स्वदेशी मेला केवल एक प्रदर्शनी नहीं है बल्कि जम्मू-कश्मीर के सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने को मजबूत करने के उद्देश्य से एक शक्तिशाली आंदोलन है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों का उपयोग और प्रचार स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों, किसानों, छोटे व्यापारियों और उद्यमियों को सशक्त बनाता है, जिससे रोजगार पैदा होता है और जमीनी स्तर पर आर्थिक आत्मनिर्भरता सुनिश्चित होती है।

3गतका में ऐतिहासिक कदम – नीलम यूनिवर्सिटी और एन.जी.ए.आई. द्वारा गतका के विकास के लिए साझेदारी

चंडीगढ़, 18 दिसंबर। भारत की समृद्ध जंगजू विरासत गतका खेल को संस्थागत स्वरूप देने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए एन.आई.आई.एल.एम. यूनिवर्सिटी कैथल और नेशनल गतका एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एन.जी.ए.आई.) ने गतका को एक संगठित और प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में बड़े पैमाने पर विकसित करने के उद्देश्य से समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह साझेदारी गतका के सुनियोजित प्रचार, पसार, विकास और लोकप्रियकरण के लिए समर्पित है। इस महत्वपूर्ण समझौते पर एन.आई.आई.एल.एम. (नीलम) यूनिवर्सिटी के चेयरमैन अमित चहल और एन.जी.ए.आई. के अध्यक्ष एडवोकेट हरजीत सिंह ग्रेवाल की ओर से प्रतिनिधि के तौर पर उपाध्यक्ष सुखचैन सिंह कलसानी ने हस्ताक्षर करते हुए इस करार को औपचारिक रूप दिया। इस समारोह के दौरान यूनिवर्सिटी के निदेशक

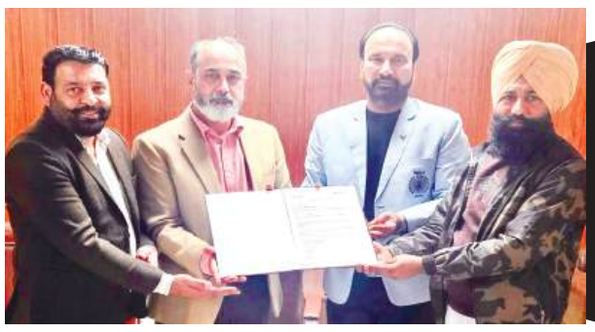

रणनीतिक गठजोड़ से तैयार होंगे गतका के भावी चैम्पियन – ग्रेवाल

गतका को खेल ढांचे में विकसित करने हेतु एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर

(खेल) नरेंद्र ढुल तथा हरियाणवी गतका एसोसिएशन के संयुक्त सचिव नरेंद्र पाल सिंह भी उपस्थित रहे जिससे इस दूरदर्शी पहल को क्षेत्रीय स्तर पर मजबूत समर्थन मिला।इस अवसर पर चेयरमैन अमित चहल ने कहा कि यह गठजोड़ छात्रों, खिलाड़ियों और अकादमिक शोधकर्ताओं के लिए अभूतपूर्व अवसरों के द्वार खोलेगा। उन्होंने कहा कि यह प्रयास गतका को सांस्कृतिक प्रदर्शन की सीमाओं से आगे संगठित प्रतियोगिता और अकादमिक विमर्श के क्षेत्र में स्थापित करने की दिशा में एक ठोस कदम है।

उन्होंने कहा कि इस सहयोग से एन.आई.आई.एल.एम. यूनिवर्सिटी वर्ल्ड गतका फेडरेशन के साथ औपचारिक रूप से जुड़ने वाले कुछ उच्च शिक्षण संस्थानों में से एक बन गई है जिससे स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देने में हरियाणा की बढ़ती भूमिका को और अधिक मजबूती मिलेगी। साझेदारी के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए गतका के संरक्षक एडवोकेट हरजीत सिंह ग्रेवाल ने कहा कि यह एम.ओ.यू. गतका प्रशिक्षण, प्रतियोगिताओं और अकादमिक अध्ययन को युनिवर्सिटी सत्र पर एकीकृत करने की रणनीतिक पहल है। उन्होंने बताया कि समझौते के तहत नीलम यूनिवर्सिटी राष्ट्रीय स्तर की गतका गतिविधियों के लिए आधुनिक खेल का आधारभूत संरचना और संस्थागत सहयोग प्रदान करेगी जबकि नेशनल गतका ऐसोसिएशन तकनीकी विशेषज्ञता, प्रमाणित कोच और तकनीकी अधिकारी उपलब्ध कराएगी।

छात्रों में संवैधानिक मूल्यों और लोकतांत्रिक सिद्धांतों के प्रति जागरूकता पैदा की

कठुआ, 18 दिसंबर (हि.स.)। मढ़हीन स्थित गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज के मतदाता साक्षरता क्लब ने युवा और भारतीय संविधान विषय पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य छात्रों में संवैधानिक मूल्यों और लोकतांत्रिक सिद्धांतों के प्रति जागरूकता पैदा करना था। यह चर्चा संवादात्मक प्रारूप में आयोजित की गई और इसे तीन समूहों में विभाजित किया गया, प्रत्येक समूह में एक शिक्षक और दो छात्र थे जिससे शिक्षकों और छात्रों के बीच समान भागीदारी और विचारों का स्वस्थ आदान-प्रदान सुनिश्चित हुआ। समूह ए में डॉ. प्रीति खजूरिया और छात्राएं रितिका और मानसी शामिल थीं। समूह ब में डॉ. रीमी और छात्राएं निहारिका और मुस्कान शामिल थीं। समूह सी में डॉ. सोनिया सैनी और छात्र मनत बडगल और धीरज शर्मा शामिल थे। पैनल चर्चा के दौरान प्रतिभागियों ने मौलिक अधिकारों की रक्षा में संविधान के महत्व, नागरिकों के कर्तव्यों और लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। छात्रों ने संवैधानिक जिम्मेदारियों, समानता, स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय पर सक्रिय रूप से अपने विचार साझा किए जिससे चर्चा जीवंत और सार्थक बन गई। शिक्षकों की उपस्थिति और मार्गदर्शन ने जटिल संवैधानिक अवधारणाओं को सरल बनाने में मदद की, जिससे छात्रों को उन्हें आसान और समझने योग्य तरीके से समझने में सहायता मिली। सत्र का समापन एक सार्थक संवाद के साथ हुआ जिससे छात्र जिम्मेदार और जागरूक नागरिक बनने के लिए प्रेरित हुए। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) अनुपमा गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने छात्रों को ऐसे कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि वे अपने कौशल और समग्र दक्षता में वृद्धि कर सकें।

बनी में लोड कैरियर गहरी खाई में गिरा, चालक घायल

कठुआ, 18 दिसंबर (हि.स.)। कठुआ जिले की पहाड़ी तहसील बनी के समीप एक महिंद्रा पिकअप लोड कैरियर अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों और प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर घायल चालक को रेस्क्यू कर बनी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार जारी है।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल हादसों के कारण का अभी तक पता नहीं चल पाया है वही बनी पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

जेएमसी आयुक्त ने बगड़ मंडी, छन्नी हिम्मत में हरित पट्टी, नहर मार्ग का निरीक्षण किया

जम्मू, 18 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू नगर निगम (जेएमसी) के आयुक्त डॉ. देवांश यादव ने आज बगड़ मंडी, छन्नी हिम्मत में नहर के किनारे बनी नव विकसित हरित पट्टी और पैदल मार्ग का निरीक्षण किया। इस परियोजना को राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत क्रियान्वित किया गया है जो जम्मू शहर भर में हरित स्थान बनाने और पर्यावरणीय गुणवत्ता बढ़ाने के जेएमसी के चल रहे प्रयासों के हिस्से के रूप में है। नहर के निरीक्षण किए गए हिस्से का उपयोग पहले खुले में कचरा डंप करने के लिए किया जा रहा था जिसके परिणामस्वरूप आसपास के क्षेत्र में अस्वास्थ्यकर स्थिति और पर्यावरण प्रदूषण होता था।

कूड़े के ढेर को हटाने के बाद जम्मू नगर निगम ने एक हरित पट्टी विकसित करके और नहर के किनारे पैदल चलने वालों के लिए अनुकूल पैदल मार्ग का निर्माण करके साइट को सफलतापूर्वक बदल दिया है। इस पहल ने न केवल क्षेत्र की सौंदर्य अपील में सुधार किया है बल्कि निवासियों को सुबह और शाम की सैर के लिए एक स्वच्छ और सुखद स्थान भी प्रदान

किया है। स्थान को और अधिक सुंदर बनाने और नागरिक भावना को बढ़ावा देने के लिए आसपास की दीवार पर स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जिम्मेदार नागरिक व्यवहार पर संदेश देने वाले भित्ति चित्र बनाए गए हैं। निरीक्षण के दौरान, आयुक्त ने स्थानीय लोगों से बातचीत की और इस बात पर जोर दिया कि निरंतर स्वच्छता सुनिश्चित की जा सकती है।

जम्मू ईस्ट में जन समस्याओं के समाधान को लेकर पब्लिक दरबार आयोजित

जम्मू, 18 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू ईस्ट के विधायक युधवीर सेठी ने कच्ची छावनी स्थित पं. प्रेम नाथ डोगरा भवन में पब्लिक दरबार का आयोजन किया, जिसमें लोगों को अपनी नागरिक और विकास संबंधी समस्याएं सीधे जनप्रतिनिधि के समक्ष रखने का अवसर मिला। कार्यक्रम में विभिन्न वार्डों से आए स्थानीय निवासियों, समाजसेवियों और समुदाय प्रतिनिधियों ने सक्रिय भागीदारी की। पब्लिक दरबार को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि जनता से सीधा संवाद उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पब्लिक दरबार लोगों की समस्याएं समझने, उन्हें चिन्हित करने और प्रशासन के माध्यम से शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने का प्रभावी मंच है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हर नागरिक की समस्या महत्वपूर्ण है और उसका समयबद्ध समाधान सरकार की

जिम्मेदारी है।

दरबार के दौरान सड़क मरम्मत, पेयजल आपूर्ति, स्वच्छता, स्ट्रीट लाइटिंग और स्थानीय सेवाओं के नियमितीकरण से जुड़े कई मुद्दे सामने आए। विधायक ने स्वयं शिकायतकर्ताओं से बातचीत की, समस्याएं नोट कीं और संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

विधायक ने कठुआ वासियों को 1 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाएं समर्पित कीं

कठुआ, 18 दिसंबर (हि.स.)। कठुआ विधायक डॉ. भरत भूषण ने गुरूवार को कठुआ के लोगों को 1 करोड़ रुपये की लागत से तीन पक्की सड़कें समर्पित कीं।

विधायक ने सबसे पहले शहर के वार्ड 3 शिव पुरी कठुआ में 8 लाख रुपये की अनुमानित लागत से निर्मित ब्लैक टॉपिंग कार्य का उद्घाटन किया। सड़क का यह हिस्सा पहले कभी निर्मित नहीं हुआ था और गंदगी और संक्रमण का स्रोत था। क्षेत्र के निवासी कई वर्षों से इस कार्य की मांग कर रहे थे और इसके पूरा होने के बाद वार्ड 3 शिव पुरी कठुआ के निवासियों को लाभ मिलेगा। इसके बाद विधायक ने पुलिस चैकी हटली मोड़ से रेलवे रोड तक 22 लाख रुपये की अनुमानित लागत से निर्मित सड़क के पक्कीकरण कार्य का उद्घाटन किया। इस सुविधा से कठुआ औद्योगिक एस्टेट के हजारों श्रमिकों और कठुआ के रेलवे यात्रियों को लाभ होगा जो प्रतिदिन इस सड़क का उपयोग करते हैं। इसी प्रकार विधायक ने हटली मोड़ से कालीबारी तक सड़क के पक्कीकरण कार्य का उद्घाटन किया। पांच किलोमीटर से अधिक के इस मैकाडमाइजेशन कार्य ने सड़क के गड्ढों और अन्य क्षतिग्रस्त हिस्सों को ढक दिया है जो कठुआ शहर की जीवनरेखा है। इस अवसर पर अविनाश गुप्ता एईई लोक निर्माण विभाग, राहुल देव शर्मा सिटी मंडल प्रधान, सुमन बाला लखनपुर मंडल प्रधान, संजना जम्वाल, रविंदर पठानिया, अशोक जसरोटिया, अशोक शर्मा, मनजीत जसरोटिया, दीपक शर्मा, भानु प्रताप, अमित सूदन, जतिंदर भारती, लोक निर्माण विभाग के कर्मचारी और इन क्षेत्रों के स्थानीय निवासी उपस्थित थे।

त्यागमूर्ति कश्यप बंडू का निर्वाण दिवस श्रद्धा व सम्मान के साथ मनाया गया

जम्मू, 18 दिसंबर (हि.स.)। महान सामाजिक चिंतक, त्यागमूर्ति एवं नैतिक-आध्यात्मिक मूल्यों के आजीवन संवाहक रहे स्वर्गीय श्री त्यागमूर्ति कश्यप बंडू का निर्वाण दिवस गहरी श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित स्मृति कार्यक्रम में समाजसेवी, समुदाय के वरिष्ठ नागरिक तथा उनके विचारों से प्रेरित अनुयायी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ऑल स्टेट कश्मीरी पंडित कॉन्फ्रेंस (रजि.) के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता आर. के. वांगनू ने स्वर्गीय त्यागमूर्ति कश्यप बंडू को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने उनके सादगीपूर्ण जीवन, निस्वार्थ सेवा, सत्यनिष्ठा और मानवता के प्रति समर्पण को याद करते हुए कहा कि वे केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि मूल्यों की एक जीवंत संस्था थे।

आर. के. वांगनू ने कहा कि करुणा, एकता और धर्मपूर्ण जीवन के जो संदेश स्वर्गीय कश्यप बंडू ने समाज को दिए, वे आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे महान व्यक्तित्व अपने विचारों और समाज द्वारा आगे बढ़ाए गए कार्यों के माध्यम से सदैव जीवित रहते हैं। इस अवसर पर टी. एन. रैना, संजय बक्शी, रविंदर रैना, पी. के. भट्ट, मोती लाल पंडिता, आर. एल. कौल, कमल जी कौल, चुन्नी लाल पंडिता, जे. एल. पंडित सहित अन्य सदस्यों ने भी अपने विचार रखे और समाजिक सौहार्द व नैतिक जागरण में स्वर्गीय त्यागमूर्ति कश्यप बंडू के योगदान को रेखांकित किया।कार्यक्रम के दौरान पुष्पांजलि अर्पित की गई और दिवंगत आत्मा की चिर शांति के लिए प्रार्थना की गई।

यूएसबीआरएल भारत की सैन्य सर्वोच्चता की स्टील रीढ़ के रूप में उभरी है : डॉ. प्रदीप

जम्मू, 18 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. प्रदीप महोत्रा ने देश के रक्षा क्षेत्र को मजबूत करने में किए गए परिवर्तनकारी कदमों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के साहसिक, निर्णायक और दूरदर्शी नेतृत्व के तहत भारत की रक्षा क्षमताओं ने ताकत, गति और रणनीतिक वर्चस्व के एक नए युग में प्रवेश किया है।

उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने न केवल सशस्त्र बलों का आधुनिकीकरण किया है बल्कि विशेष रूप से संवेदनशील सीमाओं पर परिचालन तैयारियों को बढ़ाने के लिए मजबूत बुनियादी ढांचे और रसद को भी सुनिश्चित किया है। सड़क नेटवर्क में सुधार करते हुए सड़कों को चार लेन का बनाने, पुलों और सुरंगों को शामिल करने, उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना ने कश्मीर और उससे आगे नागरिक कनेक्टिविटी के साथ-साथ भारत की सैन्य क्षमताओं को एक नया आयाम दिया है।

एक हालिया और महत्वपूर्ण विकास पर प्रकाश डालते हुए डॉ. प्रदीप महोत्रा ने कहा कि चिनाब पर सबसे ऊंचे रेल पुल पर चलने वाली एक सैन्य विशेष ट्रेन के माध्यम से कश्मीर घाटी में टैंक और तोपखाने को शामिल करना भारत की रक्षा बलों की बढ़ती पहुंच, क्षमता और तैयारियों का एक शानदार उदाहरण है।

डोडा के उपायुक्त ने विद्युत क्षेत्र योजनाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा की

डोडा, 18 दिसंबर(हि.स.)। डोडा के उपायुक्त हरविंदर सिंह ने आज जिले में कार्यान्वित की जा रही पुनर्संरचित वितरण क्षेत्र योजना और अन्य विद्युत क्षेत्र पहलों की प्रगति का आकलन करने के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने आरडीएसएस कार्यों की भौतिक और वित्तीय दोनों प्रगति का व्यापक मूल्यांकन किया। समीक्षा में फीडर विभाजन, हानि कम करने के उपाय, वितरण अवसंरचना को सुदृढ़ करना और स्मार्ट मीटरों की स्थापना जैसे प्रमुख घटक शामिल थे।

विद्युत आपूर्ति की दक्षता और विश्वसनीयता में सुधार के योजना के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने और निर्धारित समय-सीमा का सख्ती से पालन करने पर जोर दिया गया। आरडीएसएस के तहत अब तक निष्पादित प्रमुख कार्यों को उजागर करते हुए एक पावर प्वाइंट प्रस्तुति दी गई। प्रस्तुति में लकड़ी के खंभों के प्रतिस्थापन, फीडर-वार पूर्णता स्थिति, वर्तमान विद्युत आपूर्ति स्थिति, डीटीआर संवर्धन और प्रतिस्थापन और जिले भर में एमसीएम (मिलियन सर्किट मीटर) मात्राओं के निष्पादन की स्थिति पर अद्यतन जानकारी शामिल थी।

संपादकीय

सर्दियों का मूक खतरा

जम्मू-कश्मीर में सर्दियां केवल बर्फबारी और शून्य से नीचे तापमान सहने की परीक्षा भर नहीं हैं, बल्कि ये तेजी से एक गंभीर जनस्वास्थ्य चुनौती के रूप में उभर रही हैं। चिकित्सा विशेषज्ञ लगातार चेतावनी देते रहे हैं कि कठोर शीतकाल के दौरान दिल के दौरे और स्ट्रोक के मामलों में चिंताजनक वृद्धि होती है, जो ठंड से उत्पन्न हृदय संबंधी तनाव के प्रति क्षेत्र की आबादी की संवेदनशीलता को उजागर करती है।

हृदय रोग विशेषज्ञों के अनुसार, गर्म मौसम की तुलना में सर्दियों में हृदय संबंधी आपात स्थितियां लगभग दोगुनी हो जाती हैं। अत्यधिक ठंड रक्त वाहिकाओं के संकुचन (वासोकंस्ट्रिक्शन) का कारण बनती है, जिससे रक्तचाप बढ़ता है और हृदय को अधिक मेहनत करनी पड़ती है। उच्च रक्तचाप, मधुमेह, अधिक कोलेस्ट्रॉल या धूम्रपान के इतिहास जैसी पहले से मौजूद बीमारियों वाले लोगों के लिए यह अतिरिक्त दबाव घातक सिद्ध हो सकता है। ठंड के मौसम में रक्त गाढ़ा भी हो जाता है, जिससे थक्के बनने का खतरा बढ़ता है और परिणामस्वरूप दिल के दौरे और स्ट्रोक की आशंका अधिक हो जाती है। वैश्विक स्तर पर हर वर्ष लगभग 2 करोड़ लोग दिल के दौरे और अन्य हृदय रोगों के कारण अपनी जान गंवाते हैं। हृदय संबंधी बीमारियां दुनिया भर में कुल मौतों का लगभग 27 से 31 प्रतिशत हिस्सा हैं, जो प्रतिवर्ष अनुमानित 2.05 करोड़ लोगों को प्रभावित करती हैं। चिंताजनक तथ्य यह है कि चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार इनमें से लगभग 85 प्रतिशत मौतें समय पर जांच, उचित उपचार और जीवनशैली में निरंतर सुधार के माध्यम से रोकी जा सकती हैं। ये आंकड़े विशेष रूप से अत्यधिक जलवायु तनाव वाले क्षेत्रों में हृदय स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं। जम्मू-कश्मीर में यह चुनौती सर्दियों से जुड़ी जीवनशैली के कारण और भी गंभीर हो जाती है। लंबे समय तक ठंड रहने से लोग घरों में सीमित रहते हैं, जिससे शारीरिक गतिविधि काफी कम हो जाती है और निष्क्रिय जीवनशैली को बढ़ावा मिलता है। खानपान भी नमकीन, मीठे और अधिक कैलोरी वाले खाद्य पदार्थों की ओर झुक जाता है, साथ ही चाय का अत्यधिक सेवन बढ़ जाता है। ये आदतें भले ही अस्थायी गर्माहट और आराम दें, लेकिन चुपचाप रक्तचाप, रक्त शर्करा और शरीर के वजन को बढ़ाती हैं—जो हृदय रोग के प्रमुख जोखिम कारक हैं। उतनी ही चिंता की बात यह है कि हृदय रोग के शुरुआती लक्षणों को अक्सर गलत समझ लिया जाता है। सीने में बेचैनी, सांस फूलना या हाथ या जबड़े तक फैलने वाले दर्द को अक्सर एसिडिटी, मांसपेशियों में खिंचाव या श्वसन संक्रमण मानकर नजरअंदाज कर दिया जाता है। चेतावनी संकेतों को पहचानने और समय पर चिकित्सा सहायता न लेने से मृत्यु दर में उल्लेखनीय वृद्धि होती है, विशेषकर दूरदराज और बर्फ से घिरे क्षेत्रों में, जहां स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच पहले से ही सीमित है। इस संकट से निपटने के लिए उपचार की बजाय रोकथाम पर अधिक जोर देने की आवश्यकता है। परतदार कपड़े पहनकर, उचित हीटिंग की व्यवस्था करके तथा सिर, हाथों और पैरों को ठंड से बचाकर खुद को गर्म रखना कोई विलासिता नहीं, बल्कि चिकित्सकीय आवश्यकता है। अत्यधिक ठंड में भारी बाहरी गतिविधियों से बचना चाहिए, जबकि स्ट्रेचिंग, योग या घर के भीतर टहलने जैसे हल्के व्यायाम हृदय स्वास्थ्य बनाए रखने में सहायक हो सकते हैं। संतुलित आहार—जिसमें फल, सब्जियां, साबुत अनाज, मेवे और कम वसा वाले प्रोटीन शामिल हों—को सर्दियों में भी तले-भुने और अत्यधिक मीठे खाद्य पदार्थों की जगह अपनाना चाहिए। हाइड्रेशन यानी शरीर में पर्याप्त पानी की मात्रा बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है, जिसे ठंड के मौसम में प्यास कम लगने के कारण अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। निर्जलीकरण से रक्त और अधिक गाढ़ा हो सकता है और थक्के बनने का खतरा बढ़ जाता है। विशेष रूप से उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच शुरुआती चेतावनी संकेतों की पहचान कर जटिलताओं को रोकने में मदद कर सकती है।

वैश्विक आंकड़े स्पष्ट हैं और स्थानीय चेतावनी संकेत उससे भी अधिक मुखर। जागरूकता, समय पर चिकित्सा हस्तक्षेप और निरंतर निवारक देखभाल के माध्यम से जम्मू-कश्मीर में सर्दियों के दौरान होने वाली हृदय संबंधी मौतों के एक बड़े हिस्से को रोका जा सकता है। दिल की सुरक्षा को उतना ही आवश्यक बनाना होगा, जितना सर्दियों में जीवित रहना।

गोवा मुक्ति दिवस: राष्ट्रवादी विचारों का संकल्प

गोवा की आजादी के लिए सैन्य बलों और क्रांतिकारियों ने 19 दिसंबर की तारीख तय की थी। यह गोवा में पुर्तगाली औपनिवेशिक शासन के अंत और हिंदुस्तानी सशस्त्र बलों के साहसिक अभियान का प्रतीक है।

गौरतलब है कि 16वीं शताब्दी से पुर्तगालियों ने गोवा पर कब्जा करना आरंभ कर दिया था। साल 1498 में 'वास्कोडिगामा' समुद्री मार्ग से भारत पहुंच कर पुर्तगालियों को धीरे-धीरे भारत के तटीय क्षेत्रों में बसाना शुरू कर दिया था। उसके बाद उन्होंने अपने व्यापारिक और राजनीतिक किले बनाने आरंभ किए। धीरे-धीरे उन्होंने वर्चस्व स्थापित कर लिया। उनके साम्राज्य का 1961 में अंत कर दिया गया। गोवा को आजाद कराने के लिए भारतीय सैन्य अभियान इतना तेज शुरू हुआ कि उसके सामने पुर्तगाली सेना महज कुछ घंटे टिक सकी। अभियान के बीच में ही करीब 10 हजार पुर्तगाली सैनिकों ने आत्मसमर्पण कर हथियार जमीन पर डाल दिए।

– डॉ. रमेश ठाकुर

गोवा को आजाद हुए आज 64 वर्ष पूरे हो गए। इसे हर वर्ष 19 दिसंबर को 'गोवा मुक्ति दिवस' के रूप में मनाया जाता है। 'मुक्ति दिवस' एक ऐसा राष्ट्रवादी विचारों वाला अहसास है जो प्रत्येक भारतीयों में अपने अधिकारों के लिए लड़ने को न सिर्फ प्रेरित करता है बल्कि सहासिक संबल भी प्रदान करता है। 15 अगस्त 1947 को जब पूरा देश स्वतंत्रता का उत्सव मना रहा था, तब गोवा पुर्तगाली शासन की जंजीरों में जकड़ा था। गोवा मुक्ति दिवस इसी अन्याय के अंत और गोवा की वास्तविक आजादी का जश्न है। भारत की आजादी के 14 वर्षों बाद गोवा मुक्त हुआ। इसे 'गोवा क्रांति' के नाम से जाना जाता है जिसकी आज 64 वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है।

गोवा की आजादी के लिए सैन्य बलों और क्रांतिकारियों ने 19 दिसंबर की तारीख तय की थी। यह गोवा में पुर्तगाली औपनिवेशिक शासन के अंत और हिंदुस्तानी सशस्त्र बलों के साहसिक अभियान का प्रतीक है।

गौरतलब है कि 16वीं शताब्दी से पुर्तगालियों ने गोवा पर कब्जा करना आरंभ कर दिया था। साल 1498 में 'वास्कोडिगामा' समुद्री मार्ग से भारत पहुंच कर पुर्तगालियों को धीरे-धीरे भारत के तटीय क्षेत्रों में बसाना शुरू कर दिया था। उसके बाद उन्होंने अपने व्यापारिक और राजनीतिक किले बनाने आरंभ किए। धीरे-धीरे उन्होंने वर्चस्व स्थापित कर लिया। उनके साम्राज्य का 1961 में अंत कर दिया गया। गोवा को आजाद कराने के लिए भारतीय सैन्य अभियान इतना तेज शुरू हुआ कि उसके सामने पुर्तगाली सेना महज कुछ घंटे टिक सकी। अभियान के बीच में ही करीब 10 हजार पुर्तगाली सैनिकों ने आत्मसमर्पण कर हथियार जमीन पर डाल दिए। वर्ष 1961 में भारतीय सेना ने अपने अदम्य शौर्य से 'ऑपरेशन विजय' के तहत गोवा को करीब 450 साल के पुर्तगाली शासन से मुक्त कराया। भारतीय सेना ने लगभग 36 से 40 घंटे बिना रूके सैन्य अभियान चलाकर गोवा, दमन और दीव को पुर्तगालियों के चुंगल से छुड़वाने में सफलता हासिल की थी।

पुर्तगाली शासन से

मुक्ति के बाद साल 1987 में गोवा को भारत का 25वां राज्य घोषित किया गया।

गोवा सन् 1510 से लेकर 1961 तक पुर्तगालियों के कब्जे में रहा। पुर्तगाली किसी भी स्थिति में गोवा छोड़ना नहीं चाहते थे। गोवा की प्राकृतिक सुंदरता और कुदरती संपदा पर वे कब्जा बनाए रखना चाहते थे। भारत को अंग्रेजों से 1947 में आजादी मिल गई लेकिन गोवा तब भी पुर्तगालियों का गुलाम रहा। इसलिए उस समय भारत को पूर्ण आजाद नहीं माना जा रहा था क्योंकि देश का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पर्तगालियों के शासन में था। गोवा की आजादी के लिए स्वतंत्रता संग्राम 1940 के दशक में शुरू हुआ। साल 1946 में डॉ. राममनोहर लोहिया ने पुर्तगालियों के खिलाफ आवाज उठाने के लिए भारतीयों को प्रेरित किया। उनके आह्वान को स्वीकारते हुए गोवा मुक्ति की लड़ाई राष्ट्रवादी विचारों से प्रभावित लोगों ने सामूहिक रूप से लड़ी, जिसका नजीता ये निकला कि गोवा मुक्त हुआ।

गोवा को मुक्त करवाने के लिए क्रांतिकारियों ने सबसे पहले अहिंसा, शांति पाठ और कूटनीतिक रास्ता अपनाया। लेकिन उनकी उदारता का पुर्तगाल सेना ने नाजायज फायदा उठाकर अपना दमन जारी रखा। आखिरकार आंदोलनकारियों ने भी हथियार उठाए।

साल 1947 के बाद गोवा में स्वतंत्रता की भावना और तेज हुई। गोवा मुक्ति को लेकर आंदोलन न सिर्फ गोवा में हुए बल्कि पूरे देश में यह अभियान तेज हुआ। डॉ. राममनोहर लोहिया जैसे राष्ट्रीय नेताओं ने गोवा आकर आंदोलन की दिशा को धार दी। कई गुमनाम क्रांतिकारी भी कूदे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने भी मोर्चा संभाला। सत्याग्रह, विरोध प्रदर्शन और जनसभाओं के जरिए पुर्तगाली शासन के खिलाफ आवाज उठाई। पुर्तगाली सरकार ने आंदोलन को कठोरता से दबाने का प्रयास किए, कई स्वतंत्रता सेनानियों को जेल में डाल कर उनपर अत्याचार और जुल्म किए।

इसके बाद भारत सरकार ने सेना को लगाया। सेना ने 'ऑपरेशन विजय' चलाकर पुर्तगालियों की कमर तोड़ दी। गोवा की आजादी के लिए यह ऑपरेशन निर्णायक साबित हुआ। 17 दिसंबर 1961 को ऑपरेशन आरंभ हुआ था। जिसमें भारतीय थल सेना, नौसेना और वायु सेना के लगभग 30,000 सैनिक शामिल थे। भारतीय सेना ने रणनीति के तहत पुर्तगालियों के मुख्य मार्गों पर सबसे पहले नियंत्रण किया। गोवा में प्रवेश करने वाले मुख्य मार्ग को पुर्तगालियों ने धमाके से उड़ा दिया था, ताकि वह घुस न पाएं लेकिन भारतीय सैनिक नहीं रूके। उसके बाद भारतीय वायु सेना ने भी पुर्तगालियों के ठिकानों पर जमकर बमबारी की और थल सेना ने चारों ओर से मोर्चा संभाला। तब पुर्तगालियों ने महसूस किया कि अब वो टिक नहीं पांएगे। तभी पुर्तगाली गवर्नर मेन्यू वासलो डी सिल्वा ने औपचारिक रूप से घुटने टेक कर समर्पण पत्र पर हस्ताक्षर कर दिए और गोवा से पुर्तगालियों की वापसी शुरू हो गई।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ऑस्ट्रेलिया में बढ़ती यहूदी विरोधी हिंसा

-डॉ. सत्यवान सौरभ

ऑस्ट्रेलिया को लंबे समय तक ऐसे बहुसांस्कृतिक लोकतंत्र के रूप में देखा गया है, जहाँ विविध धार्मिक, नस्ल और सांस्कृतिक समुदायों ने अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण सह अस्तित्व का अनुभव किया। यहूदी समुदाय भी इस सामाजिक संरचना का सशक्त और सम्मानित हिस्सा रहा है। किंतु हाल के वर्षों में, विशेषकर साल 2023 के बाद यहूदी संस्थानों, सभास्थलों और व्यक्तियों के विरुद्ध लक्षित हिंसा की घटनाओं में वृद्धि ने इस धारणा को गंभीर चुनौती दी है। आगजनी, नफ़रत, धमकियाँ और हमलों की घटनाएँ केवल आपराधिक कृत्य नहीं हैं बल्कि वे ऑस्ट्रेलियाई समाज में बढ़ते ध्रुवीकरण, असहिष्णुता और असुरक्षा की गहरी परतों को उजागर करती हैं। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यहूदी विरोधी हिंसा क्यों बढ़ रही है और शासन व्यवस्था आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए नागरिक स्वतंत्रता का संतुलन कैसे बनाए।

यहूदी विरोधी हिंसा के उभार को समझने के लिए सबसे पहले वैश्विक भू-राजनीतिक संदर्भ पर ध्यान देना आवश्यक है। इज़राइल-ग़ाज़ा संघर्ष जैसे अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रह गए हैं। डिजिटल मीडिया और वैश्विक सूचना प्रवाह के कारण इनका प्रभाव दूरस्थ समाजों तक तत्काल पहुँचता है। ऑस्ट्रेलिया में भी इस संघर्ष ने भावनात्मक ध्रुवीकरण को जन्म दिया है, जहाँ विदेश नीति या सैन्य कार्रवाइयों की आलोचना कई बार यहूदी समुदाय के सामूहिक दोषारोपण में बदल जाती है। राजनीतिक असहमति और धार्मिक-जातीय पहचान के बीच की यह रेखा धुंधली पड़ना यहूदी विरोधी हिंसा को वैचारिक वैधता प्रदान करता है।

इसके साथ ही चरमपंथी विचारधाराओं का विस्तार एक गंभीर कारक बनकर उभरा है। दक्षिणपंथी अतिवाद, श्वेत वर्चस्ववादी सोच और कुछ कट्टरपंथी नेटवर्क लंबे समय से यहूदियों को षड्यंत्र सिद्धांतों से जोड़ते रहे हैं। डिजिटल युग में इन विचारों का प्रसार तेज़ और व्यापक हो गया है। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स और ऑनलाइन फ़ोरम ऐसे 'इको-चैम्बर्स' बनाते हैं, जहाँ नफ़रत को सामान्य व्यवहार की तरह प्रस्तुत किया जाता है। जब व्यक्ति लगातार एक ही प्रकार की भड़काऊ सामग्री देखता है तो हिंसा धीरे-धीरे वैध और आवश्यक प्रतिक्रिया के रूप में चित्रित होने लगती है।

दुष्प्रचार और साजिश की कथाएँ भी यहूदी विरोधी हिंसा को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

ऐतिहासिक रूप से यहूदियों को आर्थिक संकटों, महामारी और राजनीतिक अस्थिरता के लिए दोषी ठहराने की प्रवृत्ति रही है। आधुनिक समय में यही प्रवृत्ति सोशल मीडिया के माध्यम से नए रूप में सामने आती है। कोविड-19 महामारी, वैश्विक आर्थिक मंदी या अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों से जुड़ी जटिलताओं को यहूदी समुदाय से जोड़कर प्रस्तुत किया जाता है। बार-बार दोहराए जाने पर ये झूठे आख्यान सामाजिक चेतना में स्थान बना लेते हैं और हिंसा के लिए मानसिक आधार तैयार करते हैं।

आंतरिक सुरक्षा ढांचे की कुछ संरचनात्मक कमजोरियाँ भी इस समस्या को गहराती हैं।

हाल की घटनाओं ने यह सवाल उठाया है कि हथियार लाइसेंसिंग प्रणाली, मानसिक स्वास्थ्य आकलन और खुफिया निगरानी कितनी प्रभावी है। यदि संभावित हिंसक प्रवृत्तियों के संकेत समय रहते पहचान में न आएँ तो तथाकथित 'लोन वुल्फ' हमले गंभीर नुकसान पहुँचा सकते हैं। यह केवल पुलिस की विफलता नहीं बल्कि पूरी व्यवस्था को चुनौती है, जहाँ जोखिमों का पूर्वानुमान और समय पर हस्तक्षेप अत्यंत आवश्यक होता है।

इन परिस्थितियों में शासन के सामने आंतरिक सुरक्षा और लोकतांत्रिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाए रखने की सबसे बड़ी चुनौती है।

लोकतांत्रिक समाज में सुरक्षा का अर्थ केवल कठोर कानून और निगरानी नहीं हो सकता। राज्य की पहली जिम्मेदारी कानून के शासन को बनाए रखना है, जिसमें घृणा अपराधों पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई शामिल है। यहूदी विरोधी हिंसा के मामलों में सख़्त अभियोजन और दंड का स्पष्ट संदेश देना आवश्यक है कि समाज में नफ़रत और हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है। साथ ही, पीड़ितों को न्याय और सहायता उपलब्ध कराना विश्वास बहाली के लिए अनिवार्य है।

खुफिया तंत्र का समन्वय आंतरिक सुरक्षा की रीढ़ है। संघीय और राज्य स्तर की एजेंसियों के बीच सूचना साझा करने में देरी या असंगति संभावित खतरों को अनदेखा कर सकती है।

ऑनलाइन कट्टरपंथ की निगरानी, संदिग्ध गतिविधियों का विश्लेषण और समय रहते हस्तक्षेप- ये सभी उपाय आवश्यक हैं। किंतु यह निगरानी लक्षित और अनुपातिक होनी चाहिए। अंधाधुंध निगरानी न केवल नागरिकों की गोपनीयता का उल्लंघन करती है बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं पर अविश्वास भी पैदा कर सकती है।

डिजिटल स्पेस का शासन आज आंतरिक सुरक्षा का अनिवार्य घटक बन चुका है। ऑनलाइन घृणा से भाषण और दुष्प्रचार को नियंत्रित किए बिना यहूदी विरोधी हिंसा पर अंकुश लगाना कठिन है। इसके लिए प्लेटफ़ॉर्म जवाबदेही, पारदर्शी नियम और त्वरित कार्रवाई तंत्र आवश्यक हैं। यह भी सुनिश्चित करना होगा कि वैध राजनीतिक असहमति और शांतिपूर्ण विरोध को दबाया न जाए।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र का मूल है और सुरक्षा उपायों को इसे कमजोर नहीं करना चाहिए। आंतरिक सुरक्षा का महत्वपूर्ण किंतु अक्सर उपेक्षित पक्ष सामुदायिक सहभागिता है। यहूदी समुदाय और अन्य अल्पसंख्यकों के साथ विश्वास आधारित संवाद सुरक्षा प्रयासों को अधिक प्रभावी बनाता है। जब समुदाय स्वयं को राज्य का साझीदार महसूस करता है तो वह संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने और कट्टरपंथी प्रभावों का प्रतिरोध करने में सक्रिय भूमिका निभाता है। सामुदायिक नेताओं की भागीदारी, शिकायत निवारण तंत्र और पीड़ित सहायता सेवाएँ सामाजिक एकजुटता को मजबूत करती हैं। शिक्षा और सार्वजनिक विमर्श दीर्घकालिक समाधान की कुंजी हैं। यहूदी विरोधी हिंसा की जड़ें केवल वर्तमान राजनीतिक घटनाओं में नहीं बल्कि ऐतिहासिक पूर्वाग्रहों में भी निहित हैं। होलोकॉस्ट शिक्षा, बहुसांस्कृतिक पाठ्यक्रम और अंतर-धार्मिक संवाद नफ़रत के विरुद्ध सामाजिक प्रतिरक्षा विकसित कर सकते हैं। मीडिया की भूमिका भी निर्णायक है। जिम्मेदार रिपोर्टिंग, तथ्यों की जाँच और भड़काऊ भाषा से परहेज सामाजिक तनाव कम कर सकता है।

यहूदी विरोधी हिंसा के प्रति राज्य की प्रतिक्रिया ऑस्ट्रेलिया के लोकतांत्रिक मूल्यों की भी परीक्षा है। यदि सुरक्षा उपाय किसी विशेष समुदाय को संदिग्ध ठहराने लगें या असहमति को कुचलने का माध्यम बन जाएँ तो वे स्वयं समस्या का हिस्सा बन सकते हैं। इसलिए अधिकार आधारित सुरक्षा दृष्टिकोण आवश्यक है, जिसमें सुरक्षा और स्वतंत्रता को परस्पर पूरक माना जाए। विदेश नीति की आलोचना और यहूदी विरोधी नफ़रत के बीच स्पष्ट अंतर करना इस संतुलन का केंद्रीय तत्व है। अंततः, ऑस्ट्रेलिया में बढ़ती यहूदी विरोधी हिंसा केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं है बल्कि यह सामाजिक चेतावनी भी है। यह दिखाती है कि वैश्विक ध्रुवीकरण, डिजिटल दुष्प्रचार और आंतरिक कमजोरियाँ मिलकर किस प्रकार लोकतांत्रिक समाजों को अस्थिर कर सकती हैं। इसका समाधान न तो केवल सख़्त कानूनों में है और न ही पूर्ण उदारता में बल्कि संतुलित, अधिकार-सम्मत और समुदाय-केंद्रित रणनीति में निहित है। लक्षित पुलिसिंग, एकीकृत खुफिया तंत्र, जिम्मेदार डिजिटल नियमन और सामाजिक संवाद- इन सभी के माध्यम से नफ़रत से जुड़े अपराधों का प्रभावी मुकाबला किया जा सकता है। जब अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और लोकतांत्रिक स्वतंत्रता एक-दूसरे को सुदृढ़ करती हैं, तभी बहुसांस्कृतिक लोकतंत्र वास्तव में सुरक्षित और टिकाऊ बन पाता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

काकोरी कांड- आजादी के संघर्ष का अमर अध्याय

– योगेश कुमार गोयल

इस विचार को कार्यरूप देने की जिम्मेदारी संगठन के सेनापति रामप्रसाद बिस्मिल को सौंपी गई। प्रारंभिक प्रयासों में क्रांतिकारियों ने कुछ धन जुटाने की कोशिश की लेकिन वह हथियारों और क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए पर्याप्त नहीं था। अंततः यह निर्णय लिया गया कि सीधे सरकारी खजाने पर हाथ डाला जाए। यह फैसला न केवल साहसिक था बल्कि अत्यंत जोखिम भरा भी क्योंकि असफलता की स्थिति में इसका परिणाम मृत्यु या आजीवन कारावास हो सकता था।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास केवल राजनीतिक आंदोलनों, प्रस्तावों और समझौतों का क्रम नहीं है बल्कि यह उन असंख्य क्रांतिकारियों की त्यागमयी गाथा भी है, जिन्होंने मातृभूमि की आजादी के लिए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया।

इन बलिदानों ने गुलामी की जड़ों को भीतर से हिलाया और जनता के मन में यह विश्वास जगाया कि अंग्रेजी हुकूमत अजेय नहीं है। ऐसी ही एक ऐतिहासिक और निर्णायक घटना है काकोरी कांड, जिसने न केवल ब्रिटिश सत्ता को गहरी चुनौती दी बल्कि भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की।

काकोरी कांड भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष का वह अध्याय है, जिसने सिद्ध कर दिया कि आजादी केवल याचिकाओं और प्रार्थनाओं से नहीं मिलेगी बल्कि उसके लिए साहस, संगठन और बलिदान की आवश्यकता होगी। यही कारण है कि काकोरी कांड में शामिल क्रांतिकारी केवल इतिहास के पात्र नहीं बल्कि क्रांति की नींव रखने वाले शूरवीर माने जाते हैं। उनकी शहादत की स्मृति में हर वर्ष 19 दिसम्बर को काकोरी शहीद दिवस मनाया जाता है, जो हमें स्वतंत्रता की कीमत और उसकी रक्षा की जिम्मेदारी का बोध कराता है।

बीसवीं सदी के प्रारंभिक दशकों में भारत का राजनीतिक परिदृश्य तीव्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा था। महात्मा गांधी के नेतृत्व में असहयोग आंदोलन ने देश में जन-जागरण की लहर पैदा की थी।

साल 1920 में शुरू हुआ यह आंदोलन ब्रिटिश शासन के लिए गंभीर चुनौती बन गया था लेकिन फरवरी 1922 में चौरी-चौरा कांड के बाद गांधीजी द्वारा आंदोलन वापस लिए जाने से देश के एक बड़े वर्ग, विशेषकर युवा क्रांतिकारियों में गहरी निराशा फैल गई। वे मानते थे कि जब अंग्रेज दमन और हिंसा का सहारा ले रहे हैं तब केवल अहिंसा के माध्यम से आजादी पाना कठिन है।

यही वह ऐतिहासिक मोड़ था, जहां से संगठित क्रांतिकारी आंदोलन ने नई दिशा पकड़ी।

निराश लेकिन दृढ़ निश्चयी युवाओं ने यह ठान लिया कि वे किसी भी कीमत पर स्वतंत्रता के लक्ष्य से पीछे नहीं हटेंगे। इसी सोच के परिणामस्वरूप साल 1923 में शचीन्द्रनाथ सान्याल के नेतृत्व में हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचआरए) की स्थापना हुई। इस संगठन का उद्देश्य केवल ब्रिटिश शासन का विरोध करना नहीं बल्कि एक ऐसे स्वतंत्र, गणराज्यात्मक भारत की स्थापना करना था, जहां शोषण और अन्याय का कोई स्थान न हो।

एचआरए के प्रमुख सदस्यों में राम प्रसाद बिस्मिल, योगेशचंद्र चटर्जी, शचीन्द्रनाथ बख्शी जैसे साहसी क्रांतिकारी शामिल थे। बाद में चंद्रशेखर आजाद और भगत सिंह जैसे तेजस्वी क्रांतिकारी भी इस विचारधारा से जुड़े।

संगठन का स्पष्ट मत था कि क्रांति के लिए संसाधन चाहिए और संसाधनों के लिए धन। लेकिन चंदा मांगना न केवल संगठन की गोपनीयता को खतरे में डाल सकता था बल्कि अंग्रेजी खुफिया तंत्र को भी सतर्क कर सकता था। ऐसे में निर्णय लिया गया कि ब्रिटिश सरकार के ही खजाने को निशाना बनाया जाए।

इस विचार को कार्यरूप देने की जिम्मेदारी संगठन के सेनापति रामप्रसाद बिस्मिल को सौंपी गई। प्रारंभिक प्रयासों में क्रांतिकारियों ने कुछ धन जुटाने की कोशिश की लेकिन वह हथियारों और क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए पर्याप्त नहीं था। अंततः यह निर्णय लिया गया कि सीधे सरकारी खजाने पर हाथ डाला जाए। यह फैसला न केवल साहसिक था बल्कि अत्यंत जोखिम भरा भी क्योंकि असफलता की स्थिति में इसका परिणाम मृत्यु या आजीवन कारावास हो सकता था।

8 अगस्त 1925 को बिस्मिल के घर गुप्त बैठक हुई, जिसमें ब्रिटिश सरकार के खजाने को लूटने की विस्तृत योजना बनाई गई। अगले ही दिन 9 अगस्त 1925 को एचआरए के 10 क्रांतिकारी सहारनपुर-लखनऊ पैसेंजर ट्रेन में सवार हुए। इनमें रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खान, चंद्रशेखर आजाद, राजेंद्र लाहिड़ी, शचीन्द्रनाथ बख्शी, मन्मथनाथ गुप्त, मुरारी शर्मा, बनवारी लाल, केशव चक्रवर्ती और मुकुंदी लाल शामिल थे। लखनऊ के निकट काकोरी रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चेन खींच कर उसे रोका गया। योजना के अनुसार, राजेंद्र लाहिड़ी ने नेतृत्व संभाला और कुछ ही क्षणों में सरकारी खजाने को कब्जे में ले लिया गया।

यह कार्रवाई इतनी सुनियोजित थी कि यात्रियों को अधिक नुकसान नहीं हुआ। हालांकि दुर्भाग्यवश एक आकस्मिक गोली चलने से एक यात्री की मृत्यु हो गई, जिसे बाद में ब्रिटिश सरकार ने पूरे मामले को और अधिक संगीन बनाने के लिए प्रमुख आधार बनाया।

इस लूट में कुल 4601 रुपये प्राप्त हुए जो उस समय एक बड़ी राशि थी। अगले ही दिन यह खबर अखबारों के माध्यम से पूरे देश और विदेश में फैल गई। लंदन के हाउस ऑफ कॉमन्स तक में इस घटना की चर्चा हुई। ब्रिटिश सरकार हिल गई और उसने इसे अपनी सत्ता के लिए खुली चुनौती माना। इसके बाद जो दमनचक्र चला, वह भारतीय इतिहास के सबसे कठोर अभियानों में से एक था। ब्रिटिश सरकार ने एचआरए के लगभग 40 क्रांतिकारियों के खिलाफ मुकदमा चलाया। लंबी सुनवाई और कठोर पूछताछ के बाद अंग्रेजी अदालत ने 4 क्रांतिकारियों को फांसी की सजा सुनाई। राजेंद्रनाथ लाहिड़ी को 17 दिसम्बर 1927 को गोंडा जेल में फांसी दी गई। इसके दो दिन बाद 19 दिसम्बर 1927 को राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खान और रोशन सिंह को अलग-अलग जेलों में फांसी दे दी गई। इन फांसियों ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। हिंदू-मुस्लिम एकता की अद्भुत मिसाल बने बिस्मिल और अशफाक की मित्रता ने यह सिद्ध कर दिया कि स्वतंत्रता संग्राम किसी एक धर्म या समुदाय का नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र का संघर्ष था। उनकी शहादत ने असहयोग आंदोलन के बाद ठहर गई क्रांतिकारी चेतना को फिर से प्रज्वलित कर दिया।

काकोरी कांड का सबसे अनछुआ पहलू यह है कि यह केवल धन लूट की घटना नहीं थी बल्कि यह एक वैचारिक विद्रोह था, जिसका उद्देश्य अंग्रेजी शासन की नैतिक वैधता को चुनौती देना और यह संदेश देना था कि भारत अब दासता स्वीकार नहीं करेगा। इस घटना ने आगे चलकर भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और सुभाषचंद्र बोस जैसे नेताओं को भी गहराई से प्रभावित किया।

आज, जब हम काकोरी शहीद दिवस मनाते हैं तो यह केवल अतीत को स्मरण करने का अवसर नहीं है बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए प्रेरणा लेने का दिन है। काकोरी के शूरवीरों ने हमें सिखाया कि स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं बल्कि कर्त्तव्य भी है उसकी रक्षा का, उसकी गरिमा बनाए रखने का। काकोरी कांड के शहीदों का बलिदान भारतीय इतिहास में सदैव अमर रहेगा। उनका साहस, त्याग और राष्ट्रप्रेम आने वाली पीढ़ियों को याद दिलाता रहेगा कि भारत को आजादी यूं ही नहीं मिली बल्कि इसके पीछे अनगिनत वीरों का लहू बहा है। भारत आज भी उनका ऋणी है और सदैव रहेगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सिलीगुड़ी मैराथन 25 जनवरी को

एजेंसी

सिलीगुड़ी। सिलीगुड़ी कॉलेज और सिलीगुड़ी मैराथन कमिटी के संयुक्त प्रयास से 25 जनवरी 2026 को मैराथन का आयोजन किया जाएगा। इसकी जानकारी सिलीगुड़ी कॉलेज में गुरुवार को आयोजित पत्रकार सम्मेलन में मेयर गौतम देव ने दिया। मैराथन तीन श्रेणियों में होगी, हाफ मैराथन, ड्रीम रन और स्पेशल चाइल्ड रन। हाफ मैराथन (21.1 किमी) में 18 वर्ष से अधिक उम्र के पुरुष प्रतिभागी हिस्सा ले सकेंगे, एंट्री फीस 200 रुपये होगी। ड्रीम रन में 12 वर्ष से ऊपर के प्रतिभागी शामिल हो सकेंगे, एंट्री फीस 20 रुपये रखी गई है। स्पेशल चाइल्ड रन सिलीगुड़ी कॉलेज परिसर में ही होगी। इस प्रतियोगिता में कुल 2,50,500 रुपये की नकद पुरस्कार राशि रखी गई है। आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को खेल और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है।

खराब मौसम की वजह से लखनऊ में टी 20 मैच रद्द

लखनऊ। लखनऊ में भारत साउथ अफ्रीका के बीच टी 20 मैच कोहरे के कारण रद्द हो गया है। शाम 7 बजे से यह मैच होना था। अधिक कोहरे के चलते मैच के लिए टास नहीं हो पाया। कुछ देर तक इंतजार करने के बाद मौसम में कोई बदलाव नहीं दिखा और अंततः मैच रद्द करना पड़ा। उल्लेखनीय है कि मैच का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को करना था।

सीसामऊ में सांसद-विधायक खेल स्पर्धा के नवें चरण का शुभारम्भ

कानपुर। युवा कल्याण विभाग द्वारा सीसामऊ विधानसभा क्षेत्र में सांसद-विधायक खेल स्पर्धा का आयोजन दिनांक 16 से 18 दिसम्बर तक बीएनएसडी शिक्षा निकेतन में किया जा रहा है। आयोजित सांसद-विधायक खेल स्पर्धा के नवें चरण का शुभारम्भ मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष भाजपा अनिल दीक्षित, भाजपा प्रत्याशी सुरेश अवस्थी, सांसद खेल महोत्सव के जिला संयोजक अभिनव दीक्षित एवं युवा कल्याण अधिकारी आरती जायसवाल द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। खेल प्रतियोगिताओं के अंतर्गत एथलेटिक्स, कबड्डी, वॉलीबॉल, फुटबॉल, बैडमिंटन, खो-खो, रस्साकसी, भारोत्तोलन एवं लंबी कूद सहित विभिन्न स्पर्धाओं का आयोजन किया गया, जिसमें खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सब-जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्गों में आयोजित दौड़ प्रतियोगिताओं में बालक एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ियों ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, फुटबॉल एवं रस्साकसी स्पर्धाओं में विभिन्न टीमों ने श्रेष्ठ खेल भावना का प्रदर्शन करते हुए विजयी स्थान प्राप्त किया। बैडमिंटन, भारोत्तोलन एवं लंबी कूद प्रतियोगिताओं में भी खिलाड़ियों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया।

खेल मंत्री डॉ. मांडविया ने स्क्वैश वर्ल्ड कप जीतने पर भारतीय टीम को किया सम्मानित

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने वाली भारतीय स्क्वैश टीम को सम्मानित किया। जोशना चिनप्पा, अभय सिंह, वेलावन सेंथिलकुमार और अनाहत सिंह की मिश्रित टीम ने पिछले शनिवार चेन्नई में भारत को उसका पहला स्क्वैश वर्ल्ड कप खिताब दिलाकर इतिहास रच दिया। यह जीत भारत का पहला स्क्वैश वर्ल्ड कप खिताब है। इससे पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2023 संस्करण में कांस्य पदक रहा था। फाइनल मुकाबले में भारत ने शीर्ष वरीयता प्राप्त हांगकांग को 3-0 से हराया। इसके साथ ही भारत स्क्वैश वर्ल्ड कप जीतने वाला चौथा देश बन गया, इससे पहले यह उपलब्धि ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और मिस्र को मिली थी। खिलाड़ियों को बधाई देते हुए डॉ. मांडविया ने इसे 'भारतीय खेल जगत के लिए गर्व का क्षण' बताया। उन्होंने कहा, 'भारत खेल क्षेत्र में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहा है। एक के बाद एक नई उपलब्धियां हासिल हो रही हैं। हमारी महिला क्रिकेट टीम ने भी हाल ही में वर्ल्ड कप जीता है।' उन्होंने कहा, 'अपने ही देश की धरती पर स्क्वैश वर्ल्ड कप जीतना बेहद गर्व की बात है। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी मुकाबला नहीं गंवाया। मुझे विश्वास है कि खेल क्षेत्र का यह विकास आगे भी देश को नई सफलताएं दिलाता रहेगा।

टी20आई रैंकिंग में तिलक वर्मा की छलांग, वरुण चक्रवर्ती शीर्ष पर कायम

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पुरुष टी20आई प्लेयर रैंकिंग में भारत के खिलाड़ियों को ताजा अपडेट में बड़ा फायदा हुआ है। भारत के विस्फोटक बल्लेबाज तिलक वर्मा दो स्थान की छलांग लगाकर बल्लेबाजों की सूची में चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं, जबकि स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने गेंदबाजों की रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान और मजबूत कर लिया है। तिलक वर्मा ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ हालिया टी20आई सीरीज़ में शानदार प्रदर्शन किया। कटक में खेले गए पहले मैच में 26 रन बनाने के बाद उन्होंने न्यू चंडीगढ़ में 62 रन की अहम पारी खेली और धर्मशाला में नाबाद 26 रन बनाए। इसके दम पर उन्होंने पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान और इंग्लैंड के जोस बटलर को पीछे छोड़ दिया। बल्लेबाजों की इस सूची में भारत के अभिषेक शर्मा शीर्ष पर बने हुए हैं। तिलक वर्मा की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग इस साल जनवरी में दूसरा स्थान रही है।

शानदार साल का खिताबी अंत करने पर बोले पीएसजी कोच लुइस एनरिके-हमने फिर इतिहास रचा

एजेंसी

अल-रय्यान (कतर)। यूरोपीय चैंपियन पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) के मुख्य कोच लुइस एनरिके ने फीफा इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीतने के बाद खुशी जताते हुए कहा कि उनकी टीम ने एक बार फिर इतिहास रच दिया है। पीएसजी ने रोमांचक फाइनल में फ्लामेंगो को पेनल्टी शूटआउट में हराकर पहली बार यह खिताब अपने नाम किया।

पीएसजी के लिए 2025 का साल ऐतिहासिक रहा। लुइस एनरिके के मार्गदर्शन में टीम ने 2024-25 सत्र में ट्रेबल जीता, जिसमें क्लब का पहला यूईएफए चैंपियंस लीग खिताब भी शामिल है। इसी कड़ी में टीम ने इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीतकर साल का शानदार अंत किया। निर्धारित समय में मुकाबला 1-1 से बराबर रहने के बाद मैच पेनल्टी शूटआउट तक गया, जहां पीएसजी के रूसी गोलकीपर माटवेई सफोनोव ने चार पेनल्टी बचाकर टीम को 2-1 से जीत दिलाई और नायक बने। मैच के

बाद लुइस एनरिके ने कहा, 'हमने फिर इतिहास रच है। 2025 के इस अविस्मरणीय और शानदार साल में हमने हर मुकाबले में वही जज़्बा दिखाया। हम अपने लिए, क्लब के लिए और अपने समर्थकों के लिए बेहद खुश हैं। यह अद्भुत एहसास है और हम इसी तरह आगे बढ़ते रहना होगा।' उन्होंने आगे कहा, 'हम अपने समर्थकों से गहराई से जुड़े हुए महसूस करते हैं। पार्क दे प्रिंसेस में हो या बाहर के मैच, हर जगह यह जुड़ाव महसूस होता है। अब हमें थोड़ा आराम करना है। एक कूप डी फ्रांस का मैच बाकी है, उसके बाद क्रिसमस पर छोटा सा ब्रेक मिलेगा। हमारी टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का सही संतुलन है और हम इससे बेहद संतुष्ट हैं।'

पीएसजी के मिडफील्डर वितिन्हा को 2025 फीफा इंटरकॉन्टिनेंटल कप फाइनल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। उन्हें यह पुरस्कार फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैंटिनो ने प्रदान किया। वितिन्हा ने कहा, 'यह एक अविश्वसनीय एहसास है। यह बहुत महत्वपूर्ण फाइनल था और हमने इसे जीत लिया। मुकाबला कठिन था, हमने कड़ी मेहनत की और अब हम बहुत खुश हैं।

एएसआर कप के पूल बी में आरा और मुंगेर पहुंची सेमीफाइनल में

एजेंसी

अररिया। फारबिसगंज हवाई अड्डा के मैदान में एएसआर कप क्रिकेट टूर्नामेंट में दो क्वार्टर फाइनल मैच खेला गया,जिसमें आरा की अतुल इलेवन ने सीतामढ़ी की उत्तम इलेवन को 44 और मुंगेर की रुद्रा इलेवन ने फारबिसगंज के अमन इलेवन को रोमांचक मुकाबले में 24 रनों से पराजित कर सेमीफाइनल में पहुंचने में कामयाब रही। टूर्नामेंट का तीसरा और खेले गए पहले क्वार्टर मैच में सीतामढ़ी उत्तम इलेवन के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का निर्णय लिया।आरा की अतुल इलेवन टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 15 ओवर में अपने 9 विकेट खोकर 176 रन बनाए।आरा की ओर से उत्कर्ष यादव ने 17 गेंदों पर 45,गोलू राइना ने 15 गेंदों पर 39,कारण राज ने 17 गेंदों पर 25 रन का योगदान अपने टीम को दिया। सीतामढ़ी की ओर से राजा डी ने 17 रन देकर 3,राजा पाण्डेय ने 39 रन देकर 3, रिषभ सिंह ने 36 रन देकर 2 और हिमांशु कुमार ने 35 रन देकर एक विकेट हासिल किया। लक्ष्य 177 का पीछा करने उतरी सीतामढ़ी निर्धारित 15 ओवर में अपने 9 विकेट खोकर महज 132 रन ही बना पाई और इस तरह आरा अतुल इलेवन ने 44 रनों से मैच जीत लिया।सीतामढ़ी की ओर से तुषार वर्मा ने 21 गेंदों पर 35,मो.इफ्तेखार ने 22 गेंदों पर 26,हिमांशु कुमार ने 7 गेंदों पर नाबाद 18 रन बनाए।वहीं आरा की ओर से गेंदबाजी में प्रियांशु,सोनू कुमार,प्रिंस सिंह और हर्ष यादव ने दो-दो विकेट लेने में सफल रहे। मैन ऑफ द मैच का अवॉर्ड आरा के उत्कर्ष यादव को मैच के आयोजक भास्कर सिंह ने प्रदान किया। वहीं दूसरा क्वार्टर फाइनल मैच मुंगेर रुद्रा इलेवन और फारबिसगंज अमन इलेवन के बीच खेला गया।

अंडर-19 विश्व कप के लिए पाकिस्तान टीम घोषित, फरहान यूसुफ को सौंपी गई कप्तानी

एजेंसी

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आगामी त्रिकोणीय श्रृंखला और आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय पाकिस्तान अंडर-19 टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कमान एक बार फिर फरहान यूसुफ के हाथों में सौंपी गई है।

अफगानिस्तान, पाकिस्तान और मेजबान जिम्बाब्वे के बीच त्रिकोणीय श्रृंखला 25 दिसंबर से 6 जनवरी तक खेली जाएगी। यह श्रृंखला नामीबिया और जिम्बाब्वे में 16 जनवरी से 6 फरवरी तक होने वाले आईसीसी अंडर-19 विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से अहम मानी जा रही है। दोनों टूर्नामेंट 50 ओवर प्रारूप में आयोजित होंगे। इस समय पाकिस्तान अंडर-19 टीम दुबई में एसीसी अंडर-19 एशिया कप में हिस्सा ले रही है, जहां ग्रुप-ए में दूसरे स्थान पर रहने के बाद टीम शुक्रवार को सेमीफाइनल में बांग्लादेश से भिड़ेगी। आठ टीमों वाले इस टूर्नामेंट का फाइनल रविवार को खेला जाएगा।

एशिया कप के लिए चुनी गई टीम में केवल एक बदलाव किया गया है। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज उमर जैब को बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद हुज़ैफा की जगह त्रिकोणीय श्रृंखला और अंडर-19 विश्व कप टीम में शामिल किया गया है। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज अली रज़ा को भी आगामी टूर्नामेंट के लिए चुना गया है। 2024 संस्करण में शानदार प्रदर्शन करने वाले अली रज़ा ने तब महज 15 वर्ष की उम्र में सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 34 रन देकर चार विकेट लिए थे और पाकिस्तान को यादगार जीत के करीब पहुंचा दिया था। उस टूर्नामेंट में उन्होंने सिर्फ तीन मैचों में नौ विकेट चटकाए थे।

पाकिस्तान अंडर-19 टीम:

फरहान यूसुफ (कप्तान), उस्मान खान (उपकप्तान), अब्दुल सुब्हान, अहमद हुसैन, अली हसन बलोच, अली रज़ा, दानियाल अली खान, हमज़ा ज़हूर (विकेटकीपर), हुज़ैफा अहसन, मोमिन क़मर, मोहम्मद सैयम, मोहम्मद शयान (विकेटकीपर), निक़ाब शफीक, समीर मिन्हास और उमर ज़ैब।

नॉन-ट्रैवलिंग रिज़र्व खिलाड़ी:

अब्दुल क़ादिर, फरहानुल्लाह, हसन खान, इब्तिसाम अज़हर और मोहम्मद हुज़ैफा।

त्रिकोणीय श्रृंखला का कार्यक्रमः

- 25 दिसंबर - जिम्बाब्वे बनाम अफगानिस्तान, हरारे स्पोर्ट्स क्लब
- 27 दिसंबर - अफगानिस्तान बनाम पाकिस्तान, हरारे स्पोर्ट्स क्लब
- 29 दिसंबर - जिम्बाब्वे बनाम पाकिस्तान, प्रिंस एडवर्ड
- 31 दिसंबर - जिम्बाब्वे बनाम अफगानिस्तान, ताकाशिंगा स्पोर्ट्स क्लब
- 2 जनवरी - पाकिस्तान बनाम अफगानिस्तान, ताकाशिंगा स्पोर्ट्स क्लब
- 4 जनवरी - जिम्बाब्वे बनाम पाकिस्तान, ओल्ड हरारियंस स्पोर्ट्स क्लब
- 6 जनवरी - फाइनल, ओल्ड हरारियंस स्पोर्ट्स क्लब

पीएसपीएल : गत विजेता बजरंग फिनिक्स का जीत से आगाज

एजेंसी

प्रयागराज। गत विजेता बजरंग फिनिक्स ने डेंटल जोन सिंध फाइटर्स को 84 रन से हराकर प्रयागराज सिंधी प्रीमियर लीग (पीएसपीएल) में जीत से शुरुआत की। इसके अलावा आहूजा सुपरस्टार्स, एसपीवीआरएन और मलंग सुपरकिंग्स ने भी अपने-अपने मुकाबले जीतकर पूरे अंक प्राप्त किए। डीएसए मैदान पर शुरू हुई प्रतियोगिता के पहले मैच में बजरंग फिनिक्स ने 10 ओवर में दो विकेट पर 132 रन (जय वाधवानी 51 रिटायर्ड, मोहित राय चंदानी 33, आकाश बदलनी 30 नाबाद, यश 1-32) बनाकर डेंटल जोन सिंध फाइटर्स को 10 ओवर में 48 रन (अनिल बसंतानी 10, जय वाधवानी 2-05, जतिन अलवानी, भरत, तुषार, नीरज और विजय ने एक-एक विकेट) पर समेट दिया। पवन और शिवताज पैंथर्स ने 10 ओवर में 6 विकेट पर 52 रन (धीरज 18, तुषार आहूजा 3-12, अमित, राहुल, प्रखर एक-एक विकेट) बनाए। जवाब में आहूजा

सुपरस्टार्स ने 9.1 और में तीन विकेट पर 53 रन (प्रखर आहूजा 13 नाबाद, सनी केवलानी 13, अमर केवलानी, संजीव कुकरेजा व धीरज एक-एक विकेट) बना लिए। पेपरी और मैथ्स हब अवेंजर ने 10 ओवर में 70 रन (जितेंद्र 22, नितेश सुहाला 15, लक्ष्य मध्यान 2-14, रोमी चंदानी 2-17, रवि चावल 1-05) बनाए। जवाब में एसपीवीआरएन ने 9.4 ओवर में तीन विकेट पर 68 रन (रिशु चंदानी 38 नाबाद, रोमी चंदानी 11 नाबाद, अनिमेष लखमानी 2-14, जीतेंद्र व मनीष एक-एक विकेट) बना लिए। मलंग सुपर किंग्स ने 10 ओवर में 8 विकेट पर 60 रन (विपिन खत्री 17 नाबाद, निखिल कांदरू 3-24, प्रेम कुकरेजा 2-14, ध्रुव केसवानी 1-13) बनाए। जवाब में हमराज हंटर्स की टीम 10 ओवर में पांच विकेट पर 57 रन (पवन 30 नाबाद, आशीष 2-11, तरुण चंदानी व विपिन खत्री एक-एक विकेट) पर सिमट गई। इससे पूर्व प्रतियोगिता का उद्घाटन सिंधी समाज के वरिष्ठ नागरिकों द्वारा किया गया। प्रयागराज सिंधी यूथ एसोसिएशन (पीएसयूए) के अध्यक्ष निखिल मलंग, उपाध्यक्ष अनिमेश लखमानी और सचिव शैलेंद्र वाटवानी ने अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर सुदेश करमचंदानी, सनी केवलानी, तुषार आहूजा, ऋषि केवलानी, प्रतीक एहलानी, मनोज बसंतानी, हिमांशु अंदानी आदि मौजूद रहे।

एशेज टेस्टः कमिंस और लियोन के आगे इंग्लैंड बेबस, दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया का दबदबा

एजेंसी

एडिलेड। कप्तान पैट कमिंस (3/54) और अनुभवी स्पिनर नाथन लियोन (2/51) की अगुआई में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने एडिलेड ओवल में खेले जा रहे तीसरे एशेज टेस्ट के दूसरे दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड के 8 विकेट केवल 213 पर गिरा दिए। इंग्लैंड अब ऑस्ट्रेलिया से 158 रन पीछे है। दूसरे दिन सुबह इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया की पारी को 371 रन पर समेटते हुए अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने मैच पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया। दिन की शुरुआत में मिचेल स्टार्क और नाथन लियोन ने अपनी रात की साझेदारी को आगे बढ़ाते हुए स्कोर को 326/8 से 344 तक पहुंचाया। स्टार्क ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 73 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, लेकिन जोफ्रा आर्चर ने उनकी 54 रन की पारी का अंत किया। आर्चर ने लियोन का विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया

की पारी समाप्त की और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना तीसरा पांच विकेट हॉल सहित कुल चौथा फाइफर पूरा किया। जवाब में इंग्लैंड की शुरुआत सकारात्मक रही, लेकिन कप्तान पैट कमिंस ने आठवें ओवर में जैक क्राॅली को आउट कर पहली सफलता दिलाई। इसके बाद नाथन लियोन ने अपने पहले ही ओवर में ओली पोप और बेन डकेट को लगातार दो गेंदों पर आउट कर इंग्लैंड को बड़ा झटका दिया। इस दौरान लियोन ने ग्लेन मैक्ग्राथ (563 विकेट) को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने का कीर्तिमान भी रच दिया। जो रूट और हैरी ब्रूक ने कुछ देर पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन कमिंस ने रूट को विकेटकीपर एलेक्स कैरी के हाथों कैच कराकर पवेलियन भेज दिया। कप्तान बेन स्टोक्स और हैरी ब्रूक ने संघर्ष दिखाया, लेकिन बड़ी साझेदारी नहीं कर सके। ब्रूक 45 रन बनाकर आउट हुए, जबकि स्टोक्स 45 रन बनाकर नाबाद रहे। दिन के खेल में अंपायरिंग और स्निको तकनीक को लेकर भी विवाद देखने को मिला। जेमी स्मिथ के दो फैसलों पर सवाल उठे, जिससे इंग्लैंड के खेमे में नाराजगी दिखी। मिचेल स्टार्क ने स्टंप माइक पर स्निको तकनीक की आलोचना करते हुए इसे 'सबसे खराब तकनीक' तक कह दिया। स्कॉट बोलैंड ने विल जैक्स और ब्रायडन कार्स को सस्ते में आउट कर इंग्लैंड की मुश्किलें और बढ़ा दीं। दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड 213/8 रन बना सका।

राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिपः अनंतजीत सिंह और दर्शना राठौड़ ने सीनियर मिक्स्ड टीम स्कीट में जीता स्वर्ण, जूनियर वर्ग में तेलंगाना को गोल्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। राजस्थान की जोड़ी अनंतजीत सिंह नरूका और दर्शना राठौड़ ने शानदार और निरंतर प्रदर्शन करते हुए 68वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप प्रतियोगिताओं (शॉटगन) के सीनियर स्कीट मिक्स्ड टीम वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में चल रही इस प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में राजस्थान ने उत्तर प्रदेश को कड़े मुकाबले में 45-43 से हराया। एशियन चैंपियन अनंतजीत सिंह नरूका ने 21 हिट्स लगाए, जबकि दर्शना राठौड़ ने 24 हिट्स का योगदान दिया। उत्तर प्रदेश की ओर से ओलंपियन मीराज अहमद खान ने 21 और अरीबा खान ने 22 हिट्स किए, लेकिन टीम स्वर्ण पदक से चूक गई। इससे पहले क्वालिफिकेशन में राजस्थान ने अनंतजीत (73) और दर्शना (70) के दम पर कुल 143 हिट्स के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर सीधे फाइनल में जगह बनाई थी। उत्तर प्रदेश ने हरियाणा को क्वालिफिकेशन में शूट-ऑफ में 4-3 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। दोनों टीमों के 142-142 हिट्स थे। हरियाणा की टीम बाद में कांस्य पदक मुकाबले में मध्य प्रदेश को 41-39 से हराकर तीसरे स्थान पर रही। हरियाणा की ओर से रायज़ा ढिल्लों (21 हिट्स) और ईशान सिंह लिब्रा (20 हिट्स) ने योगदान दिया। मध्य प्रदेश की जोड़ी रितुराज बुंदेला (20) और मानसी रघुवंशी (19) चौथे स्थान पर रही। जूनियर स्कीट मिक्स्ड टीम स्पर्धा में तेलंगाना की जोड़ी युवेक बत्तुला और लक्ष्यू वेंकट लक्ष्मी ने 19-19 हिट्स के साथ स्वर्ण पदक जीता। फाइनल में मध्य प्रदेश की टीम ने कड़ा मुकाबला किया, जहां ज्योतिरादित्य सिसोदिया ने 17 और वंशिका तिवारी ने 20 हिट्स किए।

नाथन लियोन ने रचा इतिहास, टेस्ट क्रिकेट में छठे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने

एजेंसी

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑफ स्पिनर नाथन लियोन ने टेस्ट क्रिकेट में एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। जारी एशेज सीरीज के तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन एडिलेड ओवल में लियोन ने पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्राथ को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट इतिहास में छठे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए।इस उपलब्धि के लिए लियोन को दो विकेट की दरकार थी और 38 वर्षीय ऑफ स्पिनर ने यह कारनामा अपने पहले ही ओवर में कर दिखाया। ओवर की तीसरी गेंद पर उन्होंने ओली पोप को मिडविकेट पर जोश इंग्लिस के हाथों कैच कराया। वहीं ओवर की आखिरी गेंद पर लियोन

ने इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट की ऑफ स्टंप उखाड़ दी।इन दो विकेटों के साथ लियोन ने टेस्ट क्रिकेट में अपने विकेटों की संख्या 564 तक पहुंचा दी और ग्लेन मैक्ग्राथ के 563 विकेटों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। लियोन वर्तमान में सक्रिय खिलाड़ियों में सबसे सफल टेस्ट गेंदबाज हैं, जबकि उनके बाद ऑस्ट्रेलिया के ही मिशेल स्टार्क 420 विकेटों के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले शीर्ष 10 गेंदबाज

1. मुथैया मुरलीधरन (श्रीलंका) - 800
2. शेन वॉर्न (ऑस्ट्रेलिया) - 708
3. जेम्स एंडरसन (इंग्लैंड) - 704
4. अनिल कुंबले (भारत) - 619
5. स्टुअर्ट ब्रॉड (इंग्लैंड) - 604
6. नाथन लियोन (ऑस्ट्रेलिया) - 564
7. ग्लेन मैक्ग्राथ (ऑस्ट्रेलिया) - 563
8. रविचंद्रन अश्विन (भारत) - 537
9. कोर्टनी वॉल्श (वेस्टइंडीज) - 519
10. डेल स्टेन (दक्षिण अफ्रीका) - 439

मेरा युवा भारत का जनपद स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित

एजेंसी

कन्नौज। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत, कन्नौज द्वारा जनपद के बोर्डिंग ग्राउंड में जनपद स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं सदर विधायक असीम अरुण ने किया। मुख्य अतिथि असीम अरुण ने युवाओं को भारत सरकार की खेलो इंडिया योजना के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए अधिक से अधिक संख्या में खेलों से जुड़ने का आह्वान किया तथा जनपद में खेल संबंधी विकास कार्यों की जानकारी प्रदान करते हुए खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। वहीं पार्टी जिलाध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया ने खेलो भारत नीति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए खिलाड़ियों को खेलकूद प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 06 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें 400 मीटर दौड़ (महिला-पुरुष), लंबी कूद (पुरुष), वॉलीबॉल (पुरुष), कबड्डी (महिला) एवं स्लो साइकिलिंग शामिल रही।

कार्यक्रम के दौरान जिला युवा अधिकारी सागर माहेश्वरी ने प्रतियोगिता की रूपरेखा एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जनपद के चार विकास खंड– कन्नौज, जलालाबाद, गुगरापुर एवं तालग्राम में आयोजित ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं के विजेता खिलाड़ियों को जनपद स्तर पर प्रतिभाग का अवसर प्रदान किया गया है।

परिणाम इस प्रकार रहे

- कबड्डी प्रतियोगिता में कन्नौज टीम विजेता एवं तालग्राम टीम उपविजेता रही।
- वॉलीबॉल प्रतियोगिता में तालग्राम टीम विजेता एवं गुगरापुर टीम उपविजेता रही।
- स्लो साइकिलिंग (महिला वर्ग) में अंकिता ने प्रथम, भावना पाल ने द्वितीय एवं कंचन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- लंबी कूद (पुरुष वर्ग) में संजय यादव प्रथम, पुनीत पाल द्वितीय एवं प्रवीण कुमार तृतीय स्थान पर रहे।
- 400 मीटर महिला दौड़ में संध्या प्रथम, रामकेतकी द्वितीय एवं गौरी तृतीय स्थान पर रहीं।

अयोध्या में 20-21 दिसंबर को विधायक खेल प्रतियोगिता

एजेंसी

अयोध्या। राम नगरी अयोध्या में 20-21 दिसंबर को विधायक खेल प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता में अयोध्या सदर के विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र की विधायक

खेल प्रतियोगिता का आयोजन आगामी 20 व 21 दिसंबर को डाभासेमर स्टेडियम में किया जाएगा। प्रतियोगिता में जूनियर, सब-जूनियर और सीनियर वर्ग के अंतर्गत महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों के बीच विभिन्न खेल मुकाबले आयोजित होंगे। इनमें वॉलीबॉल, बैडमिंटन, कुश्ती, कबड्डी तथा एथलेटिक्स की ट्रैक व फील्ड स्पर्धाएं शामिल रहेंगी। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके माध्यम से अब तक लगभग एक हजार खिलाड़ी आवेदन कर चुके हैं। जो खिलाड़ी किसी कारण से ऑनलाइन आवेदन नहीं कर पाएंगे, वे आयोजन स्थल पर भी अपना पंजीकरण करा सकेंगे, ताकि कोई भी इच्छुक खिलाड़ी अवसर से वंचित न रहे। विजयी खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

कॉनवे और लैथम की ऐतिहासिक शतकीय साझेदारी, पहले दिन वेस्टइंडीज बैकफुट पर

एजेंसी

माउंट माउंगानुई। डेवोन कॉनवे (नाबाद 178) और टॉम लैथम (137) की शानदार और धैर्यपूर्ण शतकीय पारियों की बदौलत न्यूजीलैंड ने पहले टेस्ट के पहले दिन वेस्टइंडीज पर पूरी तरह दबदबा बना लिया। दोनों ओपनरों ने पूरे दिन विकेट पर टिककर मेहमान गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। बे ऑफ प्लेंटी का मैदान नाम के अनुरूप इस दिन सिर्फ न्यूजीलैंड के लिए ही फलदायी साबित हुआ। वेस्टइंडीज की टीम 30 साल बाद न्यूजीलैंड में टेस्ट जीत का सपना लेकर उतरी थी, लेकिन जैसे-जैसे दिन बीतता गया, वह मुकाबले से दूर होती चली गई। दिन भर चले रिकॉर्ड और आंकड़ों के बीच रोस्टन चेज़ की अगुआई वाली टीम दर्शक मात्र बनकर रह गई।

इस मैदान पर खेले गए पिछले पांच टेस्ट मैचों में पहले सत्र में विकेट गिरा था, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। न्यूजीलैंड के नियमित कप्तान केन विलियमसन को बल्लेबाजी के लिए अब तक का

सबसे लंबा इंतजार करना पड़ा। ओपनिंग जोड़ी इतनी सहज नजर आई कि विकेट गिरने का कोई संकेत नहीं मिला। टॉम लैथम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का साहसिक फैसला किया, जो पूरी तरह सही साबित हुआ। उन्होंने बेहद तकनीकी और पाठ्यपुस्तक जैसी बल्लेबाजी करते हुए अपना 15वां टेस्ट शतक पूरा किया। इस पारी के साथ उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में ओपनर के रूप में 6000 रन भी पूरे किए। लैथम शाम 6.30 बजे 137 रन बनाकर आउट हुए, जिससे पूरे दिन विकेट न गिरने का सपना बस एक कदम दूर रह गया। दूसरी ओर, डेवोन कॉनवे ने आलोचनाओं को पीछे छोड़ते हुए जबरदस्त वापसी की। हाल के समय में उनकी कई पारियां जल्दी समाप्त हुई थीं, लेकिन घास से भरी पिच पर उन्होंने शानदार संयम दिखाया। शुरुआती कठिन दौर के बाद उन्होंने रन गति बढ़ाई और चार साल पहले लॉर्ड्स में दोहरे शतक के बाद अपनी सबसे लंबी टेस्ट पारी खेली। कॉनवे ने चोट और ऐंठन के बावजूद बल्लेबाजी जारी रखी और नाबाद 178 रन बनाकर दिन का अंत किया। वेस्टइंडीज के गेंदबाजों को पिच से कुछ मदद जरूर मिली, लेकिन वे उसका लगातार फायदा उठाने में नाकाम रहे। एंडरसन फिलिप और अन्य गेंदबाजों ने कुछ बेहतरीन गेंदें फेंकीं, लेकिन अनुशासन की कमी के कारण वे विकेट नहीं निकाल सके। लैथम को 104 रन पर जीवनदान मिलना भी मेहमान टीम के लिए महंगा साबित हुआ। दिन के अंत तक न्यूजीलैंड ने एक विकेट पर 334 रन बना लिए हैं और मुकाबले में पूरी तरह नियंत्रण हासिल कर लिया है। अब वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों पर बड़ी जिम्मेदारी होगी कि वे टीम को इस दबाव से निकालें।

स्टंप्स, पहला दिन:
न्यूजीलैंड 334/1
डेवोन कॉनवे 178*
टॉम लैथम 137
(वेस्टइंडीज के लिए रोच 1/63)

एस्टर लूप इनफिनिट के भरूच संयंत्र के निर्माण के लिए टोयो इंजीनियरिंग से अनुबंध

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका (नास्डाक) में सूचीबद्ध लूप इंडस्ट्रीज ने बुधवार को बताया कि भारत में उसके संयुक्त उद्यम एस्टर लूप इनफिनिट टेक्नोलॉजीज प्रा.लि. ने गुजरात के भरूच में पुनर्चक्रण पर आधारित पीईटी रेजिन उत्पादन सुविधा के निर्माण के लिए टोयो इंजीनियरिंग इंडिया के साथ इंजीनियरिंग कार्य हेतु विस्तृत अनुबंध किया है। कंपनी की एक विज्ञप्ति के अनुसार यह अनुबंध भारत में उसकी परियोजनाओं की पूरी डिज़ाइन प्रक्रिया, खरीद इंजीनियरिंग और तकनीकी दस्तावेज़ों को तैयार करने के लिए। इन्फिनिट लूप इंडिया के उत्पाद पैकेजिंग और वस्त्र क्षेत्रों के काम आते हैं। एस्टर लूप इनफिनिट की 70,000 टन पीईटी रेजिन उत्पादन क्षमता की यह सुविधा 2027 के अंत तक तैयार होने की उम्मीद है। इस संयुक्त उद्यम ने हाल ही में नाइकी के साथ कई वर्ष तक के लिए आपूर्ति का एक मसझौता किया है। लूप इंडस्ट्रीज ने भारत में एस्टर इंडस्ट्रीज के साथ यह साझा उद्यम स्थापित किया है। टोयो वैश्विक स्तर पर इंजीनियरिंग , खरीद एवं निर्माण सेवाएं देने वाली फर्म है जिसे भारत में बड़े पैमाने पर औद्योगिक और पेट्रोकेमिकल परियोजनाओं को चार दशकों से अधिक समय तक निष्पादित करने का अनुभव है।

करियर247 ने पेशेवर बैंकिंग कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए कोटक महिंद्रा बैंक के साथ किया समझौता

गुरुग्राम। कौशल और उच्चशिक्षा क्षेत्र की इकाई करियर247 ने कोटक एसकेवाई बैंकर्स प्रोग्राम के तहत युवाओं को बैंकिंग सेवा कौशल में प्रशिक्षित करने के लिए कोटक महिंद्रा बैंक के साथ अनुबंध किया है।

करियर247 अड्डा एडूकेशन की इकाई है। इस कार्यक्रम के तहत युवाओं को बैंकों के रिलेशनशिप मैनेजर (वीआरएम) की भूमिका का कौशल प्रदान किया जाएगा। कंपनी की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस कार्यक्रम में इच्छुक अभ्यर्थियों को वर्चुअल माध्यम से ग्राहकों से संबंध स्थापित करने और और उसको संभालने का कौशल प्रादन किया गया है। इसमें डिजिटल चैनलों के माध्यम से पर्सनलाइज़्ड बैंकिंग अनुभव प्रदान करने की भूमिका भी प्रशिक्षण होगा। अड्डा एडूकेशन के सीईओ बिमलजीत सिंह भसीन ने कहा, 'कोटक महिंद्रा बैंक के साथ हमारा सहयोग युवा प्रोफेशनल्स को स्थायी करियर बनाने और इंडस्ट्री के लिए तैयार होने में मदद कर रहा है। '

पांच दिन की गिरावट से उबरा रुपया, 56 पैसे मजबूत

मुंबई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया पांच दिन की गिरावट से उबरता हुआ जबरदस्त उतार-चढ़ाव के बाद 55.75 पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 90.38 रुपये का बोला गया। भारतीय मुद्रा इससे पहले पांच दिन में 106 पैसे टूटी थी। यह 15.75 पैसे गिरकर 90.9375 अंक पर बंद हुई थी। रुपया आज 11.75 पैसे गिरकर 91.05 रुपये प्रति डॉलर पर खुला हालांकि खुलते ही इसने वापसी की और 89.9675 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत हुआ। हालांकि बाद में काफी हद तक नीचे आते हुए 90.38 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। रिजर्व बैंक के डॉलर/रुपया स्वैप का पहला चरण मंगलवार को पूरा होने के बाद, जिसमें केंद्रीय बैंक ने वाणिज्यिक बैंकों से पांच अरब डॉलर खरीदा है, बाजार में अमेरिकी मुद्रा की मांग कम हुई है। इससे रुपया मजबूत हुआ है। हालांकि दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर सूचकांक में तेजी और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा बाजार में कच्चे तेल की मजबूती से रुपये की गिरावट सीमित रही।

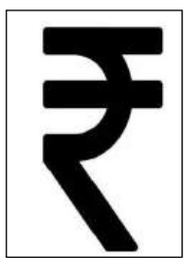

चावल, गेहूं मजबूत; दालें, चीनी नरम; खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल के औसत भाव बढ़ गये। चावल के साथ गेहूं में भी तेजी रही। वहीं, चीनी और दालों के दाम घट गये जबकि खाद्य तेलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत सात रुपये बढ़कर 3,864 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं छह रुपये महंगा हुआ और 2,866 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे की कीमत तीन रुपये बढ़ गयी। दाल-दलहनों में नरमी रही। तुअर दाल 65 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। उड़द दाल की कीमत 31 रुपये और चना दाल की 27 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। मसूर दाल में 14 रुपये और मूंग दाल में आठ रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही। विदेशों में बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मार्च वायदा तीन रिंगिट चढ़कर 3,965 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, मार्च का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.59 प्रतिशत गिरकर में 48.62 डॉलर के भाव बोला गया।

एल्युमिनियम बर्तन उद्योग भारतीय घरेलू अर्थव्यवस्था का अभिन्न हिस्सा : रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। कन्फ़ेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के सहयोगी संगठन फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया एल्युमिनियम यूटेंसिल्स मैन्युफैक्चरर्स (एफएआईएयूएम) की नेशनल गवर्निंग काउंसिल (एनजीसी) का आयोजन आज नई दिल्ली में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस राष्ट्रीय बैठक में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में और भाजपा सांसद एवं कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस राउंड टेबल राष्ट्रीय सम्मेलन में देश के 25 राज्यों के व्यापारी नेता मौजूद रहे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि एल्युमिनियम बर्तन उद्योग भारतीय घरेलू अर्थव्यवस्था और आम नागरिक के दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने इसे

किफायती, टिकाऊ, ऊर्जा-कुशल एवं 100 प्रतिशत पुनर्चक्रण योग्य उद्योग बताते हुए कहा कि यह क्षेत्र आत्मनिर्भर भारत और सर्कुलर इकोनॉमी के लक्ष्यों के पूर्णतः अनुरूप है। उन्होंने कहा की यह बर्तन दादी-नानी के जमाने से उपयोग में लाए जा रहे हैं और हमेशा महत्वपूर्ण बने रहे गए।उन्होंने उद्योग से जुड़ी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की और आश्वासन दिया कि दिल्ली सरकार एमएसएमई और स्वदेशी विनिर्माण को हरसंभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर उन्होंने एमएसएमई क्षेत्र को भी अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि एल्युमिनियम बर्तन उद्योग विकसित भारत की यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश का एल्युमिनियम उद्योग तेजी से आगे बढ़ा है, लेकिन अभी भी इस क्षेत्र को लंबा रास्ता तय करना है। उन्होंने कहा कि यह उद्योग भारत की सर्कुलर इकोनॉमी की रीढ़ है, क्योंकि एल्युमिनियम ऐसा धातु है जो लगभग पूरी तरह से रीसाइक्लिंग को समर्थन देता है।

उन्होंने उद्योग को मेक इन इंडिया, वोकल फॉर लोकल और लोकल टू ग्लोबल अभियानों का सशक्त आधार बताते हुए गुणवत्ता, मानकीकरण, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर निरंतर ध्यान देने का आह्वान किया।

साल 2025-26 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7 फीसदी रहने का अनुमानः गीता गोपीनाथ

एजेंसी

नई दिल्ली। वॉशिंगटन स्थित अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 7 फीसदी रहने की संभावना है। यह अक्टूबर में आईएमएफ के जताए गए अनुमान 6.6 फीसदी से थोड़ा अधिक है।गोपीनाथ ने नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में कहा कि आईएमएफ के पूर्व अनुमान राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा (जुलाई-सितंबर) तिमाही में 8.2 फीसदी की मजबूत वृद्धि दर जारी करने से पहले लगाए गए थे। उन्होंने कहा, 'आईएमएफ का अनुमान 6.6 फीसदी था लेकिन दूसरी तिमाही में वास्तविक वृद्धि 8 फीसदी से अधिक रही है। उन्होंने कहा कि पूरे वित्त वर्ष में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर लगभग 7 फीसदी तक पहुंच सकती है। गीता गोपीनाथ ने कहा कि अगर भारत अगले 20 वर्षों तक करीब 8 फीसदी की वृद्धि दर बनाए रखता है, तो वह साल 2047 के विकास लक्ष्यों के बेहद करीब पहुंच सकता है। हालांकि, इसके लिए निरंतर आर्थिक सुधारों को लागू करना बेहद जरूरी होगा। उल्लेखनीय है कि इस महीने की शुरुआत में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने भी देश की जीडीपी वृद्धि दर अनुमान को बढ़ाकर 7.3 फीसदी कर दिया था, जो पहले 6.8 फीसदी था। इससे एक दिन पहले फिच रेटिंग्स ने वित?त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को 6.9 फीसदी से बढ़ा कर 7.4 फीसदी कर दिया था।

संसद ने बीमा क्षेत्र में एफडीआई को 100 फीसदी तक बढ़ाने वाला विधेयक किया पारित

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा ने 'सबका बीमा सबकी रक्षा' (बीमा कानूनों में संशोधन) विधेयक, 2025 को मंजूरी दे दी। लोकसभा ने इस विधेयक को एक दिन पहले ही पारित कर दिया था। इस विधेयक का मुख्य लक्ष्य वर्ष 2047 तक देश के हर नागरिक को बीमा कवर उपलब्ध कराना है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारामण ने राज्यसभा में 'सबका बीमा सबकी रक्षा' (बीमा कानूनों में संशोधन) विधेयक, 2025 को पेश किया था। राज्यसभा ने चर्चा के बाद बीमा के क्षेत्र में प्रत?यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को 100 फीसदी तक बढ़ाने वाला विधयेक पारित कर दिया, जिसका मकसद 2047 तक सभी को इंश्योरेंस देना है। विशेषज्ञों का कहना है कि ये एक बड़ा सुधार है, जिसका मकसद दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक में ज्यादा ग्लोबल कैपिटल लाना है। सीतारमण ने राज्यसभा में सबका बीमा सबकी सुरक्षा (बीमा कानून संशोधन विधेयक, 2025) पर चर्चा का विधेयक, 2025 के संशोधनों में बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की मौजूदा सीमा 74 फीसदी को बढ़ाकर 100 फीसदी करने का प्रस्ताव है। इसके साथ ही

जवाब देते हुए कहा, 2014 में सत्ता संभालने के बाद से हमारी सरकार ने इंश्योरेंस सेक्टर में बड़े सुधार किए हैं, यह मानते हुए कि सच्चे राष्ट्रीय विकास के लिए हमारे लोगों, व्यवसायों और खेती के लिए व्यापक कवरेज जरूरी है। सरकार द्वारा प्रस्तावित 'सबका बीमा सबकी रक्षा' (बीमा कानूनों में संशोधन) 100 फीसदी की वृद्धि के साथ कानून के तहत कंपनी के शीर्ष अधिकारी में अध्यक्ष या प्रबंध निदेशक का भरतीय नागरिक होना अनिवार्य है। इस विधेयक में केंद्र सरकार ने गैर-बीमा कंपनी का बीमा कंपनी में विलय होने की अनुमति दी है, इससे इस क्षेत्र में एकीकरण और विस्तार को बढ़ावा मिलेगा।

सेबी की बोर्ड बैठक में बड़े सुधारों को मंजूरी, म्यूचुअल फंड खर्च फीस में किया बदलाव

एजेंसी

मुंबई। पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के निदेशक मंडल की हुई बैठक में कई महत्वपूर्ण सुधारों को मंजूरी दी गई है। सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय की अध्यक्षता में उच्च-स्तरीय समिति की सिफारिशों की समीक्षा की गई, जिसमें हितों के टकराव और वरिष्ठ अधिकारियों की संपत्ति संबंधी खुलासों पर भी ध्यान दिया गया। पांडेय के सेबी प्रमुख बनने के बाद निदेशक मंडल की यह चौथी बैठक थी। इस बैठक में निदेशक मंडल ने कंपनियों के लिए कोष जुटाने के समय पेश किए जाने वाले निर्गम दस्तावेज को सरल बनाने का प्रस्ताव मंजूर किया। इससे निवेशकों को निवेश के फैसले लेने में आसानी होगी और वे कम समय में ही मुख्य बिंदुओं की जानकारी जुटा पाएंगे। इसके अलावा म्यूचुअल फंड योजनाओं में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए समग्र खर्च अनुपात (टीईआर) को अलग-अलग घटकों में तोड़ने की मंजूरी भी दी गई। इससे निवेशक यह समझ सकेंगे कि

टीईआर में से कितनी राशि स्टांप शुल्क, प्रतिभूति लेन-देन कर (एसटीटी) और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) जैसे कानूनी मदों में जा रही है।

सेबी बोर्ड ने बॉन्ड या ऋण निर्गम में भी विशेष श्रेणी के निवेशकों को प्रोत्साहन देने की अनुमति दी। निदेशक मंडल ने बड़ी कंपनियों पर अनुपालन का बोझ कम करने के लिए उच्च ऋण मूल्य वाली सूचीबद्ध इकाइयों (एचवीडीएलई) की पहचान के लिए ऋण-सीमा को 1 हजार करोड़ रुपये से बढ़ाकर 5,000 करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव भी मंजूर किया।

भारत-ओमान मुक्त व्यापार समझौता प्रमुख क्षेत्रों में नए अवसर खोलेगा: पीयूष गोयल

एजेंसी

मस्कट। भारत-ओमान मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण, ऑटोमोबाइल, रत्न और आभूषण, कृषि रसायनों, नवीकरणीय ऊर्जा और ऑटो कंपोनेंट्स सहित कई सेक्टरों में महत्वपूर्ण अवसर खोलेगा। उन्होंने दोनों देशों के बीच सदियों पुराने समुद्री संबंधों को याद किया, जिसमें लोथल जैसे बंदरगाहों के जरिए ऐतिहासिक व्यापारिक आदान-प्रदान शामिल हैं। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने मस्कट में भारत-ओमान बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए यह बात कही। गोयल ने अपने संबोधन में ओमान की रणनीतिक लोकेशन पर जोर दिया, जो गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी), पूर्वी यूरोप, मध्य एशिया और अफ्रीका का गेटवे है, जिससे भारतीय बिज़नेस को बेहतर मार्केट एक्सेस मिलता है। गोयल ने दोनों देशों के बीच होने वाले मुक्त व्यापार समझौता को द्विपक्षीय संबंधों में एक अहम पड़ाव बताया। उन्होंने कहा कि

यह लगभग दो दशकों में ओमान का पहला एफटीए होगा। वाणिज्य मंत्री ने युवाओं के नेतृत्व वाली ग्रोथ का जिक्र करते हुए भारत के विकसित भारत 2047 के विजन और ओमान के विजन 2040 के बीच तालमेल पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों में युवाओं की ऊर्जा और एंटरप्रेन्योरशिप की भावना लंबे समय तक आर्थिक सहयोग के लिए एक मज़बूत नींव प्रदान करती है। उन्होंने अपने संबोधन में भारत-ओमान सहयोग के लिए ऊर्जा परिवर्तन (एनर्जी ट्रांजिशन), बुनियादी ढांचा (इंफ्रास्ट्रक्चर), खाद्य सुरक्षा (फूड सिक्योरिटी) और स्टार्टअप को चार प्रमुख क्षेत्रों के रूप में पहचाना, जिसमें ग्रीन हाइड्रोजन, नवीकरणीय ऊर्जा, बंदरगाहों, कोल्ड चेन, और डीप टेक में साझेदारी पर जोर दिया गया है, जो दोनों देशों के युवाओं और उद्यमशीलता को बढ़ावा देगा।ओमान के वाणिज्य, उद्योग और निवेश संवर्धन मंत्री, कैस अल यूसुफ ने अपने संबोधन में कहा कि भारत ओमान का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बनकर उभरा है। उन?होंने कहा कि ओमान रणनीतिक क्षेत्रों में भारतीय निवेश के लिए एक प्रमुख गंतव्य बना हुआ है। कैस अल यूसुफ ने कहा कि 2020 से ओमान में भारतीय निवेश तीन गुना से ज्यादा बढ़कर 5 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है, जो ग्रीन स्टील, ग्रीन अमोनिया, एल्युमीनियम मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में फैला हुआ है।

देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में चांदी के दाम 2 लाख रुपये प्रति किलो से नीचे

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में चांदी के भाव में आज बड़ी गिरावट नजर आ रही है। आज इस चमकीली धातु की कीमत में 4,100 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 4,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक की कमजोरी आ गई है। भाव में आई इस गिरावट के कारण चेन्नई और हैदराबाद के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में चांदी एक बार फिर 2 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर से नीचे फिसल गई है। कीमत में आई इस गिरावट के कारण देश के अलग अलग सर्राफा बाजारों में चांदी 1,98,800 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 2,10,900 रुपये प्रति किलोग्राम तक के भाव पर बिक रही है।दिल्ली में आज चांदी की कीमत 4,100 रुपये लुढ़क कर 1,99,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में चांदी 1,98,800 रुपये के भाव पर कारोबार कर रही है। जबकि जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 1,99,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। बेंगलुरु में चांदी 1,99,300 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 1,98,900 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश में चांदी की सबसे अधिक कीमत अभी भी चेन्नई और हैदराबाद में है, जहां ये चमकीली धातु आज की गिरावट के बावजूद 2 लाख रुपये के स्तर के ऊपर 2,10,900 रुपये के स्तर पर बनी हुई है। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि चांदी के भाव में आने वाले दिनों में उतार चढ़ाव के साथ मजबूती बने रहने की संभावना बनी हुई है। अमेरिकी बाजार में इस बात की चर्चा है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व अगले साल दो बार ब्याज दरों में कटौती कर सकता है, लेकिन उसके पहले साल के पहले महीने जनवरी में ब्याज दरों को स्थिर रख सकता है। ऐसा होने पर चांदी के भाव में उतार चढ़ाव का रुख जारी रह सकता है।

आईओबी की बिक्री पेशकश खुली, सरकार 3 फीसदी तक हिस्सेदारी बेचेगी

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) की बिक्री पेशकश (ओएफएस) गैर-खुदरा निवेशकों के लिए 34 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य पर अभिदान के लिए खुली। वहीं, खुदरा निवेशकों के लिए बिक्री पेशकश गुरुवार को खुलेगी। इंडियन ओवरसीज बैंक के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर शुरुआती कारोबार में 5.4 फीसदी गिर गए, जबकि इंट्रा-डे में 34.57 रुपये प्रति शेयर के निचले स्तर पर पहुंच गए। शेयर में यह बिकवाली का दबाव तब आया जब सरकार ने ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए बैंक की 3 फीसदी तक इक्विटी बेचने का प्रस्ताव दिया। शेयर बिक्री विवरण के अनुसार खुदरा निवेशकों के लिए बिक्री पेशकश गुरुवार को खुलेगी।

वित्त मंत्रालय के निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) सचिव के मुताबिक सरकार ने इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) में तीन फीसदी तक हिस्सेदारी का विनिवेश बिक्री पेशकश (ओएफएस) के जरिए करने का फैसला किया है। सरकार न्यूनतम मूल्य पर तीन फीसदी हिस्सेदारी बेचकर करीब 1,960 करोड़ रुपये जुटाएगी। इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) के ओएफएस के लिए न्यूनतम मूल्य 34 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। वहीं, आईओबी ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में बताया कि सरकार मूल पेशकश के तहत दो फीसदी हिस्सेदारी के बराबर 38.51 करोड़ शेयर बेचेगी। इसके अलावा 'ग्रीन शू' विकल्प यानी अतिरिक्त बोली आने पर उसे रखने के तहत अतिरिक्त एक फीसदी हिस्सेदारी के बराबर 19.25 करोड़ शेयर भी बेचने का विकल्प रखा गया है। कुल मिलाकर यह बैंक की चुकता इक्विटी पूंजी का तीन फीसदी है। आईओबी का शेयर मंगलवार को बीएसई पर 1.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 36.57 रुपये पर बंद हुआ था।

स्टेट बैंक के प्रबंध निदेशक अश्विनी कुमार तिवारी का कार्यकाल 2 साल के लिए बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के प्रबंध निदेशक (एमडी) अश्विनी कुमार तिवारी का कार्यकाल दो साल के लिए बढ़ा दिया है। स्टेट बैंक ने शेयर बाजार को जानकारी दी कि अश्विनी कुमार तिवारी को मौजूदा कार्यकाल समाप्त होने की तिथि 27 जनवरी, 2026 के बाद पुनर्नियुक्त किया गया है।

बैंक के मुताबिक तिवारी का विस्तारित कार्यकाल उनके सेवानिवृत्त होने की तिथि 31 दिसंबर 2027 तक रहेगा, जो उनके पदभार ग्रहण की तिथि से प्रभावी होगी। यह दूसरा मौका है, जब अश्विनी कुमार तिवारी का कार्यकाल बढ़ाया गया है। इससे पहले वर्ष 2024 में भी उन्हें दो साल के लिए सेवा विस्तार दिया गया था। पहली बार जनवरी, 2021 में तिवारी को एसबीआई का प्रबंध निदेशक के पद पर नियुक्त किया गया था। उस समय उन्हें तीन साल के कार्यकाल के लिए यह जिम्मेदारी सौंपी गई थी। तिवारी के कार्यकाल विस्तार से बैंक की स्थिरता और सतत विकास सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। सरकार के इस निर्णय को एसबीआई और वित्त मंत्रालय के बैंक संचालन और रणनीतिक विकास के हित में अहम कदम के तौर पर देखा जा रहा है।

लगातार तीसरे दिन कमजोरी के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेसेक्स और निफ्टी में ऊपरी स्तर से गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। । घरेलू शेयर बाजार आज लगातार तीसरे दिन कमजोरी के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में थोड़ी तेजी और आई, लेकिन पहले 20 मिनट के कारोबार के बाद ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इन दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.14 प्रतिशत और निफ्टी 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान मेटल, ऑयल एंड गैस और आईटी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। इसी तरह आईटी और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, रियल्टी, डिफेंस और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और हेल्थकेयर इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.53 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.85 प्रतिशत टूट कर आज के कारोबार का अंत कियाआज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में डेढ़ लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 466.03 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 467.63 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.60 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,328 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,475 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,694 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 159 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,853 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 873 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,980 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर बढ़त के साथ और 13 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 25 शेयर हरे निशान में और 25 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 176.40 अंक की मजबूती के साथ 84,856.26 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 209.59 अंक की बढ़त के साथ 84,889.45 अंक तक पहुंच गया। हालांकि पहले 20 मिनट के कारोबार के बाद ही बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स ने सारी बढ़त गंवा कर लाल निशान में गोता लगा दिया।

लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 1 बजे के करीब ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 470 अंक से ज्यादा टूट कर 263.88 अंक की कमजोरी के साथ 84,415.98 अंक के स्तर तक गिर गया। शाम 3 बजे के करीब खरीदारों ने एक बार फिर जोर लगाया, जिसके कारण सेंसेक्स निचले स्तर से 140 अंक से अधिक की रिकवरी करके 120.21 अंक की गिरावट के साथ 84,559.65 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 42.30 अंक की छलांग लगा कर 25,902.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण ये सूचकांक उछल कर 25,929.15 अंक तक पहुंच गया। निफ्टी की ये तेजी अधिक देर तक टिक नहीं सकी। पहले 20 मिनट के कारोबार के बाद ही बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण निफ्टी लाल निशान में गिर गया।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने शुरू किया ईवी वॉलिट रिचार्ज

एजेंसी

नई दिल्ली। एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने एनपीसीआई भारत बिलपे लिमिटेड के साथ साझेदारी में एयरटेल थैंक्स ऐप पर भारत कनेक्ट (बीबीपीएस) प्लेटफॉर्म के माध्यम से ईवी वॉलिट रिचार्ज की सुविधा शुरू की है। अब तक इलेक्ट्रिक वाहन के मालिकों को चार्जिंग का भुगतान करने के लिए चार्जिंग प्वाइंट ऑपरेटर द्वारा दिए गए वॉलिट का उपयोग करना पड़ता था। ईवी रिचार्ज श्रेणी के साथ एयरटेल पेमेंट्स बैंक ग्राहकों को एयरटेल थैंक्स ऐप के माध्यम से सीधे अपने ईवी वॉलेट को टॉप अप करने में सक्षम बनाता है, जिससे यह प्रक्रिया सहज और तेज हो जाती है। कंपनी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि ग्राहकों को बस ऐप में लॉग इन करना है, बिल भुगतान के अंतर्गत 'ईवी रिचार्ज' का चयन करना है, अपना पंजीकृत मोबाइल नंबर और रिचार्ज राशि दर्ज करनी है। भारत कनेक्ट सक्षम ऐप के माध्यम से सुरक्षित रूप से पुष्टि करके भुगतान करना है, और रिचार्ज की राशि तुरंत उनके वॉलिट में दिखाई देगी। यह सुविधा सभी एयरटेल थैंक्स ऐप उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध है। एयरटेल पेमेंट्स बैंक के कार्यकारी निदेशक गणेश अनंतनारायणन ने कहा, 'एयरटेल पेमेंट्स बैंक में हम अपने ग्राहकों का दैनिक अनुभव बेहतर बनाने के लिए लगातार डिजिटल-फर्स्ट सॉल्यूशंस प्रदान करते हैं। हम ईवी वॉलिट रिचार्ज के माध्यम से देश में बढ़ते हुए ईवी परिवेश को सपोर्ट कर रहे हैं ।

मैक्सिको के राष्ट्रपति ने वेनेजुएला में रक्तपात टालने के लिए संयुक्त राष्ट्र से हस्तक्षेप की अपील की

मेक्सिको सिटी। मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शेनबाउम ने वेनेजुएला में बढ़ते तनाव के बीच संयुक्त राष्ट्र से सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को आगे आकर हालात को संभालना चाहिए ताकि किसी भी तरह के रक्तपात से बचा जा सके। अपनी नियमित प्रेस वार्ता में राष्ट्रपति शेनबाउम ने साफ किया कि मैक्सिको वेनेजुएला में किसी भी प्रकार के सैन्य हस्तक्षेप या विदेशी दखल के खिलाफ है। उन्होंने कहा, 'मैं संयुक्त राष्ट्र से अपील करती हूं कि वह अपनी जिम्मेदारी निभाए। इस मामले में उसकी भूमिका अब तक दिखाई नहीं दी है। संयुक्त राष्ट्र को आगे आकर रक्तपात रोकने के लिए कदम उठाने चाहिए।' यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव तेजी से बढ़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला में आने-जाने वाले प्रतिबंधित तेल टैंकरों पर 'नाकेबंदी' का आदेश दिया है। वेनेजुएला की सरकार ने इस कदम को 'अशोभनीय और गंभीर धमकी' करार दिया है। अमेरिका द्वारा वेनेजुएला सरकार को विदेशी आतंकवादी संगठन बताए जाने के बाद हालात और बिगड़ गए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका ने क्षेत्र में हजारों सैनिकों और कई युद्धपोतों की तैनाती की है, जिनमें एक विमानवाहक पोत भी शामिल है। वहीं, वेनेजुएला की सरकार ने एक आधिकारिक बयान में अमेरिका की कार्रवाई को खारिज करते हुए कहा है कि वह किसी भी दबाव या धमकी के आगे नहीं झुकेगी।

नेपाल में जेनजी आंदोलन की न्यायिक जांच के लिए गठित आयोग की अवधि एक माह बढ़ेगी

काठमांडू। सरकार ने जेनजी आंदोलन में हुए पुलिस बल प्रयोग की जांच के लिए गठित जांच आयोग की अवधि एक माह बढ़ाने का निर्णय किया है। प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने आयोग के अध्यक्ष गौरी बहादुर कार्की सहित पदाधिकारियों से मुलाकात के दौरान आयोग की अवधि बढ़ाने की बात कही। प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान अध्यक्ष कार्की ने बताया कि बयान अभी पूरा नहीं हो पाया है, इसलिए आयोग की अवधि एक माह बढ़ाने का आग्रह किया गया था। आयोग की मांग के अनुसार अवधि बढ़ाने पर प्रधानमंत्री कार्की सहमत हो गई हैं। अध्यक्ष कार्की ने कहा कि आयोग की अवधि समाप्त होने वाली है, जबकि काम अभी बाकी है। इसी विषय पर हम प्रधानमंत्रीजी से बातचीत करने आए थे। एक माह की अवधि बढ़ाना आवश्यक है। समय पर्याप्त नहीं हो पाया। इस दौरान दो सप्ताह से अधिक छुट्टियां रहीं और पुलिस ने भी एक महीने तक सूची नहीं भेजी, जिससे काम में देरी हुई। प्रधानमंत्री ने प्रस्ताव भेजने को कहा है और अवधि बढ़ाने का आश्वासन दिया है। आयोग की अवधि इसी 24 दिसंबर को समाप्त हो रही है।

प्रतिनिधि सभा भंग किए जाने के खिलाफ नेपाली कांग्रेस की रिट पर सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

काठमांडू। सुप्रीम कोर्ट ने प्रतिनिधि सभा को भंग किए जाने के खिलाफ नेपाली कांग्रेस की रिट याचिका पर कारण बताओ नोटिस जारी किया है। यह रिट पार्टी के तरफ से निवर्तमान संसदीय दल के प्रमुख सचेतक श्याम कुमार घिमिरे समेत अन्य नेताओं की ओर से दायर की गई है। याचिका में राष्ट्रपति कार्यालय, प्रधानमंत्री सुशीला कार्की, प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद कार्यालय, निर्वाचन आयोग और प्रतिनिधि सभा के सभामुख को प्रतिवादी बनाया गया है। रिट में आरोप लगाया गया है कि प्रतिनिधि सभा को असंवैधानिक रूप से भंग किया गया। याचिका में प्रतिनिधि सभा को तत्काल बहाल करने की मांग की गई है। इसके अलावा रिट में प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की नियुक्ति को रद्द करने की मांग करते हुए नेपाली कांग्रेस को एक प्रमुख राजनीतिक शक्ति बताते हुए नेपाली कांग्रेस पार्टी के संसदीय दल के नेता शेर बहादुर देउवा को प्रधानमंत्री नियुक्त करने का आग्रह किया गया है।

ढाका में बहुमंजिला वेयरहाउस आग में तबाह, चार और इमारतें लपटों से घिरीं

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी के पुराने ढाका के इस्लामबाग इलाके में एक बहुमंजिला वेयरहाउस में आग लग गई। आग से घिरे इस वेयरहाउस के पास कई इमारतें हैं। सबसे पहले जिस वेयरहाउस पर आग लगी, वह पूरी तरह तबाह हो गया।

ढाका ट्रिब्यून और द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार दमकल विभाग और नागरिक सुरक्षा नियंत्रण कक्ष ने बताया कि सूचना मिलते ही दमकल की 11 गाड़ियां भेजी गई हैं। दमकल विभाग के एक अधिकारी का कहना है कि आग कम से कम चार दूसरे वेयरहाउस में फैल गई है। आग बुझाने के प्रयास किए जा रहे हैं। नियंत्रण कक्ष की ड्यूटी ऑफिसर रोजीना इस्लाम ने बताया कि आग बुझाने के प्रयास जारी हैं।

अमेरिका के पैक्स सिलिका समिट में भारत की गैरमौजूदगी पर अटकलें लगाना गलतः आर्थिक मामलों के अवर सचिव

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका ने स्पष्ट किया है कि भले ही नई दिल्ली ने पहले पैक्स सिलिका समिट में भाग नहीं लिया, लेकिन सुरक्षा और उन्नत तकनीकों के क्षेत्र में एक अत्यंत रणनीतिक और संभावनाओं से भरपूर साझेदार बना हुआ है। यह समिट अमेरिका के नेतृत्व में शुरू की गई एक नई पहल है, जिसका उद्देश्य वैश्विक सिलिकॉन और सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन को सुरक्षित और मजबूत करना है। आर्थिक मामलों के अवर सचिव जैकब हेलबर्ग ने अमेरिका में फॉरेन प्रेस सेंटर द्वारा आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारत की गैरमौजूदगी को वॉशिंगटन के साथ राजनीतिक तनाव से जोड़ने वाली अटकलें गलत थीं। हेलबर्ग ने कहा, 'मेरी समझ से भारत के पैक्स सिलिका समिट में हिस्सा न लेने के पीछे बहुत सारी अटकलें थीं। मैं यह साफ करना चाहता हूं कि ट्रेड अरेंजमेंट से जुड़ी अमेरिका और

भारत के बीच बातचीत आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा को लेकर हमारी बातचीत से बिल्कुल अलग और समानांतर ट्रैक पर है। हम इन दोनों चीजों को मिला नहीं रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'हम सप्लाई चेन सुरक्षा से जुड़े कामों में भारत को एक बहुत ही रणनीतिक सक्षम साझेदार के तौर पर देखते हैं और हम उनके साथ जुड़ने के मौके का स्वागत करते हैं। 'पिछले हफ्ते पैक्स सिलिका समिट लॉन्च किया गया। इस पहल का उद्देश्य सेमीकंडक्टर निर्माण और उन्नत तकनीक से जुड़ी सप्लाई चेन में अहम भूमिका निभाने वाले देशों के एक शुरुआती समूह को एक मंच पर लाना है। इस समूह में सिंगापुर, इजरायल, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, और यूनाइटेड किंगडम जैसे देश शामिल हैं।यह फ्रेमवर्क वैश्विक सप्लाई चेन में मौजूद सिंगल पॉइंट ऑफ फेलियर को कम करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है, जो स्मार्टफोन और ऑटोमोबाइल से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक कई प्रमुख उद्योगों की रीढ़ है। हेलबर्ग के अनुसार, यह पहल अमेरिका की व्यापक आर्थिक सुरक्षा रणनीति के चार प्रमुख स्तंभों–व्यापार का पुनर्संतुलन, संघर्षग्रस्त क्षेत्रों को स्थिर करने, अमेरिका का पुनः औद्योगिकीकरण करने और सप्लाई चेन को सुरक्षित बनाने–के अनुरूप है। उन्होंने कहा, 'इसलिए हमने पैक्स सिलिका नाम की एक फ्लैगशिप पहल शुरू की, जिसका मकसद सिलिकॉन सप्लाई चेन को सुरक्षित करना है, जो कारों से लेकर स्मार्टफोन उद्योग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक, अत्याधुनिक तकनीकों की बुनियाद है।'

केपी शर्मा ओली तीसरी बार सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष निर्वाचित

एजेंसी

काठमांडू। पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष पद के लिए तीसरी बार निर्वाचित किया गया है। ओली ने पार्टी के भीतर लंबे समय से समर्थन के बावजूद उन्हें चुनौती देने वाले ईश्वर पोखरेल को बड़े अंतर से पराजित किया। चुनाव आयोग के अनुसार सीपीएन-यूएमएल अध्यक्ष पद की दौड़ में ओली को कुल 1,663 मत प्राप्त हुए। पार्टी के आंतरिक चुनाव के नतीजों के अनुसार शंकर पोखरेल सीपीएन-यूएमएल के महासचिव पद के लिए विजयी हुए हैं। पोखरेल को 1,228 मत मिले, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी सुरेंद्र पाण्डेय को 999 मत प्राप्त हुए।

नेपाल का जेन-जी आंदोलनः आयोग अगले सप्ताह ओली और लेखक के बयान दर्ज करेगा

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में आठ और नौ सितंबर को हुए जेन-जी आंदोलन के दौरान हुई तोड़फोड़ और मानव क्षति की जांच के लिए गठित जांच आयोग अगले सप्ताह वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं के बयान दर्ज करने की तैयारी में है। कार्यकाल समाप्ति के नजदीक पहुंचने के साथ ही आयोग के पदाधिकारियों ने बुधवार को प्रधानमंत्री सुशीला कार्की से मुलाकात कर समय-सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया। इस दौरान आयोग के अध्यक्ष गौरी बहादुर कार्की ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक के बयान अगले सप्ताह लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आयोग सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों के बयान पहले ही दर्ज कर चुका है। कार्की ने कहा कि प्रशासनिक और सुरक्षा क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले सभी अधिकारियों के बयान पूरे हो चुके हैं। अब आयोग वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं के बयान दर्ज करने और रिपोर्ट का मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाएगा। कार्की के अनुसार, रविवार से राजनीतिक

नेताओं को बयान के लिए बुलाने की तैयारी चल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि ओली, लेखक और अन्य नेताओं के बयान दर्ज करने के बाद रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के लिए मौजूदा समय अपर्याप्त होगा, इसलिए संशोधित कार्यादेश के तहत अतिरिक्त समय की आवश्यकता होगी। कार्की ने प्रधानमंत्री को अवगत कराया कि जेन-जी समूह के साथ हुए समझौते के अनुसार अधिकार क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर अभी और काम करना बाकी है, जिससे समय-सीमा बढ़ाना आवश्यक हो गया है।

पुलित्जर विजेता युद्ध संवाददाता पीटर अर्नेट नहीं रहे

एजेंसी

यूपोर्ट बीच (कैलिफोर्निया) अमेरिका। ख्यातिलब्ध युद्ध संवाददाता पीटर अर्नेट नहीं रहे। वैश्विक पत्रकारिता के सर्वाधिक प्रतिष्ठित पुलित्जर पुरस्कार विजेता अर्नेट ने न्यूपोर्ट बीच शहर में 91 वर्ष की आयु में बुधवार को अंतिम सांस ली। उन्होंने अपने जीवनकाल में वियतनाम के धान के खेतों से लेकर इराक के रेगिस्तान तक दुनिया को युद्ध की आंखों देखी कहानियां दिखाने के लिए दशकों तक गोलियों और बमों से बचते हुए काम किया। द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, अर्नेट ने एसोसिएटेड प्रेस (एपी) के लिए वियतनाम युद्ध की कवरेज के लिए 1966 में अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टिंग के लिए पुलित्जर पुरस्कार जीता। उनके बेटे एंड्रयू अर्नेट ने बताया कि अंतिम समय पर उनके आसपास दोस्त और परिवार के लोग थे। प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित होने के कारण उन्हें शनिवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने 1962 से 1975 तक युद्ध खत्म होने तक वियतनाम से रिपोर्टिंग की। 1991 में पहले खाड़ी युद्ध के दौरान सीएनएन के लिए लाइव अपडेट प्रसारित करने

के बाद वह घर-घर में जाना-पहचाना नाम बन गए। अर्नेट एपी में इंडोनेशिया के संवाददाता के तौर पर शामिल होने के ठीक एक साल बाद वियतनाम पहुंचे। वह 1975 तक वियतनाम में रहे। अर्नेट 1981 तक एपी के साथ रहे। इसके बाद सीएनएन का हिस्सा बन गए। दस साल बाद वह बगदाद में एक और युद्ध को कवर करने पहुंचे। उन्होंने न केवल अग्रिम मोर्चे की लड़ाई की रिपोर्टिंग की, बल्कि तत्कालीन राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन और ओसामा बिन लादेन के विवादास्पद इंटरव्यू भी किए। अर्नेट ने 1999 में सीएनएन छोड़ दिया। उन्होंने 2003 में एनबीसी और नेशनल ज्योग्राफिक के लिए दूसरे खाड़ी युद्ध को कवर किया। अर्नेट ने ताइवान, संयुक्त अरब अमीरात और बेल्जियम के स्टेशनों के लिए भी काम किया। 2007 में उन्होंने चीन की शान्तौ यूनिवर्सिटी में जर्नलिज्म पढ़ाने की नौकरी कर ली। 2014 में रिटायरमेंट के बाद वह और उनकी पत्नी, नीना गुयेन, दक्षिणी कैलिफ़ोर्निया के फाउंटेन वैली उपनगर में चले गए। 13 नवंबर, 1934 को रिवर्टन (न्यूजीलैंड) में जन्मे अर्नेट को हाईस्कूल के तुरंत बाद स्थानीय साउथलैंड टाइम्स में नौकरी मिल गई थी। उन्होंने बैंकॉक वर्ल्ड के लिए भी काम किया। अर्नेट के परिवार में उनकी पत्नी और उनके बच्चे एल्सा और एंड्रयू हैं।

2025 में भारत-अमेरिका संबंध सबसे निचले स्तर पर, पाकिस्तान भी एक फैक्टरः अपर्णा पांडे

एजेंसी

वॉशिंगटन। 2025 में भारत-अमेरिका के संबंध दशकों में सबसे मुश्किल दौर में से एक रहे हैं। दोनों देशों के संबंध सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। दक्षिण एशिया के एक टॉप विशेषज्ञ ने कहा कि ट्रंप सरकार इसे रणनीतिक नजरिए से देखने के बजाय लेन-देन के नजरिए से देख रही है। हडसन इंस्टीट्यूट थिंक-टैंक में कार्यरत सीनियर कर्मी अपर्णा पांडे ने आईएएनएस को एक इंटरव्यू में बताया, 'यह साल, मान लीजिए, सबसे मुश्किल सालों में से एक रहा है। एक स्तर पर, यह एक ऐसा साल रहा है जिसमें भारत-अमेरिका के संबंध लगभग सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। इसे ठीक होने में समय लग सकता है। इसमें कुछ महीने और कुछ साल भी लग सकते हैं।' अपर्णा पांडे ने कहा कि इसके ठीक होने की रफ्तार और दिशा इस बात पर निर्भर करेगी कि वॉशिंगटन नई दिल्ली के साथ अपने जुड़ाव को कैसे देखता है। यह सब इस बात पर निर्भर करेगा कि अमेरिकी सरकार भारत के साथ साझेदारी को एक रणनीतिक संबंध के तौर पर देखती है या इसे सिर्फ लेन-देन या सामरिक नजरिए से देखती है।' जब उनसे पूछा गया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी सरकार अभी भारत को कैसे देखती है, तो अपर्णा पांडे ने कहा, 'अभी तक ऐसा लगता है कि ट्रंप प्रशासन लगभग सभी देशों के साथ अपने संबंधों को लेनदेन और सामरिक नजरिए से देख रहा है। इस समय दोनों देशों के बीच इसी पर आधारित संबंध हैं। इनके बीच कोई रणनीतिक साझेदारी नहीं है। उन्होंने कहा कि साल 2025 की शुरुआत बहुत अच्छी रही थी। फरवरी में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच बैठक हुई। उन्होंने याद दिलाया कि दोनों नेताओं ने पिछले 35 सालों में जो हुआ था, उस पर आधारित पहल की घोषणा की थी। दुर्भाग्य से उसके बाद चीजें आगे नहीं बढ़ीं। भारत और अमेरिका के बीच यह एक बड़ा कूटनीतिक ठहराव है, लेकिन ऑपरेशन स्तर का संबंध जारी है। व्यापार को लेकर अपर्णा पांडे ने जोर दिया कि मौजूदा झगड़े नए नहीं हैं। इन सभी मुद्दों पर हम 35 साल से बात कर रहे हैं। पिछली अमेरिकी सरकारों ने माना था कि भारत के साथ व्यापार में थोड़ी दिक्कत होगी और उसी हिसाब से बदलाव किए थे। उन्होंने कहा कि सिर्फ व्यापार और टैरिफ पर ट्रंप सरकार के फोकस की वजह से हम व्यापार समझौते पर आगे नहीं बढ़ पाए हैं। पांडे ने आगे कहा कि भारत ने अमेरिकी सरकार के सामने एक बहुत अच्छे व्यापार समझौते का ड्राफ्ट पेश किया था, लेकिन आखिरी नतीजा राष्ट्रपति ट्रंप के इस फैसले पर निर्भर कर सकता है। पांडे ने यह भी कहा कि रूस के साथ-साथ अमेरिका-भारत रिश्तों में खिंचाव का एक फैक्टर पाकिस्तान भी है। उन्होंने कहा, 'एक स्तर पर पाकिस्तान हमेशा से जानता है कि अमेरिकी सरकार को कैसे खुश या संतुष्ट करना है। हालांकि पिछली अमेरिकी सरकारों ने पाकिस्तान को ज्यादातर नजरअंदाज किया, लेकिन मौजूदा सरकार को लगता है कि पाकिस्तान से उन्हें कुछ फायदा मिल सकता है।' एक सवाल के जवाब में, उन्होंने मध्यपूर्व से लेकर जरूरी मिनरल्स के क्षेत्र तक के इलाकों में पाकिस्तान की मानी जाने वाली उपयोगिता की ओर इशारा करते हुए कहा, 'अमेरिका-पाकिस्तान का संबंध कितना बढ़ सकता है।

म्यांमार में 4.4 तीव्रता का भूकंप, फिलहाल नुकसान की सूचना नहीं

एजेंसी

नाएप्यीडॉ (म्यांमार)। म्यांमार में सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए है। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.4 मापी गई। भारत के राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने इसकी पुष्टि की है। भूकंप के कारण किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है। म्यांमार में 11 और 10 दिसंबर को भी भूकंप के झटके महसूस किए जा चुके हैं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार,आज सुबह म्यांमार में 4.4 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र 26.07 उत्तर अक्षांश और 97.00 पूर्व देशांतर पर था। भूकंप 100 किलोमीटर की गहराई पर दर्ज किया गया। भू-गर्भीय विज्ञानियों का कहना है कि म्यांमार अपनी लंबी तटरेखा के साथ मध्यम और बड़े भूकंपों और सुनामी से होने वाले खतरों के प्रति संवेदनशील है। केंद्र के अनुसार, 28 मार्च को मध्य म्यांमार में आए 7.7 और 6.4 तीव्रता के भूकंप के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में हजारों विस्थापित लोगों के लिए तेजी से बढ़ते स्वास्थ्य खतरों की एक श्रृंखला के बारे में चेतावनी दी।

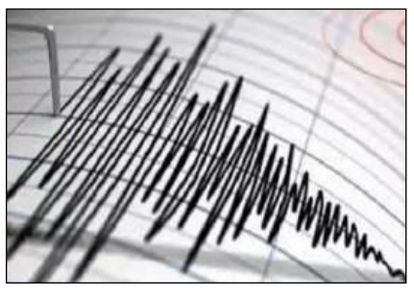

पाकिस्तान की जेल में बंद इमरान खान के बेटों ने कहा-शायद वो पिता को कभी नहीं देख पाएंगे

एजेंसी

लंदन। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटों ने कहा है कि उन्हें डर है कि वे शायद अपने पिता को फिर कभी नहीं देख पाएंगे। उन्होंने कहा कि पिता को रावलपिंडी की आदियाला जेल की मौत की कोठरी में मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है।

ब्रिटेन के न्यूज चैनल स्काई न्यूज के एक कार्यक्रम में इमरान के बेटों कासिम और सुलेमान खान ने कहा कि उन्होंने महीनों से अपने पिता से बात नहीं की है। वह अगस्त, 2023 से जेल में हैं। कासिम ने बताया कि उनके पिता पूर्व पाकिस्तानी दो साल से अधिक समय तनहाई में रह रहे हैं (तनहाई जेल की भाषा में वह कोठरी होती है, जहां सिर्फ एक व्यक्ति को ही रखा जाता है)। वहां उन्हें गंदा पानी मिलता है। उनके आसपास ऐसे कैदी हैं, जो

हेपेटाइटिस से मर रहे हैं। हालात बहुत खराब हैं। उनके पिता किसी भी इंसान से संपर्क नहीं कर सकते।

उन्होंने आहत और चिंतित होते हुए कहा, उनके बाहर निकलने का रास्ता देखना बहुत मुश्किल है। अब हमें चिंता हो रही है कि शायद हम उन्हें फिर कभी न देख पाएं। कासिम ने कहा कि उनके पिता को मनोवैज्ञानिक यातना की रणनीति का शिकार बनाया जा रहा है। जेल गार्ड्स को भी उनके पिता से बात करने की इजाजत नहीं थी। ऐसा उस व्यक्ति के साथ हो रहा है, जिसने 2018 से 2022 तक देश का नेतृत्व किया। सुलेमान ने कहा कि उनके पिता तनहाई में 23 घंटे बिताते हैं। उन्होंने कहा कि उनके पिता को पूरी तरह से घटिया हालात में रखा जा रहा है, जो किसी भी कैदी के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक नहीं हैं। कासिम ने कहा कि उनके पिता कभी कोई समझौता नहीं करेंगे। वह पाकिस्तान को भ्रष्टाचार से मुक्त करने के अपने लक्ष्य की ओर बढ़ सकते हैं।

स्काई न्यूज के अनुसार इमरान के बेटों के आरोपों के बारे में कार्यक्रम के दौरान ही पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के प्रवक्ता मुशर्रफ जैदी से प्रतिक्रिया मांगी गई। उन्होंने इस आरोप से इनकार किया कि इमरान खान को अकेले जेल में रखा जा रहा है। उन्होंने कि इमरान खान लगभग 860 दिनों से जेल में हैं और उनसे 870 बार मुलाकात हुई है, जबकि नियम के अनुसार उन्हें हर हफ्ते सिर्फ एक बार मिलने की इजाजत है। उल्लेखनीय है कि अपना राजनीतिक करियर शुरू करने से पहले इमरान खान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के स्टार के तौर पर जाने जाते रहे हैं। 1992 में पाकिस्तान को क्रिकेट वर्ल्ड कप जिताने के लिए मशहूर इमरान खान पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी (पीटीआई) के संस्थापक हैं।

अमेरिकी शरणार्थी आवेदनों पर काम कर रहे 7 केन्याई नागरिक दक्षिण अफ्रीका में गिरफ्तार, निर्वासन की तैयारी

एजेंसी

जोहान्सबर्ग/वॉशिंगटन। दक्षिण अफ्रीका ने बताया कि अमेरिकी सरकार के लिए शरणार्थी आवेदनों की प्रक्रिया में अवैध रूप से काम कर रहे 7 केन्याई नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है और उन्हें देश से निष्कासित किया जाएगा। इस कार्रवाई ने अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहले से तनावपूर्ण संबंधों को और जटिल बना दिया है। दक्षिण अफ्रीका के गृह मामलों के मंत्रालय के अनुसार, गिरफ्तार किए गए केन्याई नागरिक पर्यटक वीजा पर देश में दाखिल हुए थे, लेकिन उन्होंने नियमों का उल्लंघन करते हुए एक प्रोसेसिंग सेंटर में काम शुरू कर दिया। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि इस कार्य के लिए पहले केन्याई नागरिकों को दिए गए वीजा आवेदन खारिज किए जा चुके थे। सरकार ने यह भी कहा कि किसी भी अमेरिकी अधिकारी को

दक्षिण अफ्रीकी सरकार ने कहा है कि उसने इस मुद्दे को सुलझाने के लिए अमेरिका और केन्या दोनों के साथ औपचारिक कूटनीतिक बातचीत शुरू कर दी है।

गिरफ्तार नहीं किया गया है। हालांकि, अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) के दो शरणार्थी अधिकारियों को इस कार्रवाई के दौरान कुछ समय के लिए हिरासत में लिया गया था, जिन्हें बाद में छोड़ दिया गया। अमेरिका के विदेश विभाग ने इस छापेमारी को 'अस्वीकार्य' करार दिया है और दक्षिण अफ्रीकी सरकार से स्पष्टीकरण मांगा है। यह मामला ऐसे समय सामने आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन कथित नस्ली उत्पीड़न के आधार पर हजारों श्वेत दक्षिण अफ्रीकियों को अमेरिका में पुनर्वास देने की योजना चला रहा है, जिसे दक्षिण अफ्रीका सिरे से खारिज करता रहा है। दक्षिण अफ्रीकी सरकार ने कहा है कि उसने इस मुद्दे को सुलझाने के लिए अमेरिका और केन्या दोनों के साथ औपचारिक कूटनीतिक बातचीत शुरू कर दी है। वहीं, केन्या के विदेश मंत्रालय ने मामले की जानकारी न होने की बात कहते हुए जांच का आश्वासन दिया है।

जापोरिज्झिया पर रूसी हमले में 26 लोग घायल, एक बच्चा भी शामिल

एजेंसी

जापोरिज्झिया। यूक्रेन के जापोरिज्झिया क्षेत्र में रूसी सेना के हमले में कम से कम 26 लोग घायल हो गए हैं, जिनमें एक बच्चा भी शामिल है। क्षेत्रीय गवर्नर इवान फेदोरोव के अनुसार, रूसी सेना द्वारा दागे गए ग्लाइड बमों ने रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया, जिससे कई अपार्टमेंट इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा और आग लग गई।फेदोरोव ने बताया कि तीन अलग-अलग हमलों में जापोरिज्झिया शहर और उसके आसपास के इलाके प्रभावित हुए। दो बहुमंजिला आवासीय इमारतें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं, जबकि घटनास्थल से उठता काला धुआं दूर से दिखाई देता रहा। यूक्रेन की आपातकालीन सेवाओं के मुताबिक, मलबा हटाने और आग बुझाने का काम देर तक जारी रहा। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने इन हमलों की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि एक बार फिर जानबूझकर आम नागरिकों के इलाकों–घरों, स्कूलों और रोजमर्रा की जगहों को निशाना बनाया गया है। मंत्रालय ने आशंका जताई है कि घायलों की संख्या और बढ़ सकती है।

बांग्लादेश में बढ़ती राजनीतिक और धार्मिक हिंसा पर ब्रिटेन की संसद में चर्चा, सांसदों ने जताई चिंता

एजेंसी

लंदन। बांग्लादेश में जारी हिंसक घटनाओं की चर्चा ब्रिटेन की संसद तक शुरू हो गई है। दरअसल, ब्रिटेन की कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद बॉब ब्लैकमैन ने संसद में एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस इवेंट में बांग्लादेश में राजनीतिक और धार्मिक हिंसा में खतरनाक बढ़ोतरी और लोकतंत्र के लिए बढ़ते खतरों को लेकर चर्चा हुई। कार्यक्रम में बांग्लादेश यूनिटी फोरम और डॉटी स्ट्रीट चैंबर्स के बैरिस्टर आदि शामिल हुए। बांग्लादेश में जिस तरह के हालात बने हुए हैं, वह पूरी दुनिया के सामने है। इसे लेकर अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने भी चिंता जाहिर की है। अगले साल फरवरी में आम चुनाव से पहले चुनावी हिंसा के मामले बढ़ रहे हैं। यूनुस की अंतरिम सरकार में अवामी लीग पर चुनाव लड़ने पर बैन लगा दिया गया है। इसे लेकर ब्रिटेन के सांसदों ने भी चिंता जाहिर की। कार्यक्रम के दौरान ब्रिटेन के सांसदों, वकीलों और कार्यकर्ताओं ने अवामी लीग पर गैर-कानूनी बैन के बाद बांग्लादेश में फरवरी 2026 में होने वाले चुनावों से पहले हमलों को लेकर चर्चा की। उन्होंने देश में स्वतंत्र, निष्पक्ष और सबको साथ लेकर चलने वाले चुनावों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अवामी लीग को भाग लेने की इजाजत नहीं दी गई तो आने वाले चुनावों में संवैधानिक वैधता की कमी होगी और लाखों आम बांग्लादेशियों को वोट देने का अधिकार नहीं मिलेगा।

कार्यक्रम में शामिल लोगों ने देश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल (आईसीटी) में बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ कार्यवाही के दौरान सही प्रक्रिया की कमी की भी आलोचना की।

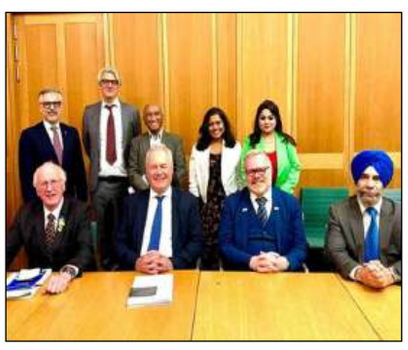

इसके अलावा, अधिकारियों पर न्यायपालिका को राजनीतिक दबाव के एक टूल के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

ब्रिटेन के बैरिस्टरों ने इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट और यूए के स्पेशल रिपोर्टरों को पत्र लिखकर बांग्लादेश में बदले की हिंसा, बिना कानूनी कार्रवाई के फांसी, मनमानी हिरासत और निष्पक्ष सुनवाई के अधिकारों के गलत इस्तेमाल में बढ़ोतरी पर चिंता जताई है। पिछले महीने, बॉब ब्लैकमैन ने बांग्लादेश की मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार से देश में स्वतंत्र, निष्पक्ष और सबको साथ लेकर चलने वाले चुनाव सुनिश्चित करने की अपील की थी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पिछले साल जुलाई में हुए प्रदर्शनों के बाद मुश्किलों का सामना करने वाले अल्पसंख्यकों को देश के सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में बराबर का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। ब्लैकमैन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किए गए पोस्ट में कहा, 'मैं बांग्लादेश की मौजूदा सरकार से बांग्लादेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी, हिस्सा लेने वाले और सबको साथ लेकर चलने वाले चुनाव सुनिश्चित करने की अपील करता हूं। चुनाव लोकतंत्र की नींव हैं और लोगों की इच्छा की सच्ची झलक हैं।' बयान में कहा गया, 'यूनुस सरकार ने कानून का राज फिर से स्थापित करने और न्याय और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के वादे के साथ पद संभाला था। हालांकि वादों के बावजूद, लोकतांत्रिक सुधार और संवैधानिक मूल्यों और शासन को फिर से शुरू करने की दिशा में उम्मीद के मुताबिक प्रगति नहीं हुई है।'

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/18/2025 10:58 PM Page 2

प्लग ट्रे पौध उत्पादन प्रौद्योगिकी

प्लास्टिक लो-टनल

लो-टनल ऐसी संरक्षित संरचनायें है जिन्हें मुख्य खेत में फसल की रोपाई के बाद प्रत्येक फसल क्यारियों के ऊपर फसल को कम तापमान से होने वाले नुकसान से बचाने के लिये कम ऊँचाई पर प्लास्टिक ढंककर बनाया जाता है।

ऐसी संरचना बनाने के लिये पहले क्यारियाँ तैयार की जाती है, तथा उन पर ड्रिप सिंचाई हेतु पाइप फैलाकर उन पर पतले तार के हुप्स इस प्रकार लगाये जाते हैं जिससे हुप्स के दोनों सिरों की दूरी 40 से 60 सें.मी. रहे तथा इनको 1.5 से 2.0 मीटर की दूरी पर लगाया जाता है। हुप्स, तार को मोड़कर भी

लो-टनल ऐसी संरक्षित संरचनायें है जिन्हें मुख्य खेत में फसल की रोपाई के बाद प्रत्येक फसल क्यारियों के ऊपर फसल को कम तापमान से होने वाले नुकसान से बचाने के लिये कम ऊँचाई पर प्लास्टिक ढंककर बनाया जाता है।

बनाये जा सकते हैं तथा उन्हें 2.0 से 2.5 मीटर की दूरी पर थोड़ा सा अधिक ऊँचाई (60 सें.मी.) पर लगाया जाता है। बाद में बेल वाली सब्जियों की तैयार पौधमुख्य खेत में रोपाई करके दोपहर बाद क्यारियों पर प्लास्टिक चढ़ाया जाता है।

प्लास्टिक की मोटाई 20-30 माइक्रोन होनी चाहिए तथा लो-टनल बनाने के लिए हमेशा पारदर्शी प्लास्टिक का ही प्रयोग करें। यदि रात को तापमान 5.0 डिग्री से. से कम है तो 7 से 10 दिन तक प्लास्टिक में छेद करने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन उसके बाद प्लास्टिक में पूर्व दिशा की ओर चोटी से नीचे की ओर छोटे-2 छेद कर दिये जाते हैं तथा जैसे-2 तापमान बढ़ता है इन छेदों का आकार भी बढ़ाया जाता है। पहले छेद 2.0 से 3.0 मीटर की दूरीपर बनाये जाते हैं, बाद में इन्हें 1.0 मीटर की दूरी पर बना दिया जाता है ।

इस प्रकार पूरी प्लास्टिक को आवश्यकतानुसार तथा तापमान को ध्यान में रखते हुए फरवरी के अन्त या मार्च के प्रथम सप्ताह में फसल के ऊपर से पूर्ण रुप से हटा दिया जाता है। इस समय तक फसल काफी बढ़ चुकी होती है तथा उससे फल स्थापन प्रारम्भ हो चुका होता है। इस प्रकार की संरक्षित संरचनाओं में मुख्यत: खरबूजा, चप्पन कद्दू, खीरा, तरबूज, करैला, टिण्डा, लौकी व अन्य कद्दूवर्गीय सब्जियों को मुख्य मौसम से 30 से 60 दिन पहले उगाया जा सकता है। चप्पन कद्दू जैसी फसल की रोपाई तो दिसम्बर व जनवरी माह में तथा खरबूजे की फसल को जनवरी के अन्त या फरवरी के प्रथम सप्ताह में लगातार 30 से 60 दिन तक अंगेती उगाया जाता है। इस प्रकार इन फसलों के बाजार से अधिक भाव लेकर अधिक लाभ कमाया जा सकता है। टनल बनाने से पौधों के आसपास का सूक्ष्म वातावरण काफी बदल जाता है तथा दिन के समय जब अच्छी प्रकार से धूप निकलती हों तो टनल के अन्दर का तापमान 10 से 12 डिग्री बढ़ जाता है जिससे कम तापमान होते हुए भी इन फसलों की बढ़वार तेजी से होती है तथा रात के समय टनल में पौधों का पाले से बचाव भी होता है। यह तकनीक उत्तर भारत के मैदानी खासकर शहरों के चारों ओर रहने वाले किसानों के लिये बड़ी लाभप्रद व उपयोगी है, लेकिन इस तकनीक को अपनाने से पूर्व किसानों को इन बेल वाली सब्जियों की पौध को भी संरक्षित संरचनाओं में ही तैयार करना होगा।

इस प्रकार के पौध उत्पादन को शहरी क्षेत्रों में लघु उद्योग के रुप में अपनाया जा सकता है। इस विधि द्वारा विभिन्न सब्जियों की पौध दो प्रकार की प्लास्टिक प्रो-ट्रे में तैयार की जाती है। एक प्रो-ट्रे में छेदों का आकार 1.0 से 1.5 वर्ग इंच होना चाहिए। इसमें शिमला मिर्च, फूलगोभी, पत्तागोभी, गांठगोभी, ब्रोकली, मिर्च सलाद व टी.पी.एस. आलु आदि की पौध तैयार की जा सकती है। दूसरी प्रो-ट्रे में छेदों का आकार 1.5 से 2.0 वर्ग इंच होना चाहिए। इसमें टमाटर, बैगन, खीरा, खरबूजा, तरबूज, लौकी, तोरई चप्पन कद्दू आदि सब्जियों की पौध तैयार की जा सकती है। आजकल भारतीय बाजारों में 98 छेदों वाली प्लास्टिक ट्रे आसानी से मिल रही है जिनका उपयोग पौध उगाने में किया जा सकता है। अब इन प्रो-ट्रेज में परलाइट, वर्गीकुलाइट व कोकोपीट का 1:1:3 अनुपात का मिश्रक तैयार करके उसका उपयोग भू-रहित माध्यम के रुप में किया जा सकता है। आमतौर पर इन तीनों माध्यम पूर्णतया रोगाणुरहित होते हैं। अब ट्रेज के प्रत्येक छेद में एक बीज बोया जाता है तथा बाद में बीज के ऊपर वर्गीकुलाइटकी एक पतली परत डाली जाती है तथा सर्दी के मौसम में प्रत्येक ट्रे को अंकुरण के लिए ऐसे कमरे में रखा जा सकता है जहाँ का तापमान लगभग 24 से 25ह् से. हो, ताकि बीजों का अंकुरण जल्दी व ठीक प्रकार से हो सके ।

अंकुरण के बाद सभी ट्रे ग्रीनहाउस या अन्य संरक्षित क्षेत्र में बने प्लेटफार्म या फर्द्रा पर फैलाई जा सकती है या फिर ईंटों द्वारा बने फर्द्रा पर उनको फैला कर रख दिया जाता है। उपरोक्त माध्यम में से कोकोपीट को नारियल के कवच के ऊपर उपस्थित रेशों से बनाया जाता है तथा यह जड़ों की बढ़वार के लिए माध्यम के रुप में कार्य करता है। परलाइट वोल्कैनिक उत्पत्ति की चट्टानों से निकले पदार्थ को अत्यधिक तापक्रम (980 ह् से.) पर गर्म करके तैयार किया जाता है। यह माध्यम भी जल निकास व माध्यमों के मिश्रक के बीच उचित हवा उपलब्ध कराने में सहायता करता है। यह सफेद रंग का बहुत हल्का माध्यम है जिसका एक भाग माध्यम मिश्रक में मिलाया जाता है।

सर्दी में पौध तैयार करते समय ग्रीनहाउस या अन्य संरक्षित क्षेत्र में रात को हीटर का प्रयोग किया जा सकता है तथा यह हीटर रात को तब चलाया जा सकता है जब तापमान 13 या 14 ह् से. कम होता है। सर्दी में पौध की प्रारम्भिक अवस्थाप में 70 पी.पी.एम. (10 लाख भाग में से 70 भाग) घोल जिसमें नत्रजन, फास्फोरस व पोटाश को 1X1X1 अनुपात में मिलाकर बनाया जाता है तथा बाद में यह मात्रा 140 पी.पी.एम. प्रति सप्ताह तथा कभी-कभी 200 पी.पी.एम. मात्रा के घोल तक बढ़ा दी जाती है। खाद व पानी को एक विशेष प्रकार की बूम प्रणाली या फव्वारा पद्धति द्वारा दिया सकता है जिससे खद व पानी एक समान मात्रा में सभी ट्रे में जा सके तथा पौध की बढ़वार व गुणवत्ता एक समान रहे। गर्मी में बीज बोने के बाद ट्रेज को अंकुरण कमरे में रखने की आवशकता नहीं रहती है तथा खाद 70 पी.पी.एम. की मात्रा में दी जाती है। पौध पर एक बार विशेष प्रकार के वृद्धि नियामक घोल का छिड़काव भी किया जाना चाहिए। इसका छिड़काव तभी किया जाता है जब दिन का तापमान 20 से 30 डिग्री से. के बीच हो। खाद के प्रयोग हेतु फुहारानुमा बूम प्रणाली या फिर सामान्य फुहारे का प्रयोग किया जा सकता है। इसके जरिये समस्त खाद व घोल समय-समय पर पौध को दिये जाते हैं। इस प्रकार इस तकनीक द्वारा सर्दी के मौसम में पौध तैयार होने में 28 से 30 दिन लगते हैं। तैयार पौध को माध्यम सहित निकालकर मुख्य खेत में रोपाई की जाती है। माध्यम के चारों ओर जड़ों का जाल फैला रहता है जो पौध की ओज व गुणवत्ता को दशाार्ता है। पौध को दूर स्थान तक भेजने के लिए माध्यम सहित पैक करके ले जाया जा सकता है। यदि कद्दूवर्गीय फसलों की पौध गर्मी के मौसम में तैयार की जाती है तो इसमें कुल 12 से 15 दिन का समय लगता है। इस तकनीक द्वारा पौध तैयार करने में पौध में जड़ों का विकास बहुत अच्छा व अधिक होता है।

आधुनिक संरक्षित खेती तकनीक द्वारा पौध तैयार करने के लाभ

1. इस प्रकार पौध को कम समय में तैयार किया जा सकता है तथा खासकर सर्दी के मौसम में जहाँ बाहर खुले वातावरण में क्यारियों में टमाटर जैसी फसल की पौध तैयार करने में 50 से 60 दिन लगते हैं। इस तकनीक द्वारा केवल 28 से 30 दिन में स्वस्थ व उच्च गुणवत्ता वाली पौध तैयार हो जाती हैं।

2. बीज की मात्रा को भी काफी कम किया जा सकतर है क्योंकि इस विधि द्वारा प्रत्येक बीज को अलग-अलग छेदों में बोया जाता है जिससे प्रत्येक बीज स्वस्थ पौध देता है।

3. पौध को समस्त प्रकार के भू-जनित रोगों व कीटाणुओं से बचाया जा सकता है तथा सबसे महत्वपूर्ण यह है कि पौध को विषाणु रोगों के प्रकोप से बचाया जा सकता है।

4. जब पौध बाहर क्यारियों में तैयार की जाती है तो पौध को उखाड़ते समय जड़ आदि टूटने से पौधों की मरण क्षमता लगभग 10 से 15 प्रतिशत रहती है। लेकिन इस तकनीक द्वारा तैयार पौध में एक भी पौध के मरने की संभावना नहीं रहती है। इससे पौध को रोपक झटका भी नहीं लगता है।

5. पौध मे जड़ें अधिक विकसित व लम्बी होती है उस मौसम में तैयार करना जिसके कारण पौध अधिक व उच्च ओज वाली होती है 7

6. इस प्रकार तैयार पौध मुख्य खेत में रोपाई के बाद बहुत कम समय में स्थापित हो जाती है जब कि बाहर तैयार की गयी पौध को मुख्य खेत में स्थापित होने में कई दिन लग जाते हैं।

7. इस प्रकार संरक्षित पौध तैयार करने की तकनीक द्वारा किसी भी सब्जी फसल की पौध को कभी भी तैयार किया जा सकता है। खसकर मौसम से पहले फसल उगाने हेतु ताकि बेमौसमी सब्जी उत्पादन द्वारा अधिक लाभ कमाया जा सके। कद्दूवर्गीय सब्जियों की पौध को भी इस विधि द्वारा बड़ी सरलतापूर्वक तैयार किया जाता है जो पहले भूमि में क्यारियों में सम्भव नहीं होता था।

8. इस प्रकार की पौध अधिक गुणवत्ता वाली होती है जिससे अधिक उत्पादन लिया जा सकता है।

9. इस प्रकार तैयार पौध को सही प्रकार से पैकिंग के बाद काफी दूर ऐसी जगह तक भेजा जा सकता है, जहाँ इसे संभव न हो या फिर ऐसी तकनीक उपलब्ध न हो।

10. सब्जियों में संकर किस्मों के बीज बहुत महँगे होने के कारण यह तकनीक किसी भी प्राकृतिक नुकसान से बचाने में पूर्णतया सक्षम है।

11. इस विधि द्वारा पौध की बढ़वार को पूर्णरुप से नियंत्रित किया जा सकता है।

12. यदि किसी बीज लाट में अंकुरण की क्षमता तो है लेकिन ओज कम है तो भी इस विधि द्वारा ऐसे बीज से स्वस्थ पौध तैयार करना सम्भव है।

13. इस विधि में कम खाद व पानी की आवश्यकता होती है।

14. इस विधि में पौध की बढ़वार को एक समान बनाया जाता है ताकि मुख्य खेत में रोपाई के बाद भी फसल की बढ़वार एक समान हो।

15. सब्जियों की संरक्षित खेती हेतु पौध तैयार करने की यह आवश्यक व एक मात्र विधि है।

कृषि विभाग, झारखण्ड सरकार; ज़ेवियर समाज सेवा संस्थान

अंकुरण के बाद सभी ट्रे ग्रीनहाउस या अन्य संरक्षित क्षेत्र में बने प्लेटफार्म या फर्द्रा पर फैलाई जा सकती है या फिर ईंटों द्वारा बने फर्द्रा पर उनको फैला कर रख दिया जाता है। उपरोक्त माध्यम में से कोकोपीट को नारियल के कवच के ऊपर उपस्थित रेशों से बनाया जाता है तथा यह जड़ों की बढ़वार के लिए माध्यम के रुप में कार्य करता है। परलाइट वोल्कैनिक उत्पत्ति की चट्टानों से निकले पदार्थ को अत्यधिक तापक्रम (980 ह् से.) पर गर्म करके तैयार किया जाता है। यह माध्यम भी जल निकास व माध्यमों के मिश्रक के बीच उचित हवा उपलब्ध कराने में सहायता करता है। यह सफेद रंग का बहुत हल्का माध्यम है जिसका एक भाग माध्यम मिश्रक में मिलाया जाता है।

एकीकृत खेती व्यवस्था तथा मिश्रित खेती

(सी.एम.शर्मा)

कृषि इतिहास पर एक नज़र =

आदि काल से हम सुनते और मानते आए हैं कि धरती हमारी माता है। यही धरती माता सब प्राणियों के जीवन योग्य संसाधन उपलब्ध करती है और इस के अस्तित्व से ही हम अन्न-जल, वायु, आदि का प्रसाद पाते हैं।

धरती का एक-एक कण हम सब के लिए महत्त्व-पूर्ण है और इसका सदुपयोग तथा संरक्षण हमारा परम कर्तव्य है।

श्रीमदभागवद पुराण के अनुसार हज़ारों वर्ष पूर्व भूमण्डल पर सर्वप्रथम सर्वांगीण रूप से राजशासन स्थापित करने के कारण राजा पृथु को पृथ्वी का प्रथम राजा माना गया है।

महाराज पृथु ने ही पृथ्वी को समतल किया जिससे वह उपज के योग्य हो पाई। जैसे-जैसे जन-संख्या बढ़ती गई और पुर, नगर और गाउँ स्थापित होते गए, खाद्यान्न की आवश्यकता बढ़ती गई।

कहते हैं आवश्यकता आविष्कार की जननी है। इसी सन्दर्भ में कृषि जगत में नई-नई खोजें होती गईं। प्राचीन मिश्र देश के लोगों ने बरसाती बाढ़ द्वारा नील नदी के 6 मील लम्बे तटों पर जमा हुए मलबे को अपने लाभ के लिए उपयोग करना शुरू किया। इन लोगों ने अपनी जीवन शैली को मानसून और बाढ़ के चक्र के अनुरूप ढाल दिया। बरसात की बाढ़ का पानी उतरने के पश्चात ये लोग इन प्राकृतिक उर्वरक-युक्त मलबे वाले तटों पर हल चला कर फसलों का बीज बो लेते और अच्छी उपज प्राप्त करते। उन्नीसवीं शताब्दी के अंतिम वर्षों में पहली फफूंद नाशक रसायन बौर्डिओक्स मिक्सचर का आविष्कार हुआ। सर ग्रेगोर मेंडेल द्वारा परिभाषित अनुवांशिकी सम्बंधित नियमों को लगभग एक सौ अट्ठारह वर्ष पूर्व विज्ञान जगत से मान्यता मिल गई और उन्नत बीज के प्रजनन की विधि विकसित हुई।

कृषि विकास के मुख्य बिंदु

भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात कृषि विभाग का मुख्य कार्य कृषि उत्पादन से विपणन तक की प्रमाणित उन्नत तकनीक और इनपुट्स को विस्तार तथा विकास अधिकारियों, विशेषज्ञों और संचार के भिन्न-भिन्न माध्यमों द्वारा कृषकों तथा सम्बंधित एजेंसियों के बीच वित्तीय सहायता द्वारा विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्रचारित, प्रसारित एवं प्रयोग के लिए प्रेरित करना है।

इस दिशा में विभाग किसानों में उत्तम उन्नत बीज, रसायनिक एवं गैर-रसायनिक उर्वरक, पौध संरक्षक रसायन, यंत्र तथा उपकरण, सिंचाई तथा जल संरक्षण, मृदा विश्लेषण व संरक्षण, खाद्य प्रसंस्करण, विपणन, सस्ते दरों पर ऋण, फसल बीमा की सुविधा, इत्यादि उपलब्ध करवा रहा है।

इक्कीसवीं शताब्दी ईस्वी आते-आते यह बात उजागर हुई है कि खाद्य सुरक्षा के साथ-साथ किसान की आर्थिक स्थिति उद्योग, व्यापार एवं कर्मचारी वर्ग के समान ही सुदृढ़, स्थिर एवं जोखिम-मुक्त होना अति-आवश्यक है। यह तभी संभव हो पाएगा जब कृषि उत्पादन मांग और पौष्टिकता पर आधारित हो, विविधता-केंद्रित हो और रणनीति में पूर्ण समन्वय हो। एकीकृत खेती व्यवस्था तथा मिश्रित खेती इस रणनीति का महत्त्वपूर्ण अंग हैं

जिन्हें किसानों को समय, स्थान एवं बाज़ार को ध्यान में रखते हुए अपनाना चाहिए।

भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात कृषि विभाग का मुख्य कार्य कृषि उत्पादन से विपणन तक की प्रमाणित उन्नत तकनीक और इनपुट्स को विस्तार तथा विकास अधिकारियों, विशेषज्ञों और संचार के भिन्न-भिन्न माध्यमों द्वारा कृषकों तथा सम्बंधित एजेंसियों के बीच वित्तीय सहायता द्वारा विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्रचारित, प्रसारित एवं प्रयोग के लिए प्रेरित करना है।

मिश्रित खेती

मिश्रित खेती से मतलब एक साथ खेत में कई फसलें उगाना है। (खेती-किसानी) के अनुसार आज यह आवश्यक है कि हमारे किसान मिश्रित खेती करें । मिश्रित खेती में मनुष्य, पशु, वृक्ष और भूमि सभी एक सूत्र में बंध जाते हैं । सिंचाई की सहायता से भूमि, मनुष्य और पशुओं के लाभ के लिए, फसलें और वृक्ष पैदा करती है और इसके बदले में मनुष्य और पशु खाद द्वारा भूमि को उर्वरक बनाते हैं । इस प्रकार की कृषि-व्यवस्था में प्रत्येक परिवार एक या दो गाय या भैंस, बैलों की जोड़ी और, यदि सम्भव हो तो, कुछ मुर्गियां भी पाल सकता है । थोड़ी सी भूमि में शाक-तरकारियां उगा सकता है । खेतों में अनाज आदि की फसलें पैदा कर सकता है और मेड़ों के सहारे घर-खर्च के लिए या बेचने के लिए फल देने वाले वृक्ष उगा सकता है । जहाँ संभव हो, किसान अपने फार्म में छोटे से कुंड में मछलियां भी पाल सकता है।

जहां पानी की कमी नहीं है, उन क्षेत्रों में पेड़-पौधे लगाने की योजना हो सकती है। खेत की मेंड़ों के सहारे पीछे की ओर, शीशम जैसे इमारती लकड़ी के वृक्ष और बबूल, सामने की ओर कलमी आम, पपीता, अमरूद, नींबू और संतरा जैसे फलों के वृक्ष लगाने चाहिएं। जितने वृक्षों के नाम बताए गए हैं, वे सभी बौने वृक्ष हैं, इनकी छाया थोड़ी होती है। इसलिए फसलों को इनसे किसी प्रकार की हानि नहीं पहुंचती। गर्म-मैदानी इलाकों में दो वृक्ष ऐसे हैं जो प्राचीन काल से ही भारतीयों को बड़े प्रिय रहे हैं। घर के बगीचे में इन दोनों वृक्षों को लगाना सभी पसन्द करते हैं। ये दो वृक्ष हैं--बेल और आमला। बेल के फल पाचन-क्रिया, पेट के विकारों में, विशेषकर अतिसार और संग्रहणी जैसे रोगों में, अति लाभदायक समझे जाते हैं। आमले के फलों में विटामिन सी प्रचुर मात्रा में होता है। आमले के फलों से चटनी और मुरब्बे तैयार किए जाते है।

एकीकृत खेती प्रणाली

कृषि व्यवसाय में अधिक लाभ लेने के लिए एकीकृत प्रणाली का विशेष महत्व है। फसल उत्पादन के अतिरिक्त पशु, बागवानी, मत्स्यपालन मधुमक्खी एवं मुर्गी पालन सहित खुम्बी का उत्पादन करने से मृदा स्वास्थ्य को बनाए रखने सहित अतिरिक्त आय प्राप्त की जा सकती है। बिना पशुपालन के जमीन की सुरक्षा नहीं की जा सकती है। गोबर की खाद एवं गो मूत्र ही मिट्टी की बनावट को बरकरार रखेगा। लगातार रसायनिक खादों के हो रहे उपयोग से जमीन या तो अम्लीय या क्षारीय होने की प्रवृत्ति बन रही है। मिट्टी की पीएच हमेशा संतुलित रहनी चाहिए, तभी मिट्टी फसलों के लिए उपयुक्त होगी। किसानों को अपनी मिट्टी जांच करवा कर ही उर्वरकों का उपयोग करना चाहिए। किसानों को समूह बनाकर खेती करने की जरूरत है। यदि 20-25 किसान मिलकर एकीकृत खेती करते हैं, तो इसके लिए उन्हें बैंकों से समूह में केसीसी ऋण लेने में भी सहायता मिलेगी। इस व्यवस्था में कृषि उत्पादों की प्रोसेसिंग करने पर बल दिया जाता है । हम यदि कृषि उत्पादों का मूल्य संव ?झर्द्धन करते हैं, तो इससे किसानों को ज्यादा से ज्यादा मूल्य मिलता है, जो आज के युग की मांग है। ज्यादा से ज्यादा संख्या में किसान इस प्रणाली को अपनाएं तो लाभ में रहेंगे। एकीकृत सघन खेती प्रणाली में खेती प्रणाली की रचना के बारे में अत्यन्त सावधानीपूर्वक विचार करना आवश्यक है। मिट्टी की हालत, पानी की उपलब्धता, खेती योग्य मौसम, घरेलू आवश्यकताएं और सबसे ऊपर बिक्री के अवसर फसलों, पशुओं और अन्य बातों का निर्धारण मिल बैठ कर करना आवश्यक है। खेती के पशुओं में जुगाली करने वाले छोटे और बड़े पशु विशेष लाभदायक होते हैं। क्योंकि वे फसल से उत्पन्न 'बायोगैस' पर जीवित रह सकते हैं। मुर्गी पालन आदि से आय बढ़ने के साथ-साथ पौष्टिक आहार भी प्राप्त होता है।

हमारे किसान वर्ग के लोग अधिकतर आपस में मिल बैठ कर न तो योजना बनाते हैं न उसे व्यवहार में लाते हैं। यदि ग्राम स्तर अथवा क्लस्टर स्तर पर किसान आपस में सहयोग करें तो कोई कारण नहीं कि उनकी फसल उत्तम और पौष्टिक होगी, आय अधिक होगी, फसल बीमा से जोखिम भी न्यूनतम होगा, पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा तथा धरती भी माता की तरह पोषण करती रहेगी ।